@NewsRotary
/RotaryNewsIndia

रोटरी समाचार

June 2018

Vol.35, Issue 12 | Price Rs 35 | Annual Subscription Rs 420

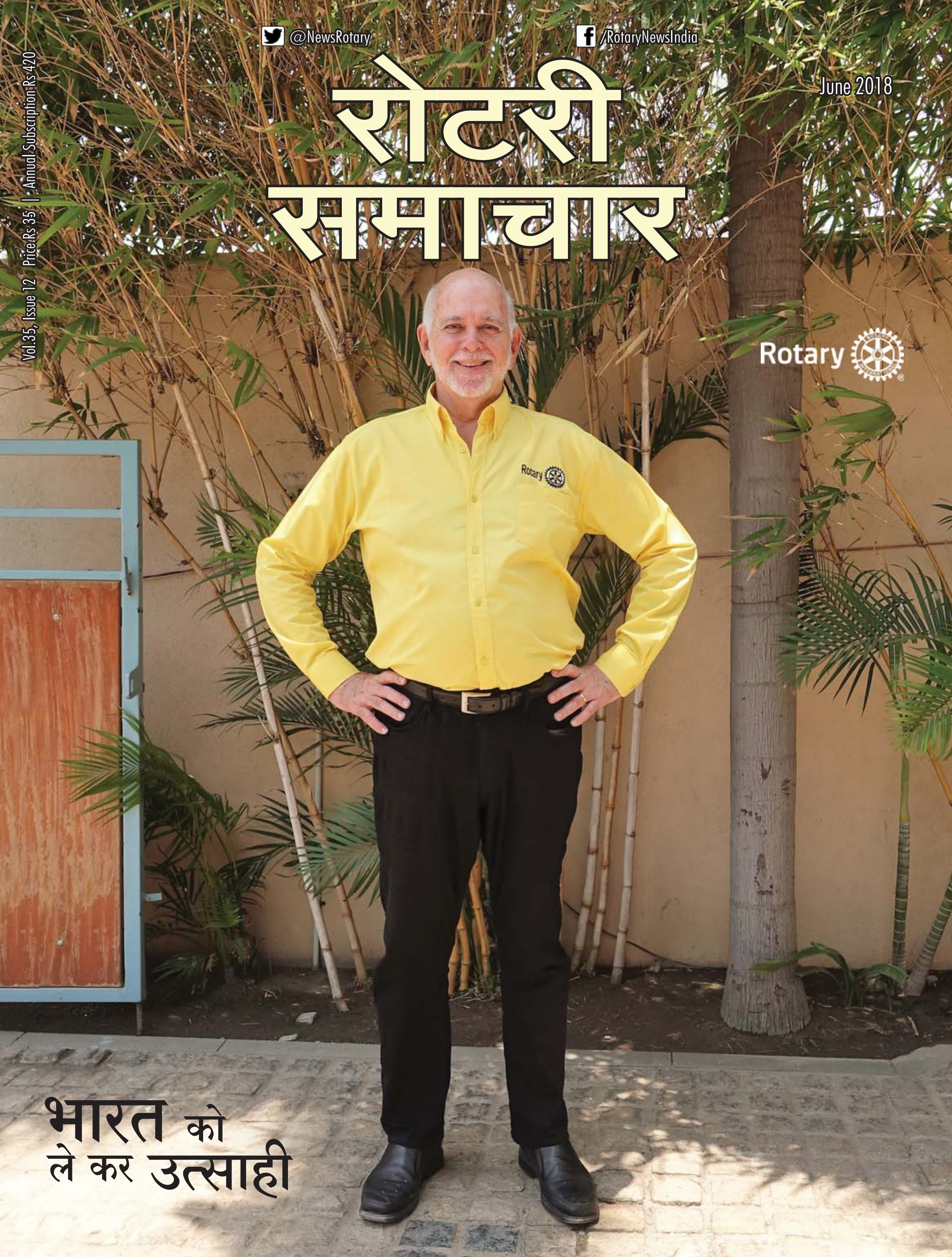

भारत को ले कर उत्साही

TORONTO 2018

Rotary | ROTARY: MAKING A DIFFERENCE

Join the Traditional South Asian Reception

RI Convention, Toronto

Invite your global partners who support your service projects.
Bring your Rotary friends to show how Rotary works globally.
Opportunity to meet all the world leaders of Rotary.

Venue:
The Ritz-Carlton Hotel
Ball Room, 181, Wellington Street West, Toronto,
ON M5V 3G7, Canada. Tel: +1 416-585-2500

RID C. Basker
& Malathi Basker

We cordially invite
the Rotary family of South Asia
to a traditional reception
on Saturday, June 23rd, 2018
at The Ritz-Carlton Hotel
between 5.00 pm - 7.00 pm

Chairman - PDG R. Theenachandran
& Vasanthi Theenachandran

Registration Fee: INR 5,000 / US $ 75 per person

Payment can be made by cheque payable at par or DD favouring
R. THEENACHANDRAN payable at MADURAI, TAMIL NADU and send to:

PDG R. Theenachandran, Chairman - South Asian Reception
Devi House, 281-4, Sivagangai Main Road, Gomathipuram, Madurai - 625020 Tamil Nadu, India.
Tel: +91 452 4370027, Mob: +91 94430 53301 E-mail: theena3000@gmail.com

विषयसूची

12 भारत फाउंडेशन दान में नंबर 1 बनने के लिए तैयार

नवनिर्वाचित रो ई अध्यक्ष बेरी रेसिन के साथ उनके हाल ही के भारत दौरे के दौरान हुई एकान्तिक वार्ता।

30 मुंबई और कोलकाता में दो चमचमाती शामें

मुंबई और कोलकाता में रोटेरियनों द्वारा RIDNओं भरत पांड्या और कमल संघवी का अभिनन्दन।

54 रोटरी एक सर्वोत्कृष्ट परोपकारी व्यक्ति को सम्मानित करता है

रोटरी के पोलियो कार्यक्रम में उनके उल्लेखनीय समर्थन के लिए आदित्य बिड़ला फाउंडेशन फॉर कम्युनिटी इनिशिएटिव्स एंड रूरल डेवलपमेंट की अध्यक्ष राजश्री बिरला का मुंबई में अभिनन्दन।

22 छोटा शहर, बड़ी परियोजनाएं

अपनी प्रभावशाली परियोजनाओं द्वारा रोटरी क्लब रतलाम रोटरी की सार्वजनिक छवि को नई ऊंचाइयों तक ले जा रहा है।

38 चक - एक सम्पूर्ण व्यक्तित्व

PRIP राजेंद्र के साबू, PRIP चार्ल्स सी केल्लर (1987-88) को श्रद्धांजलि देते है जिनका 9 मई को निधन हो गया।

46 आरआईपीई बेरी रेसिन के साथ रोटारेक्टरों की मुलाक़ात

मुंबई में संपन्न एक बैठक में निर्वाचित रो ई अध्यक्ष, DRR को जोशीली बातों से प्रेरित करते है।

48 आइए हम नंबरों के पीछे ना भागें: रो ई निदेशक

सदस्यता, संस्थान और सार्वजनिक छवि के लिए वरिष्ठ रोटरी नेतृत्वकर्ता क्षेत्रीय नेतृत्वकर्ताओं के लिए आयोजित एक कार्यशाला को संबोधित करते है।

60 मंडल 3232 की शक्तिशाली महिला अध्यक्ष

उनके सफल वर्ष के लिए मंडल 3232 उनकी महिला अध्यक्षों का अभिनंदन करता है।

68 सचेत तन्मयता का अभ्यास करें

दिमाग को शांत एवं लचीला बनाये रखकर तनाव को दूर करने पर एक शिक्षाप्रद सबक।

कवर पर: रोटरी इंटरनेशनल के निर्वाचित अध्यक्ष बेरी रेसिन, चेन्नई में।

चित्र : रशीदा भगत

समयोचित संपादकीय; शानदार अंक

संपादकीय *भारतीय महिलाओं के लिए एक चुनौती* वास्तविकता दर्शाती है और परस्पर सम्मान एवं लिंग समानता की हमारी प्राचीन भारतीय परंपरा पर एक काला धब्बा है।

यह सुनना अत्यंत हृदयग्राही है कि विदेशियों ने पूछना शुरू कर दिया है कि भारतीय पुरुषों को आखिर हुआ क्या है और उन्होंने भारत में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर शंका ज़ाहिर की है। हमें एक अधिक जिम्मेदार समाज के लिए सुधारात्मक कार्यवाही करने की आवश्यकता है।

आरआईपीई बेरी रेसिन ने रोटेरियनों से केवल हमारी बैठकों की तस्वीरें को ही नहीं, बल्कि जिन बच्चों की हम मदद कर रहे है, जिन स्कूलों का हम निर्माण कर रहे है, जिन विकलांगों की हम सहायता कर रहे है उनकी तस्वीरों को भी साझा करने के लिए कहा है। यह बात रोटरी के लिए उनकी परिकल्पना को दर्शाती है और उसका अनुकरण किया जाना चाहिए।

लेख *प्यासे पक्षियों के लिए एक रोटरी पहल* को पढ़कर और राजस्थान के बीकानेर मरुधरा के रोटरी क्लब के सदस्यों द्वारा दी जा रही सेवा के बारे में जानकर मुझे बहुत ख़ुशी हुई। वे गर्मियों में बेजुबान पक्षियों को जल प्रदान कर रहे है जो एक रेगिस्तान में मिलना कठिन होता है। उनकी पहल प्रशंसात्मक है और अन्य क्लबों द्वारा इसका अनुकरण किया जाना चाहिए।

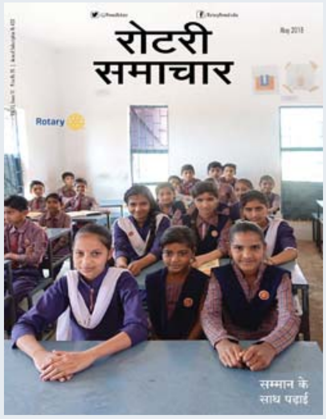

मुझे यह बताकर ख़ुशी हो रही है कि तिरुवनंतपुरम में हमारी ऊँची इमारत की छत पर एक बर्तन में पानी रखकर मैं पक्षियों को गर्मियों में जल प्रदान करता हूँ। लगभग सभी लेख रोचक थे और आशा है कि संपादक के दल द्वारा भविष्य में भी ऐसी ही रोचक पाठन सामग्री प्रदान करने हेतु प्रयास जारी रहेंगे।

एम टी फिलिप
रोटरी क्लब त्रिवेंद्रम सबअर्बन - मंडल 3211

कुछ अत्यंत महत्वपूर्ण जानकारी को हमारे समक्ष रखने और पाठकों को सोचने पर मजबूर करने एवं उन्हें 'सक्रिय वक्तियों' में परिवर्तित करने हेतु *रोटरी समाचार* को एक मंच की तरह इस्तेमाल करने के आपके शानदार कार्य के लिए मैं आपको बधाई देता हूँ।

एक रोटेरियन होने के नाते, यह मुझे अत्यंत गर्व और तसल्ली प्रदान करता है, जब रोटरी की पहुँच औपचारिक सीमा से परे जाकर प्रसिद्ध हस्तियों के साथ-साथ गणमान्य व्यक्तियों को हमारे संचार का हिस्सा बनाती है।

मैंने RIPE बैरी रेसिन की राजस्थान की मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया से मुलाकात के समाचार और तस्वीरें देखी थी। वह वाकई में एक ऊर्जस्वी महिला है। आपकी सम्पादकीय महिलाओं में मौजूद अपार क्षमता के बारे में हम सबकी भावनाओं को समझती है और यह इस बैठक का बखूबी चित्रण करती है। हमारे क्लब में हमने जान-बूझकर महिला रोटेरियनों को शामिल करने पर ध्यान केन्द्रित किया है ताकि माँ दुर्गा और माँ शक्ति की ताकत हमारी सेवा गतिविधियों में प्रतिबिंबित हो सके।

मनोज काबरे
बैंगलोर वाइटफील्ड सेंट्रल - मंडल 3190

मई अंक में रोटरी की विभिन्न परियोजनाओं पर उत्कृष्ट एवं सूचनाप्रद लेख है। सम्पादकीय, *भारतीय महिलाओं के लिए एक चुनौती,* ने वास्तव में मेरे दिल को छुआ। यह बहुत ही शर्मनाक है कि आपको स्विट्ज़रलैंड में एक समारोह में पत्रकारों का निशाना बनना पड़ा - ''भारतीय पुरुषों को हो क्या गया है? क्या भारत में महिलाएं वाकई सुरक्षित है?''

स्थिर सदस्यता

रोई निदेशक जॉन मैथ्यूज़ का साक्षात्कार प्रेरणात्मक है, और उससे भी ज्यादा सदस्यता को बनाए रखने हेतु रणनीतियों की आवश्यकता को लेकर उनका अवलोकन। उचित प्राथमिकताओं की कमी के कारण 1.2 मिलियन की स्थिर सदस्यता के बारे में उनकी बेबाक़ टिप्पणियाँ आँखें खोल देने वाली है।

रोटरी नेतृत्वकर्ताओं को मौजूदा सदस्यता को नियुक्तियों, परामर्शों और सम्मान देने की प्रक्रिया के माध्यम से बरकरार रखने के अतिरिक्त, युवाओं और महिलाओं पर ध्यान केन्द्रित करते हुए नए सदस्यों के प्रवेश को लेकर स्पष्ट, भिन्न और साध्य रणनीतियां तैयार करने के लिए सदस्यता संख्या में वृद्धि को समझने हेतु गहन प्रयास एवं आत्म विश्लेषण करना होगा।

आर मुरली कृष्ण
रोटरी क्लब बेरहामपुर
मंडल 3262

पीडीजी भल्ला, एक लेखक का अनावरण

रशीदा भगत द्वारा लिखा गया और एन कृष्णमूर्ति द्वारा डिज़ाइन किया गया *रोटरी और लेखन दोनों उनके जूनून* है मेरे लिए आँखें खोल देने वाला है। पीडीजी प्रेम पी भल्ला हमारे मंडल 3080 के एक बहुत वरिष्ठ रोटेरियन

चूंकि रोटेरियन हमारे समुदाय में एक परिकल्पना के साथ कार्य करते है, अब समय भारत में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर जागरूकता कार्यक्रमों के बारे में विचार करने का है। स्वच्छता, पेय जल पर विभिन्न लेख और स्कूल के बच्चों पर एक अन्य लेख जिसमें उन्हें अब ज़मीन पर और नहीं बैठना पड़ेगा, समुदाय के लिए हमारे समर्पित कार्यों का वर्णन करते है।

धमतरी में एक सफल RAHAT शिविर एक स्वस्थ समाज के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को इंगित करता है। मुझे यह जानकर ख़ुशी हुई कि मेरे साथी रोटेरियन इस परियोजना पर कड़ी मेहनत कर रहे है।

कुल मिलाकर, एक शानदार रंगबिरंगा अंक। टीम रोटरी न्यूज़ को बधाइयाँ।

पी आर एन चंद्रमौली
रोटरी क्लब बेरहामपुर मिडटाउन - मंडल 3262

एक समयोचित सम्पादकीय और एक प्रभावशाली लेखन के लिए आपको शुभकामनाएं। रोटरी क्लब दिल्ली साउथ में हम महिला सशक्तिकरण में विश्वास रखते है। क्लब ने महिलाओं में आत्मविश्वास और हिम्मत जगाने और हिंसक ताकतों के विरुद्ध आवाज़ उठाने और उनका डटकर सामना करने के लिए पाँच व्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्रों की स्थापना की है और उनका संचालन भी कर रहा है।

सोम दुआ
रोटरी क्लब दिल्ली साउथ - मंडल 3011

है, और मैं उन्हें व्यक्तिगत तौर पर काफी सालों से जनता हूँ क्योंकि मैं वर्ष 1989 से एक रोटेरियन हूँ।

लेख को पढ़ने के बाद मैं उनके बारे में अधिक जान गया हूँ। मैंने उन्हें फ़ोन किया और उनके लेखन के जूनून के लिए उन्हें शुभकामनाएं दी। मैं उनकी रोटरी गतिविधियों से अवगत था लेकिन जहाँ तक सवाल उनके द्वारा लिखी गई ढेरों किताबें और अन्य गतिविधियों का है, इसके बारे में मुझे केवल *रोटरी समाचार* से ही पता चला।

कृपया हमारे वरिष्ठ रोटरी नेतृत्वकर्ताओं के बारे में और अधिक लिखकर हमें जानकारी प्रदान करें। वे हमारे प्रेरणास्रोत है। *रोटरी समाचार* को सूचनाप्रद और रोचक बनाने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

डॉ सुरेश के सबलोक
रोटरी क्लब सिरमौर हिल्स - मंडल 3080

रोटरी समाचार में हमारी परियोजनाओं को प्रस्तुत करना

मैं ठाणे के रोटरी क्लब का बोर्ड सदस्य हूँ। हमारा क्लब 1958 में अधिकृत किया गया था और मंडल 3142 में यह सबसे पुराना क्लब है। 100 के करीब हमारे सदस्य ठाणे के माननीय नागरिक है और पूर्व में मेयर जैसे महत्वपूर्ण पदों पर रह चुके है। हम अनेक मुख्य परियोजनाएं करते है और मंडल गवर्नरों और अन्य रोटरी क्लबों से बहुत सारी प्रशंसा प्राप्त करते है। मैं हर माह *रोटरी समाचार* पढ़ता हूँ और मुझे लगता है कि वैश्विक पाठकों के लिए यह जानने हेतु यह एक शानदार मंच है कि रोटरी भारत में क्या कर रही है। *रोटरी समाचार* में मैं हमारी परियोजनाएं छपते देखने के लिए उत्सुक हूँ और ऐसा करने की प्रक्रिया के बारे में जानना चाहता हूँ। कृपया मुझे अपने लेख को हमारी मैगज़ीन में प्रकाशित करवाने के मानदंडों के बारे में बताइए।

रामकृष्णन सुब्रमण्यम
रोटरी क्लब ठाणे - मंडल 3142

संपादक से एक सूचना

आपके क्लब की परियोजनाओं के बारे में हमें एक संक्षिप्त रिपोर्ट भेजें - परियोजना का विवरण, यह कहाँ की गई, कितने लोगों/समुदायों को इसने लाभान्वित किया, परियोजना की उत्पत्ति और लागत, परियोजना संपर्क विवरण। कृपया सामान्य कल्याणकारी परियोजनाओं जैसे पौधारोपण, रक्त दान शिविर का आयोजन इत्यादि ना भेजें। लाभार्थियों के साथ क्रियाकलापों वाली हाई रिसोल्यूशन तस्वीरें शामिल करें। तस्वीरों को क्षसि फॉर्मेट में संलग्न करें। उन्हें वर्ड फाइल या लैटर के विवरण में सन्निहित ना करें।

ईमेल आईडी: rotarynewsmagazine@gmail.com; rushbhagat@gmail.com

पुणे की असाधारण रेणुताई

रेणुताई की कवर स्टोरी (अप्रैल अंक) हम में से बहुत लोगों की आंखें खोल देने वाली थी। हमारे पास उपलब्ध इतनी सारी सुविधाएं होने के बावजूद, हम बाहर जाकर निस्वार्थ भाव से समाज के लिए कुछ अच्छा करने हेतु समय नहीं निकालते। रेणुताई ने वेश्याओं के बच्चों को एक सुरक्षित और सम्माननीय भविष्य प्रदान करने के लिए एक लाभदायक नौकरी छोड़ दी। साधारण तौर पर हम सुसज्जित महिलाओं और पुरुषों को उनके क्लबों में एक एक छोटी परियोजना करने के बाद तस्वीरों के लिए मुद्राएँ बनाते हुए देखते है। रोटरी में तड़क-भड़क और चकाचौंध से भी अधिक बहुत कुछ है, यह दिखाने के लिए आपको सलाम। इस दुनिया की रेणुताईयों को और अधिक शक्ति मिलें।

ज्योतिका पाई
रोटरी क्लब ग्रेपसिटी नासिक - मंडल 3030

अप्रैल अंक में अद्भुत कहानियाँ है। लेख *रोटरी के लिए कॉर्पोरेट सदस्यता?* पढ़ना अच्छा रहा। TRF के साथ-साथ परियोजनाओं के निधीयन में हमें कॉर्पोरेट सदस्यों की मदद की जरूरत है।

लेख *RYLA मनोरंजन से कहीं अधिक* है रोटारेक्टरों का रोटरी को समझने और भविष्य में रोटेरियन बनने हेतु उनकी मदद करने में डीजी बाघ सिंह पन्नू के प्रयासों को दर्शाता है। रोटरी क्लब पालई, मंडल 3211 की रक्त दान परियोजना (*रक्त सभी धर्मों के लोगों को एक कर देता है*), जिसने धर्म से परे सोचने में लोगों की मदद की, सराहनीय है।

नवीन गर्ग
रोटरी क्लब सुनाम - मंडल 3090

अपने विचार संपादक को भेजें: rotarynews@rosaonline.org; rushbhagat@gmail.com **पर ई-मेल करें।**

Governors Council

RI Dist 2981	DG	P S Ramesh Babu
RI Dist 2982	DG	Dharmesh R Patel
RI Dist 3000	DG	P Gopalakrishnan
RI Dist 3011	DG	Ravi Choudhary
RI Dist 3020	DG	G V Rama Rao
RI Dist 3030	DG	Dr K Sunder Rajan
RI Dist 3040	DG	Dr Zamin Hussain
RI Dist 3053	DG	Rajkumar Bhutoria
RI Dist 3054	DG	Maullin Manubhai Patel
RI Dist 3060	DG	Ruchir Anirudh Jani
RI Dist 3070	DG	Parvinder Jit Singh
RI Dist 3080	DG	T K Ruby
RI Dist 3090	DG	Bagh Singh Pannu
RI Dist 3110	DG	Vinay Kumar Asthana
RI Dist 3120	DG	Ranjeet Singh
RI Dist 3131	DG	Abhay Gadgil
RI Dist 3132	DG	Vyankatesh Vithal Channa
RI Dist 3141	DG	Prafull J Sharma
RI Dist 3142	DG	B M Sivarraj
RI Dist 3150	DG	J Abraham
RI Dist 3160	DG	Madhu Prasad Kuruvadi
RI Dist 3170	DG	Anand G Kulkarni
RI Dist 3181	DG	M M Chengappa
RI Dist 3182	DG	G N Prakash
RI Dist 3190	DG	Asha Prasanna Kumar
RI Dist 3201	DG	Vinod Krishnan Kutty
RI Dist 3202	DG	Sivashankaran P M
RI Dist 3211	DG	Suresh Mathew
RI Dist 3212	DG	Chinnadurai Abdullah
RI Dist 3231	DG	Jawarilal Jain K
RI Dist 3232	DG	R Srinivasan
RI Dist 3240	DG	Sunil Saraf
RI Dist 3250	DG	Vivek Kumar
RI Dist 3261	DG	Harjit Singh Hura
RI Dist 3262	DG	Ajay Agarwal
RI Dist 3291	DG	Brojo Gopal Kundu

Board of Permanent Trustees & Executive Committee

PRIP	Rajendra K Saboo	RI Dist 3080
PRIP	Kalyan Banerjee	RI Dist 3060
PRID	Sudarshan Agarwal	RI Dist 3011
PRID	Panduranga Setty	RI Dist 3190
PRID	Sushil Gupta	RI Dist 3011
PRID	Ashok Mahajan	RI Dist 3141
PRID	Yash Pal Das	RI Dist 3080
PRID	Shekhar Mehta	RI Dist 3291
PRID	P T Prabhakhar	RI Dist 3232
PRID	Dr Manoj D Desai	RI Dist 3060
RID	C Basker	RI Dist 3000

Executive Committee Members (2017–18)

DG B M Sivarraj — RI Dist 3142
Chair – Governors Council

DG R Srinivasan — RI Dist 3232
Secretary – Governors Council

DG Abhay Gadgil — RI Dist 3131
Secretary – Executive Committee

DG Vivek Kumar — RI Dist 3250
Treasurer – Executive Committee

DG P Gopalakrishnan — RI Dist 3000
Member – Advisory Committee

ROTARY NEWS / ROTARY SAMACHAR

Editor
Rasheeda Bhagat

Senior Assistant Editor
Jaishree Padmanabhan

Send all correspondence and subscriptions to

ROTARY NEWS TRUST
3rd Floor, Dugar Towers, 34 Marshalls Road
Egmore, Chennai 600 008, India.
Phone : 044 42145666
e-mail : rotarynews@rosaonline.org
Website : www.rotarynewsonline.org

Printed by P T Prabhakar at Rasi Graphics Pvt Ltd, 40, Peters Road, Royapettah, Chennai - 600 014, India, and published by P T Prabhakar on behalf of Rotary News Trust from Dugar Towers, 3rd Flr, 34, Marshalls Road, Egmore, Chennai 600 008. Editor: Rasheeda Bhagat.

The views expressed by contributors are not necessarily those of the Editor or Trustees of Rotary News Trust (RNT) or Rotary International (RI). No liability can be accepted for any loss arising from editorial or advertisement content. Contributions – original content – is welcome but the Editor reserves the right to edit for clarity or length. Content can be reproduced, but with permission from RNT.

स्पष्टवादिता और ईमानदार रिपोर्टिंग का महत्व

रो*टरी समाचार* में मुझे एक साल से कुछ ही ज़्यादा अरसा हुआ था, जब 2016 में फरवरी की एक ख़ुशनुमा सुबह मुझे डाक से एक पत्र मिला, अमेरिका में वाशिंगटन काउंटी से । यह पत्र चार्ल्स सी केल्लर, पूर्व रो ई अध्यक्ष के लेटरहेड पर था। सच कहूँ, तब तक मुझे रोटरी की दुनिया में सम्मानीय प्रबुद्धजनों के महान योगदान के बारे में ज्ञात नहीं था, लेकिन जब मैंने पत्र पढ़ा तो जल्द ही मेरी खुशियाँ आसमान छूने लगीं। उसमें लिखा था कि कई वर्षों से उन्हें *'द रोटेरियन'* और अन्य कई क्षेत्रीय पत्रिकाऐं मिलती रही हैं और वो उन्हें अच्छी तरह से पढ़ते हैं क्योंकि उनमें पूरे विश्व में फैले रोटेरियनों की गतिविधियों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिलती है। फिर लिखा कि अभी अभी मैंने *रोटरी न्यूज़* का जनवरी अंक पढ़ना समाप्त किया है (जिसका अधिकाँश भाग तत्कालीन रो ई निदेशक मनोज देसाई के जयपुर इंस्टिट्यूट को समर्पित था) और मेरे ख्याल से मैंने अभी तक क्षेत्रीय प्रकाशन के जितने भी अंक देखे हैं, यह सर्वश्रेष्ठ अंकों में से एक है।

उन्होंने लिखा, यह पत्रिका ''भारत में रोटरी के क्रियान्वयन और विकास के बारे में भरपूर जानकारी देती है।'' निश्चित रूप से यह प्रशंसा थी, इसके बाद पीआरआईपी केलर ने उन दो शब्दों का ज़िक्र किया जो स्पष्ट रूप से हमारे मीडिया से गायब हैं। उन्होंने कहा कि भारत में यह ''अच्छाई व कमियों को ईमानदारी से अवगत कराती है'' और भारतीय रोटेरियन्स द्वारा किए गए ''अदभुत कार्यों'' का वर्णन विस्तार से करती है। (राष्ट्रपति केलर का पत्र, जिनका हाल ही में निधन हुआ है, पृष्ठ 41 पर है)।

आजकल भारत के अधिकाँश मीडिया से ''ईमानदार रिपोर्टिंग'' गायब हो गयी है, और मैंने क़रीब 40 वर्षों में फैले अपने पत्रकारिता कैरियर में ऐसी कठोर आलोचना और यहाँ तक कि अवमानना का सामना, भारतीय मीडिया के लिए नहीं किया है। हालाँकि रोटेरियनों के लिए निकाले जाने वाली इस पत्रिका में खोजी पत्रकारिता के लिये गुंजाइश कम ही है, लेकिन अगर हम इस संगठन, रोटेरियनों और उनके काम के प्रति सिर्फ सकारात्मक व आशावादी दृष्टिकोण रखेंगे तो यह लापरवाही भरा और निरर्थक होगा। इसी वजह से यह और भी आशाप्रद है कि हमारे जोन के वर्तमान रो ई निदेशकों सहित भारत में अधिक से अधिक वरिष्ठ रोटरी नेता, हमारे जोन में रोटरी की कमियों पर बिना किसी लाग लपेट के अपने विचार व्यक्त करने में ज़रा भी नहीं झिझकते हैं। हाल ही में रहे पूर्व रो ई अध्यक्षों और वर्तमान अध्यक्ष इयन राय्सली, अध्यक्ष-निर्वाचित बेरी रेसिन सहित, सभी ने भारतीय रोटेरियनों के टीआरएफ में उदारता से योगदान की मुक्तकण्ठ से प्रशंसा की है साथ ही उन विशाल सेवा परियोजनाओं के निष्पादन की, जिनसे उस समाज का चेहरा परिवर्तित हो रहा है जिस समाज में वो रहते हैं। लेकिन साथ ही, नाज़ुक स्थितियों पर समीक्षात्मक चिंता भी है जैसे सदस्यता को अस्थायी रूप से बढ़ाना। जैसा कि रो ई निदेशक सी भास्कर विभिन्न सम्मेलनों में अक्सर कहते हैं, लोगों को बड़ी संख्या में रोटरी में शामिल करने से छोटे प्रयोजन की उपलब्धि होती है, अगर वे ''एक साथ प्रवेश करने और एक साथ छोड़ने'' के लिए आते हैं। कुआलालंपुर जोन इंस्टीट्यूट में पूर्व रो ई अध्यक्ष के आर रविंद्रन ने ''फ्रैंक्ली स्पीकिंग'' सत्र में भारत के पूर्व अध्यक्ष - राजेंद्र साबू और कल्याण बेनर्जी दोनों से भारतीय रोटरी की कमियों के बारे में कुछ कठिन प्रश्न पूछे थे। उनमें से कोई भी ईमानदारी से जवाब देने में नहीं हिचकिचाया और भारत में रोटरी की कमजोरियों या कमियों को निर्ममता से उजागर किया।

हमने *रोटरी समाचार* में वरिष्ठ नेताओं के निष्पक्ष मूल्यांकन की सटीक और अक्षरशः रिपोर्टिंग करने का प्रयास किया है कि कैसे कुछ धूर्त व अवांछनीय व्यक्ति, बेईमानी के प्रकरण, प्रबंधन के मुद्दे, अत्यधिक शिकायतें करना और रो ई के शीर्ष नेताओं को उसकी प्रतियां भेजना, इत्यादि भारतीय रोटेरियन्स की छवि खराब कर सकते हैं, जबकि ज़्यादातर रोटेरियन विश्वसनीय साझेदारी स्थापित करने और अपने समाज में हजारों की ज़िन्दगी बेहतर बनाने के लिए मशक़्क़त कर रहे हैं। आखिरकार, किसी समस्या को हल करने का पहला कदम यह स्वीकार करना है कि समस्या का अस्तित्व मौजूद है ...

रशीदा भगत

परिवर्तन का जादु

प्रिय साथी रोटेरियनों,

60 वर्षों से प्रत्येक नवनिर्वाचित अध्यक्षों के लिए, थीम का चुनाव करना सौभाग्य रहा है, और कई बार एक चुनौती भी। उन पिछली थीम्स की तरफ मुड़कर देखने पर हमें प्रत्येक नेतृत्वकर्ता की सोच एवं परिकल्पना की एक झलक दिखाई देती है - वह किस तरह रोटरी को देखते थे, दुनिया में वह रोटरी को किस मुकाम पर देखना चाहते थे, और वह रोटरी द्वारा क्या हासिल किये जाने की आशा करते थे।

जब एक थीम का चुनाव करने की मेरी बारी आई, मैं नहीं हिचकिचाया। मैंने तुरंत ही समझ लिया था कि 2017-18 के लिए हमारी थीम होगी *रोटरी: परिवर्तन ला रही है।* मेरे लिए, यह छोटा सा वाक्य केवल यह नहीं बताता कि हम अभी क्या कर रहे है, बल्कि यह भी बताता है कि हम क्या करने की अभिलाषा रखते है। हम परिवर्तन लाना चाहते है। हम मदद करने के लिए, एक प्रभाव उत्पन्न करने के लिए, दुनिया को थोड़ा और बेहतर बनाने के लिए प्रयासरत है।

पिछले दो वर्षों में, मैंने विभिन्न तरीकों से रोटरी को ऐसा ही करते हुए देखा। कैलिफ़ोर्निया में, पिछले वर्ष जंगल की भयानक आग के बाद, मैंने रोटेरियनों को उन लोगों की जिंदगियों में *परिवर्तन लाते हुए* देखा जिन्होंने अपना सबकुछ गंवा दिया था। ग्वाटेमाला में, मैंने लकड़ी के एक साधारण से चूल्हे को उन औरतों की जिंदगियों में परिवर्तन लाते देखा जो पहले खुली आग पर खाना बनाती थी। अब उन्हें धुंए में साँस लेने की जरुरत नहीं पड़ती, जलाऊ लकड़ियाँ इकट्ठा करने में अब वह कम समय खर्च करती है, और वह अपने चूल्हे का इस्तेमाल छोटे व्यवसाय शुरू करने में कर रही है। इजराइल में, मैं रोटरी द्वारा समर्थित एक हाइपरबेरिक केंद्र पर गया था जो दिमागी चोट और सदमे वाले मरीजों को फिर से स्वस्थ करके, एक अर्थपूर्ण जीवन जीने में उनकी मदद कर रहा है। दुनियाभर के समुदायों में, शरणार्थियों को पुनर्स्थापित करके, बच्चों का टीकाकरण करके, एक सुरक्षित रक्त आपूर्ति सुनिश्चित करके, और युवाओं की सीखने और बढ़ने में मदद करके रोटेरियन *परिवर्तन ला रहे है।*

दुनियाभर में, रोटेरियनों की पेड़ लगाने की प्रतिबद्धता का मैं हिस्सा रहा हूँ। दी रोटेरियन का यह अंक प्रेस में जाने तक, हम अभी तक पेड़ों की अंतिम गिनती के इंतज़ार में है, लेकिन मुझे यह घोषणा करने में प्रसन्नता हो रही है कि हम पहले से ही 1.2 मिलियन पेड़ लगाने के हमारे वास्तविक लक्ष्य को पार कर चुके है, हर रोटेरियन द्वारा एक नया पेड़। और, पूरी दुनिया में, रोटरी का समर्थन, अनुदान संचयन और पोलियो उन्मूलन में सहयोग जारी है। पिछले वर्ष, क्रूर पोलियो वायरस ने दो देशों में केवल 22 लोगों को लकवाग्रस्त किया था। मुझे यकीन है कि जल्द ही यह आंकड़ा शून्य होगा, और हम उन्मूलन के घटनाक्रम में एक नया अध्याय शुरू करेंगे: इस खतरनाक वायरस का अंतिम मामला प्राप्त होने से लेकर कम से कम तीन वर्ष और लगेंगे दुनिया को पोलियो-मुक्त प्रमाणित होने में।

जब जूलिएट और मैं ऑस्ट्रेलिया में अपने घर लौटेंगे, हम अपने साथ हमारे द्वारा देखी गई जगहों की, जो दोस्त हमने बनाए उनकी, और जो सेवा हमने देखी उनकी खूबसूरत यादें अपने साथ ले जाएँगे। *'रोटरी: परिवर्तन ला रही है'* के माध्यम से आप सभी जो इतना शानदार कार्य कर रहे है उसके लिए आप सभी को धन्यवाद।

इयन एच एस राय्सली
अध्यक्ष, रोटरी इंटरनेशनल

रो ई निदेशक

का संदेश

सफलता का उत्सव

प्रिय रोटेरियनों,

रोटरी वर्ष समापन की ओर है। गतिविधियों से भरा एक वर्ष जिसमें सभी रोटेरियनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस ज़ोन के इतने सारे रोटेरियनों से बातचीत करने एवं अनेक रोटरी गतिविधियों में सम्मिलित होने के बाद, मैं यह जरूर कहूँगा कि हम एक विजेता टीम का हिस्सा है। और विजेता टीम से मेरा आशय है उन समुदायों के दिलों को जीतने वाली टीम जिनकी हम सेवा करते है। हमें कॉर्पोरेट को रोटरी परियोजनाओं में शामिल करके उनका समर्थन अर्जित करना चाहिए। हमें हमारे साथी रोटेरियनों के जोश को लगातार प्रेरित एवं उत्साहित करते रहना चाहिए। ताकत हमारे साथ है और हमें गति बनाये रखना चाहिए और इसके लिए हमें हमारी उपलब्धियों का जश्न मनाना चाहिए। आप इस बात से अवगत है कि मीडिया और व्यापार जगत नियमित रूप से सेमीनारों, सम्मेलनों, पुरस्कार समारोहों एवं उत्सवों का आयोजन करते है। उपलब्धियों का उत्सव मनाने एवं अनुकरणीय योगदानों की सराहना करने के लिए इन अवसरों का आयोजन किया जाता है। इस प्रकार की गतिविधियाँ उमंग जगाती है और एक प्रतिस्पर्धी मनोदशा का विकास करती है। दुर्भाग्यवश, रोटरी के भीतर क्लब आधारित राजनीती की हकीकत विजेता दलों के नेतृत्वकर्ताओं के लिए उत्सवी पलों को मुश्किल में परिवर्तित कर सकती है। मैंने बहुत से रोटेरियनों को देखा है जो श्रेय एवं प्रोत्साहन देना चाहते है जहाँ वह देय है, परन्तु वे स्वयं को रोकते है क्योंकि वे नहीं चाहते कि उन्हें शेखी बघारने वाले के रूप में देखा जाए। हमें सम्मान देने एवं शेखी बघारने के बीच अवश्य ही एक अंतर करना चाहिए। सम्मानित करना आवश्यक है क्योंकि यह उपलब्धि का उत्सव मनाता है; शेखी बघारना केवल खोखली बातें है। साथ ही, जिन उपलब्धियों का हम सम्मान करें वे प्रेरणात्मक एवं यादगार होनी चाहिए, वरना, उत्सव का उद्देश्य धूमिल हो जाता है।

साथ ही हमें महत्वपूर्ण कार्यक्रमों को भी मनाना चाहिए क्योंकि वे हमारे क्लबों की यात्रा के मील के पत्थर होते है। नए अफसरों की नियुक्ति, गवर्नर का आधिकारिक दौरा, टीआरएफ में योगदान और मंडल कार्यक्रमों एवं सेवा परियोजनाओं में भागीदारी जैसे कार्यक्रमों का उत्सव ऐसे मील के पत्थर है जो रोटरी में जान फूंकते है। एक उत्सव को आडंबरपूर्ण होने की आवश्यकता नहीं है। यह एक अकेले रोटेरियन के प्रदर्शन को या पिछले 12 महीनों में क्लब/मंडल की समग्र सफलता को सम्मानित करने जितना सरल हो सकता है। सफलता का उत्सव तब मनाना चाहिए जब एक साथी रोटेरियन रोटरी के लिए एक लक्ष्य को हासिल करता है। व्यक्तिगत प्रयास तब महत्वपूर्ण होते है जब उपलब्धि टीम के सामान्य लक्ष्य में सहायक होती है। हर एक उपलब्धि जो रोटरी के मिशन में सहायक होती है वह क्लब की वास्तविक सफलता होती है।

अपनी उपलब्धियों को साझा कीजिये। परन्तु केवल अपने साथी रोटेरियनों के साथ नहीं। सोशल मीडिया की ताकत का लाभ उठाइए और अपनी सफलताएँ साझा कीजिये; आप अपनी परियोजनाएं एवं अपनी रोटरी गतिविधियों की महत्वपूर्ण उपलब्धियों को सूचीबद्ध कर सकते है ताकि दूसरे व्यक्तियों को दिख सकें कि आपने और आपके क्लब ने क्या किया है। याद रखिये कि आपके क्लब की उपलब्धियाँ निश्चित एवं अर्थपूर्ण हो। रोटरी जगत में बहुत सी उपलब्धियों को कुछ संख्यात्मक मानदण्डों की जरूरत होती है विशेष रूप से अवरोधन, सदस्यता, प्रसारण एवं रोटरी संस्थान को दिए गए दान के संदर्भ में। हमें उस मानदण्ड के बारे में नए एवं युवा रोटेरियनों के मध्य अधिक जागरूकता फैलाना चाहिए ताकि उन्हें यह दिखाया जा सकें कि ये बढ़त के लिए क्यों महत्व रखते है।

यह मेरा फर्ज़ है कि मैं ज़ोन 4, 5 और 6 (दक्षिण एशिया) के सभी रोटेरियनों को इस बीतते हुए वर्ष में रोटरी गतिविधियों में उनकी सहभागिता के लिए उन्हें सलाम करूँ एवं उनका धन्यवाद करूँ। मुझे आपके अच्छे काम पर वाकई में गर्व है।

चलिए रोटरी वर्ष 2018-19 के लिए तैयारी करें।

चलिए दुनिया को दिखा दें कि रोटरी परिवर्तन ला रही है।

C. Bhaskar

सी भास्कर

निदेशक, रोटरी इंटरनेशनल

आइए, अगले वर्ष की योजना बनाएं

यह यकीन कर पाना मुश्किल है कि हमारे संस्थान की सेवा की दूसरी शताब्दी का पहला वर्ष - और दी रोटरी फाउंडेशन के अध्यक्ष के रूप में मेरा कार्यकाल - समाप्त होने पर है।

दुनियाभर में घूमते हुए रोटरी और हमारे संस्थान को सक्रिय देखना शानदार अनुभव रहा। रोटेरियनों के जूनून और समर्पण, रोट्रैक्टरों की ऊर्जा और सृजनात्मकता, और परियोजनाओं की विविधता और सेवा के रूपों को देखना प्रेरणात्मक रहा। मैंने अनगनित जरूरतमंद लोगों की जिंदगियों में रोटरी को *परिवर्तन लाते* देखा है, क्योंकि रोटेरियन क्रियाशील लोग है!

इन अनुभवों ने रोटरी के भविष्य और जो महत्वपूर्ण भूमिका हमारा संस्थान निभा सकता है और निभाते रहना भी चाहिए - खासतौर से तब जब हम पोलियो समाप्ति के युग की ओर अग्रसर है - के प्रति मेरे यकीन को फिर से मजबूत बना दिया है।

रोटेरियन होने के नाते, हमारे सामने बड़ी चुनौतियाँ और बड़े अवसर मौजूद है:

- हमें पोलियो उन्मूलन के अपने लक्ष्य को हासिल करना होगा! कृपया पोलियो अभियान के लिए योगदान कीजिये - चाहे प्रत्यक्ष दान करके, अनुदान संचयन करके, या फिर अपने पसंदीदा मीडिया मंच का उपयोग करके पोलियो की कहानी सुनाकर।
- हमें खुलकर बातचीत करनी होगी और तय करना होगा कि कौन सी अगली कॉर्पोरेट परियोजना या परियोजनाएं हम शुरू करेंगे।
- हमें दुनिया की 50 प्रतिशत जनसंख्या जो कि 30 वर्ष से कम उम्र की है को काम पर लगाने के लिए कार्य करना होगा। सर्वे क्षणों ने लगातार यह बात सिद्ध की है कि ये युवा परिवर्तन लाना चाहते है और स्वेच्छा से सेवा करना चाहते है। 21वीं सदी के युवाओं और न पीढ़ी वालों को व्यस्त रखने के लिए हमें लगातार अग्रसक्रिय योजनाएं तैयार करने की आवश्यकता है।
- दुनिया की 50 प्रतिशत आबादी महिलाओं की है। वे बहुत से क्लबों का आधार साबित हो रही है। हमें उनकी पहुँच को बढ़ाना होगा और संगठन के हर स्तर पर उनके नेतृत्व का स्वागत करना होगा।
- अधिक रोटेरियनों और क्लबों को संस्थान से करीब से जुड़ना होगा ताकि वह समझ सकें कि संगठन कैसे हमारे लक्ष्य को प्राप्त करने में हमारी मदद कर सकता है।

इस रोटरी वर्ष, मैने आपको अपने विचार मुझसे साझा करने के लिए आमंत्रित किया था। बहुत से लोगों ने किये भी - कैसे अधिक धन संचयन करें, कैसे अनुदान प्रक्रिया का सरलीकरण करें, कैसे युवाओं को आकर्षित करें, कैसे शांति स्थापित करें, दी रोटरी फाउंडेशन के माध्यम से कैसे हमारी सदस्यता में वृद्धि करें, के बारे में। आपने एक ऐसे भविष्य के बारे में अपने जूनून को अभिव्यक्त किया है जिसमें हमारे संस्थान का प्रभाव इतना अधिक होगा जितना इसकी दूसरी शताब्दी में पहले कभी नहीं हुआ। यह सब इसलिए क्योंकि आप हमारी सबसे बड़ी ताकत है।

इस यात्रा को आपके साथ साझा करने के सम्मान के लिए धन्यवाद।

Paul A. Netzel

पॉल ए नेटज़ेल

फाउंडेशन न्यासी अध्यक्ष

मुझे मेरे उत्तराधिकारी को क्या सौंपना चाहिए? मुझे बताइए। मुझे paul.netzel@rotary.org पर ईमेल कीजिए।

Ergo Bed
Smart. Adjustable. Technology.
ERGO
EQUIPPED WITH
5 ZONE
5 ZONE PIN CORE LATEX
MATTRESS
feast
surf the net
read a book
watch TV
massage
Serta
AMERICA'S #1
Mattress Brand
NOW IN INDIA
80 YEARS OF EXPERIENCE
ADJUSTABLE ERGO BASE
WARRANTY 20 YEARS LIMITED
LATEX MATTRESS
WARRANTY 10 YEARS LIMITED
With advanced and improved technology, the sleek European design Ergo bed will let you choose your own style of comfort. With an easy push of a button, this bed will freely adjust to any position of activity you desire: you can dine on your bed, use your laptop, read comfortably, lie down while watching TV, or simply relax and enjoy different intensities of noiseless vibration massages. The mattress is made of superior 100% natural pin core latex with high-grade specifications for optimal body support and comfort. Further, it also provides health benefits with the use of the Zero G position which optimizes blood circulation.
Company Showrooms: Mumbai – 022-49739066 , Bangalore – 080-41654425, Chennai - 044-48516188
Authorised Franchisees: Décor World – Hyderabad – 040-66746622, Adinath Furnitures – Surat – 0261-2634567, Impex United – Cochin - 9746471257, Dimensions Furniture & Lifestyle – Indore – 0731- 2552855, Foam Home – Mumbai – 022-23514135, Galaxy Impex – Pune – 9823815169, ND Enterprises – Navi Mumbai – 022-65111155, Diya Enterprises – Coimbatore – 9500806444, Naaz Mattress Gallery – Gurgaon – 9871170247/8700309691
Authorised Dealers: Shangar Furnishing – Vadodara – 0265-2321775, The Handloom Emporium – New Delhi – 011-22443311, Jain Foam Palace – New Delhi -011-41554162, Rajwada Décor – New Delhi - 011-45508926, Luxe Furnishing – Hyderabad – 040-23002977, Trisul Foams – Vijayawada – 0866-2489122/2579122
Manufactured & Marketed by: Emirates Sleep Systems Pvt. Ltd. (Under license from Serta Inc, USA.)
EMIRATES
Sleep Systems Pvt. Ltd.
Sales & Marketing Office: Office No # 0955 L-9, Raheja Towers, East Wing, No.26/27 MG Road, Bangalore 560001, India. Email: admin@sleepsystems.in
/sertaindia @sertaindia /sertaindia
Serta®
WE MAKE THE WORLD'S BEST MATTRESS.™
www.sertaindia.com

भारत फाउंडेशन दान में नंबर 1 बनने के लिए तैयार

रशीदा भगत

भारत रोटरी फाउंडेशन दान में शीर्ष पर पहुँचने की क्षमता रखता है और आने वाले सालों में यह पहले नंबर पर पहुंच सकता है, यह मानना है आगामी रो इ अध्यक्ष बैरी रेसीन का।

RIPE बेरी रेसिन

भारत रोटरी फाउंडेशन दान में शीर्ष पर पहुँचने की क्षमता रखता है और आने वाले सालों में यह पहले नंबर पर पहुंच सकता है, यह मानना है आगामी रो इ अध्यक्ष बेरी रेसीन का। 'रोटरी की दुनिया में भारत के महत्व पर पूछे गए एक सवाल के जवाब में आगामी रो इ अध्यक्ष बैरी रेसीन ने कहा, रोटरी के लिए भारत एक बहुत ही महत्वपूर्ण देश है; इसने सर्वाधिक सदस्यता वृद्धि दर्शाई है, एक गहन रोटरैक्ट कार्यक्रम और फाउंडेशन दान करने वाले शीर्ष नेताओं में से एक है भारत। हालांकि मैं कमियाँ नहीं गिनाना चाहता, लेकिन रोटरी में अधिक महिला सदस्य बनाना, भारत के पास उपलब्ध अवसरों में एक है। असल में, यही एकमात्र क्षेत्र है जहां वे पिछड़ रहे

हैं; बाकी सभी स्थान पर वे आगे हैं और मुझे विश्वास है कि वे फाउंडेशन दान में नंबर 1 बन जाएंगे,'' रेसिन का केहना हैं।

मैंने कहा कि यह पहली बार है जब मैंने किसी वरिष्ठ रोटरी नेता को भारत के बारे में यह कहते हुए सुना है और पूछा कि ऐसा सोचने के पीछे क्या वजह है। ''क्योंकि भारत में कॉर्पोरेट कम्पनियों पर सीएसआर का बहुत बड़ा दायित्व है और रोटरी के लिए यह बहुत बड़ा अवसर है।''

जब पूछा कि क्या भारतीय रोटेरियन्स इस विशाल कोष का अंश पाने के लिए, कॉर्पोरेट्स के साथ सामंजस्य बिठा पा रहे हैं, तो उनका कहना था मुझे लगता है कि ''अभी हम शुरुआती दौर में हैं। अपेक्षाकृत यह एक नया कानून है और हम सभी को समझना है कि यह कैसे काम करता है। लेकिन हाँ, निस्संदेह, कॉर्पोरेट कम्पनी नेताओं से बात करने का यह उचित अवसर है, ध्यान रहे, उन्हें यह ठीक प्रकार से बताएं कि उनके सीएसआर फंडों का सबसे प्रभावी उपयोग करने के लिए सबसे अच्छा माध्यम रोटरी है। एक बार जब भारत में कॉर्पो रेट लोग इसे समझ लेंगे, तो ऐसा ही होगा। इसमें कुछ साल तो लगेंगे; मुझे लगता है कि भारतीय रोटेरियन्स इस दिशा में ठीक काम कर रहे हैं, लेकिन यह और बेहतर हो सकता है।''

वह रोटरी में अधिक महिलाओं को लाने के दृढ़ समर्थक है और उन्हें लगता है कि भारत को इसमें और अधिक गति लाने की जरूरत है। ''आपके यहां केवल 11 प्रतिशत महिलाएं हैं जबकि अंतरराष्ट्रीय आंकड़ा 22 प्रतिशत है! अफ्रीका के कुछ देशों में 49 प्रतिशत तक महिलाएं हैं, और ताइवान में 38 प्रतिशत। हमारे कैरेबियन में भी तक़रीबन 35-36 प्रतिशत सदस्य महिलाएं हैं।''

तो कैरेबियन देशों में रोटरी किस तरह काम करती है; क्या यह देश की सामान्य प्रकृति व स्वरूप को प्रतिबिंबित करती है जहां आमतौर पर लोग शांत स्वभाव के होते हैं? या कुछ

उस समय, कई वरिष्ठ सदस्यों ने रोटरी में महिलाओं के प्रवेश का विरोध करने पर खड़े हो कर माफ़ी माँगी और स्वीकार किया कि महिलाओं को क्लब में लाने के बाद बेहतर परिणाम देखने को मिले हैं!

देशों की तरह यह कुछ अधिक ही औपचारिक है और पदानुक्रम से संचालित है?

"जैसा कि आप देख रहें हैं कि मैंने टाई नहीं पहनी है" वे मुस्कुराते हैं।मैं साथ में जोड़ती हूँ "और एक चटख पीली कमीज़ भी।" उन्होंने जवाब दिया, "हाँ, मैं और अधिक रिलैक्स्ड दिखने का प्रयास कर रहा हूं और आधुनिक पीढ़ी और युवा भी यही चाहते हैं! मैं इस कोशिश में हूँ की हम युवा पीढ़ी के लिए और अधिक प्रासंगिक बनें। बहामा और कैरिबियन में, रोटरी को युवाओं के अनुरूप ढालने में हम एक लंबा सफर तय कर चुके हैं।"

रोटरी में 35 प्रतिशत महिलाओं को आकर्षित करने के लिए हमारे यहाँ, सिर्फ "यह धारणा बदलने की ज़रुरत थी कि रोटरी केवल पुरुषों का क्लब है।" इस के बाद तो क्लबों ने अपना दृष्टिकोण बदलना शुरू कर दिया। शुरुआत करने के लिए रेसिन अपनी बेटी मिशेल को क्लब की पहली महिला सदस्य के रूप में लाए, जो मेडिकल सप्लाई कंपनी चलाती हैं। आगे चल कर वो अपने क्लब की पहली महिला अध्यक्ष बनीं और उस वक़्त कुछ अप्रत्याशित घटा! "कई वरिष्ठ सदस्यों ने रोटरी में महिलाओं के प्रवेश का विरोध करने पर खड़े हो कर माफ़ी माँगी और स्वीकार किया कि महिलाओं को क्लब में लाने के बाद बेहतर परिणाम देखने को मिले हैं!"

उसके बाद रेसिन की बेटी अपने दोस्तों को रोटरी में ले कर आई, "और वो दोस्त अपने दोस्तों को लाये ... न केवल महिलाओं, बल्कि अपने से काफी छोटे लोगों को भी, इसलिए मेरे क्लब का पूरा चेहरा ही बदल गया उम्र और लिंग के बेहतर परिवर्तन के साथ!"

क्या वह ये सोचते हैं कि रोटरी में महिलाएं कोई विशेष आचरण या गुण लाती हैं?

"इसे मैं इस तरह से नहीं देखता । मेरा मानना है कि हमारा उद्देश्य रोटरी में सर्वश्रेष्ठ व योग्य लोगों को लाना है और इसमें पुरुष और महिलाऐं दोनों शामिल हैं। रेसिन कहते हैं, इसे और बेहतर बनाने के लिए हमें अपने समाज में सर्वश्रेष्ठ लोगों को ढूंढने की जरूरत है।"

लेकिन महिलाओं के कुछ विशिष्ट गुण निश्चित रूप से मदद करते हैं, मुझे लगता है। आगामी अध्यक्ष का कहना है कि वह समानता पक्ष पर ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं। पुरुष और महिलाएं अलग हो सकते हैं लेकिन "वे समान हैं। महिलाएं अधिक पारिवारिक हो सकती हैं और युवा पीढ़ी भी आज अधिक परिवार उन्मुख है; यह हमारे लिए अच्छा है। वे लंबी मीटिंग नहीं चाहते। वे सेवा करना चाहते हैं और उस में वे अपने परिवारों को भी शामिल करना चाहते हैं। महिलाओं को इसकी बेहतर समझ है। पुराने मेम्बर्स को यह समझना पडेगा कि यह एक अलग दुनिया है!"

एक महत्वपूर्ण प्रश्न, विशेष रूप से जब भारत में मंडल में नेतृत्व के ख़ास पदों की बात आती है तो महिलाएं उसमें पिछड़ती दिखाई देती हैं, क्योंकि पुरुष महिलाओं को नेतृत्व

रोटरी इंटरनेशनल में एक बड़े बदलाव को लागू करने में कम से कम चार साल लगते हैं, क्योंकि CoL तीन साल में केवल एक बार मिलती है। इतने लंबे समय तक तो हम एक सेल फोन भी नहीं चलाते!

एक नजर में

रोल मॉडल: मेरे पिता, आज मैं जो कुछ भी हूँ उनकी वजह से ही हूँ। वह एक सर्जन थे ... देश के पहले सर्जन। हाँ, मैं एक सर्जन बन तो सकता था लेकिन मैं हमेशा से जानता था कि मैं उनके जैसा नहीं बन सकता था इसलिए मैं औषधीय व्यवसाय में गया। उनमें सबसे ज्यादा जो मुझे प्रेरित करता था वह था उनका समर्पण भाव; वह अपने मरीजों के प्रति पूर्ण समर्पित थे। उनके लिये सबसे पहले रोगी थे, इसके अलावा क्या हो रहा है, कोई फर्क नहीं पड़ता था और मैं हमेशा इस की प्रशंसा करता हूं। बेशक बचपन में कुछ समय तो परेशान रहा लेकिन जब मैं बड़ा हुआ, मुझे एहसास हुआ कि रोगियों में यह विश्वास होना कितना महत्वपूर्ण था कि यह डॉक्टर हमेशा हमारे लिए उपलब्ध रहेगा।

भारत पर विचार: मैं रीति-रिवाजों, परंपराओं को पसन्द करता हूं, और भारत में हर जगह अपनी आवभगत से मैं अभिभूत हुआ हूं। यह शिष्टाचार के अनुरूप है और सम्मानजनक है, लेकिन इसमें आत्मीयता भी है। वास्तव में विनम्र होने के लिए हर कोई अपने सामर्थ्य से अधिक प्रयास करता है । ऐसे संगठन का हिस्सा बन कर आपको वास्तव में बहुत बढ़िया लगता है जहां हर व्यक्ति अच्छा है।

फ़ूडी: ओह हाँ, मैं खाने का ज़बरदस्त शौकीन हूँ। मुझे सब कुछ पसंद है; मुझे भारतीय भोजन पसंद है और मेरी पोती का पसंदीदा व्यंजन भी, जो 18 वर्ष की है, भारतीय है। मसालों का मैं भरपूर मज़ा लेता हूं ...खाने के दौरान मेरे सर पर थोड़ा पसीना आता है, पर भोजन का आनंद मैं ज़रूर लेता हूं। घर पर हम मसालेदार खाना ही खाते हैं, और हमारे पास काली मिर्च भी है।

अपनी रोटरी यात्रा में एस्थर की भूमिका: पूरी तरह से मददगार, लेकिन वह मुझे भी ज़मीन पर बनाये

रखती है और मेरे अहंकार को नियंत्रण में रखती है! अगर मैं भाषण देता हूं, तो एकमात्र वही है जिस पर मैं यकीन कर सकता हूं कि मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ दिया क्या या मैं और क्या कर सकता था। क्योंकि हर एक यही कहता है कि आप बहुत अच्छा बोले। लेकिन सच जानने के लिए मैं उस पर भरोसा करता हूं। आज मैं उसे उस भूमिका में खींच रहा हूं जिसके लिए उसने सहमति तो नहीं दी थी, लेकिन वो मेरे साथ कन्धे से कन्धा मिला कर खड़ी है। वो जहां भी जाती हैं लोग उससे बहुत प्यार करते हैं। वह इस में बहुत अच्छी है। जनवरी में अंतर्राष्ट्रीय असेंबली में उन्हें एक भाषण देना पड़ा। वह कभी नहीं देना चाहती थी लेकिन उसने दिया और शानदार भाषण दिया। मुझे उस पर गर्व है। जीवनसाथीयों (पति,पत्नी) से बात करते हुए, एस्थर ने कहा कि किसी के लिए भी मुझ जैसे व्यक्ति का जीवनसाथी बनना बहुत मुश्किल है! वो अत्याधिक ईमानदार है। मेरे क्लब ने उनके योगदान का सम्मान करते हुए उन्हें आजीवन मानद रोटेरियन बना दिया है।

पाक कला: ज्यादा नहीं; मैं नाश्ता बना सकता हूं ... बढ़िया अंडे और पेनकेक्स।

आराम के लिए वह क्या करते हैं: गोल्फ! मुझे गोल्फ खेलना अच्छा लगता है, लेकिन रोटरी ने मेरा गोल्फ तबाह कर दिया है! मेरे पास खेलने के लिए ज्यादा समय नहीं होता लेकिन ये है बहुत आरामदायक... अपने दोस्तों के साथ, ताजा हवा में, यह आपके दिमाग को तरोताज़ा करता है।

स्वास्थ्य: मैं कहता रहता हूं कि मैं जिम जाऊंगा, लेकिन मैं जिस प्रकार के काम में हूँ, मेरा अधिकांश व्यायाम एक से दूसरे हवाई अड्डे के बीच घूमने से ही हो जाता है। मैं उड़ानों के दौरान सो नहीं पाता इसलिए इस समय का उपयोग मैं ईमेल का जवाब देने के लिए करता हूँ ... मुझे रोज़ाना लगभग 500 ईमेल मिलते हैं! मैं भाग्यशाली हूं कि हवाई यात्रा से मुझे जेटलेग या थकान महसूस नहीं होती।

शौक: सचमुच नहीं ... मैं डाक टिकट इकट्ठे करता था। हकीकत यह है कि कई साल पहले रोटरी मेरा शौक बन गया!

संगीत: मेरी पोती कहती है कि मुझे पुराना संगीत पसंद है! मुझे वो गाने पसंद हैं जिनके शब्दों को समझ सकूँ। वो भी दिन थे जब आप समझ सकते थे कि गीत के बोल क्या कहते हैं! मुझे उस तरह का संगीत पसंद है।

पढ़ना: रहस्यमय; मुझे डेन ब्राउन की किताबें पसंद हैं। तीन महीने से मेरी मेज पर उनकी नवीनतम पुस्तक ओरिजिन रखी है। मैंने इसे हवाई अड्डे पर देखी और खरीदी थी, लेकिन पढ़ने का समय नहीं मिला।

धार्मिक: मैं धार्मिक हूं। मैं एंग्लिकन हूँ लेकिन चर्च नहीं जाता, लेकिन मैं भगवान में विश्वास करता हूँ। मैंने लोगों से कहा है कि मेरा धर्म रोटरी है क्योंकि यह दुनिया को एक बेहतर स्थान बनाने में मदद करती है।

किताबें: अपने पिता और उनकी विरासत पर एक पुस्तक लिख रहा हूं, और दूसरी पुस्तक मेरे संस्मरण पर है। लेकिन रोटरी पर लिखना अभी बाकी है!

एक संघर्षग्रस्त दुनिया पर विचार: हां चारों तरफ संघर्ष, बड़ी संख्या में शरणार्थीयों का पलायन निराशाजनक है। हम रोटरी में इनका निदान करें उस से पहले राजनेताओं को इन मानवीय मामलों से निपटना होगा। लेकिन भविष्य को ले कर मैं आशावादी हूं।

भारतीय रोटरी की एक कमी: अधिक महिलाऐं लाइए! मेरे लिए यह वास्तव में महत्वपूर्ण है। न केवल कोई भी महिला बल्कि योग्य महिलाएं लाएँ जो अच्छी रोटारियन बन सकती हों।

(बाएं) *पत्नी एस्तर और मार्गा ह्युको के साथ।*
(दाएं) *रोई के महासचिव जॉन ह्युको के साथ।*

का स्थान देने में अनिच्छुक होते हैं, रेसीन कहते हैं लेकिन अंततः यह हो के रहेगा। भारत की यात्रा के दौरान, उन्होंने भारत में महिला रोटेरियन्स के साथ हुई मुलाकात के दौरान ''मुझे उनमें से कुछ बहुत प्रभावशाली महिलाएं मिलीं, और वे संगठन में समय के साथ आगे बढ़ेंगी। अन्य लोग यह देखेंगे और उन्हें रास्ता देंगे। आप एक रात में बदलाव की उम्मीद नहीं कर सकते, यह एक क्रमिक विकास है और सांस्कृतिक परिवर्तन भी। लेकिन यह अभी अभी शुरू हुआ है और हो कर रहेगा। हमने क्लबों की महिला अध्यक्षों को, महिला सहायक गवर्नरों को देखा और अब अगले वर्ष, दो मण्डलों में पहली बार महिला गवर्नरों ने दस्तक दे दी है। इसलिए कह सकते हैं कि विकास हो रहा है।''

उन्होंने कहा, बस एक बार महत्वपूर्ण महिलाओं का समूह रोटरी में आ जाए, परिवर्तन हो जाएगा। समाज में महिला नेतृत्व की भूमिका के साथ, भारत में यह एक सांस्कृतिक मुद्दा भी था, लेकिन चीजें बदल रही हैं और बेहतरी के लिए बदल रही हैं। ''मैं जयपुर में मुख्यमंत्री (वसुंधरा राजे सिंधिया) से मिला, और मैंने उन्हें एक बहुत ही मजबूत और सक्रिय महिला के रूप में पाया।

मैं अपने देश के व्यापारियों के साथ नेटवर्किंग के लिए रोटरी में शामिल हुआ था । मुझे वास्तव में मालूम नहीं था कि रोटरी ने क्या किया है। दो साल के बाद ही मैं रोटरी की शक्ति को महसूस कर पाया।

रो ई अध्यक्ष के मासिक न्यूजलेटर

आने वाले रो इ अध्यक्ष बैरी रेसिन का कहना है कि रोटरी इंटरनेशनल और रोटरी क्लबों के बीच अलगाव सबसे बड़ा मुद्दा है, ''क्योंकि सभी काम क्लब ही करते हैं हम तो केवल नीतियां बना रहे हैं और संसाधनों को इकट्ठा करने के लिए मार्गदर्शन और उपकरण दे रहे हैं, लेकिन यदि क्लब ही नहीं जान पायेंगे कि हम क्या करते हैं या हम उनकी सलाह को अनदेखा करते हैं, तो यह उचित नहीं है।''

इसलिए, क्लबों को रो इ के करीब लाने के लिए, जुलाई से, हर महीने रोटरी क्लब के अध्यक्षों को संबोधित करते हुए वह स्वयं एक पत्र लिखेंगे ताकि प्रत्येक क्लब सीधे ऐसे जुड़ा हुआ महसूस करे जैसे खुद अध्यक्ष उनसे सीधे बात कर रहे हैं। रोटरी क्लब और सिर्फ क्लबों की वजह से रोटरी को समाज में जाना जाता है ना कि रोटरी इंटरनेशनल की वजह से।

कौन जाने कि वो क्या करना चाहती है, क्या परिवर्तन लाना चाहती है। और असल में वह स्थायी परियोजनाओं के लिए रोटरी के साथ साझेदारी करना चाहती है।''

उन्होंने माना और चिंता व्यक्त की, कि दुनिया तीव्र गति से परिवर्तित हो रही है, पर रोटरी उतनी तेजी से नहीं बदल रही। क्या वह सोचते हैं कि बाहरी दुनिया में, तेजी से आते बदलाव के साथ गति बनाए रखने में रोटरी पीछे रह गई है?

''निस्सन्देह। हम त्वरित परिवर्तन करने के लिए आवश्यक शीघ्रता नहीं अपनाते,'' वे कहते हैं, और वो इसलिए क्योंकि ''हमारी पूरी प्रणाली शीघ्र बदलाव का विरोध करती है। हम परिवर्तन का विरोध नहीं करते; हम त्वरित परिवर्तन का विरोध करते हैं। हमारे पास कानून बनाने के एक लिए परिषद है Council on Legislation (CoL) और बड़े निर्णयों के परिवर्तन का एकमात्र तरीका है इसे CoL तक लेकर जाना। और एक बड़े बदलाव को लागू करने में कम से कम चार साल लगते हैं, क्योंकि उजड तीन साल में केवल एक बार मिलती है। इतने लंबे समय तक तो हम एक सेल फोन भी नहीं चलाते! दुनिया तेजी से बदल रही है और हमें इस सम्बन्ध में भी कुछ करने की आवश्यकता है।''

रो ई अध्यक्ष-निर्वाचित ने कहा कि इन मुद्दों पर रो ई बोर्ड में पहले से ही बातचीत चल रही है। रो ई अध्यक्ष इयन राय्सली ने भी इस पर चर्चा शुरू कर दी है और मैं इसे जारी रखने का इरादा रखता हूं।''

रोटरी का एकमात्र पक्ष जिसका रेसिन ने आनंद उठाया वो था विभिन्न रोटरी परियोजनाओं का निरीक्षण यह देख कर कि ''सामाजिक स्तर पर लोग कितना काम कर रहे हैं, बच्चों से मिल

कर, विशेष रूप से शौचालय परियोजनाओं मेंऔर उनकी मुस्कुराहट देखकर मुझे वाकई खुशी मिलती है।''

यह पूछने पर कि विकसित दुनिया की तुलना में क्या भारत में रोटेरियनों के पास काम करने के ज़्यादा या बड़े अवसर है जो समाज पर प्रत्यक्ष प्रभाव डालते हैं, रेसिन कहते हैं, ''मैं कहूंगा कि भारत में वे देख सकते हैं कि क्या किया जाना चाहिए क्योंकि समस्याएं सामने नज़र आती हैं और रोटेरियंस कह सकते हैं कि मैं यह-यह कर सकता हूँ।'' लेकिन कुछ विकसित देशों में यह संभव नहीं है जहां ''समस्याएं दिखाई ही नहीं देतीं। समस्याएं वहाँ भी हैं लेकिन वे इसे नहीं देख पाते क्योंकि समस्याएं परोक्ष में रहती हैं। लेकिन जहां आपको समस्या दिखाई देती हैं, तो वहाँ रोटरी स्पष्ट नज़र आती है।''

आगामी अध्यक्ष रोटेरियनों से ''परिवर्तनकारी परियोजनाओं'' करने को या वो जिनसे समुदाय पर भरपूर प्रभाव पड़े, कहने के लिए विख्यात हैं। ऐसी ही एक बड़ी परियोजना पर वह भारतीय रोटेरियनों को सलाह देते हैं भारत में मवाश इन स्कूल में एक परिवर्तनकारी परियोजना है; ''आप भारत में कुछ बेहतरीन WinS परियोजनाएं कर रहे हैं। आपके पास एक विशाल कार्यक्रम भी है, साक्षरता, जो अद्भुत है और ये दोनों रोटरी के मुद्दों में सटीक बैठते हैं। हमारे पास मातृ और शिशु स्वास्थ्य कल्याण भी है, और इन क्षेत्रों में भारत में बड़ी परियोजनाएं की जा सकती हैं और ये सभी काया पलट सकती हैं।''

''चेन्नई के वीएचएस अस्पताल में बनाये गए रक्त बैंक से मैं बहुत प्रभावित हुआ... कि वास्तव में भारत में रोटरी स्वास्थ्य के क्षेत्र में बहुत कुछ कर रही है। लेकिन धन से अधिक महत्वपूर्ण है ब्लड बैंक, प्रयोगशाला सेवाएं, मातृ और शिशु देखभाल आदि का संचालन कर रही संस्था (वीएचएस) के साथ साझेदारी। यह साझेदारी वास्तव में अहम है, और ऐसी साझेदारी हमारी क्षमता बढ़ाने में और हमारी पहुंच बढ़ाने में मददगार होगी, जितना हम कर सकते है उससे भी कहीं अधिक।''

वो प्रसन्न थे, कि भारत में रोटेरियन्स से बातचीत के दौरान, ''उन्होंने मुझसे पूछा कि मैं उन्हें अंतरराष्ट्रीय भागीदारों से कैसे जोड़ सकता हूं ताकि वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी मदद कर सकें।यह जान कर अच्छा लगा।''

इसके बाद मैंने रेसिन से कहा पाठकों को बताएं कि उनकी थीम - *प्रेरणा बनें* Be the Inspiration - का विचार कैसे प्रस्फुटित हुआ। एक गंभीर आकर्षक आवाज़ में उन्होंने बताया, अपनी ज़िंदगी जीने के दौरान मुझे महसूस हुआ कि रोटरी में या मेरे पेशे में, मैं किसी अन्य को, जितना वे सोचते हैं उससे अधिक करने के लिए प्रेरित कर सकता हूं, मिल कर हम और ज़्यादा निष्पादित कर सकते हैं। जब आप ये महसूस करते हैं कि मेरा जीवन लोगों को अपना काम बेहतर करने के लिए प्रोत्साहित करना है, तो रोटरी में या कहीं भी, बहुत कुछ मुकम्मल किया जा सकता है।''

तो वह रोटरी में क्यों शामिल हुए?

भारत जो WASH इन स्कूल और 'साक्षरता' परियोजनाएं कर रहा हैं ये परिवर्तनकारी है और ये दोनों रोटरी के मुद्दों में सटीक बैठते हैं।

रेसिन हंसते हैं, आंखों में एक चमक के साथ जवाब देते हैं: ''मैं अपने देश के व्यापारियों के साथ नेटवर्किंग के लिए रोटरी में शामिल हुआ था। मुझे वास्तव में मालूम नहीं था कि रोटरी ने क्या किया है। मुझे सिर्फ ये पता था कि क्लब में मेरे देश के नेता भी थे और मैं व्यापार बढ़ाने का प्रयास कर रहा था।'' और दो साल तक वह रोटरी की शक्ति को महसूस नहीं कर पाए, कि दुनिया के किसी भी देश में,किसी रोटारियन को फोन पर किसी की मदद करने के लिए कह सकते है।

वर्ष 1982 में क्लब में सामाजिक सेवा अध्यक्ष के रूप में उनका पहला ज़बरदस्त अनुभव हुआ। बहामास में एक महिला, रोज़वुड बेल, जिसे मधुमेह

मुझे गोल्फ खेलना अच्छा लगता है, लेकिन रोटरी ने मेरा गोल्फ तबाह कर दिया है! मेरे पास खेलने के लिए ज्यादा समय नहीं होता लेकिन यह है बहुत आरामदायक... अपने दोस्तों के साथ, ताजा हवा में, यह आपके दिमाग को तरोताज़ा करता है।

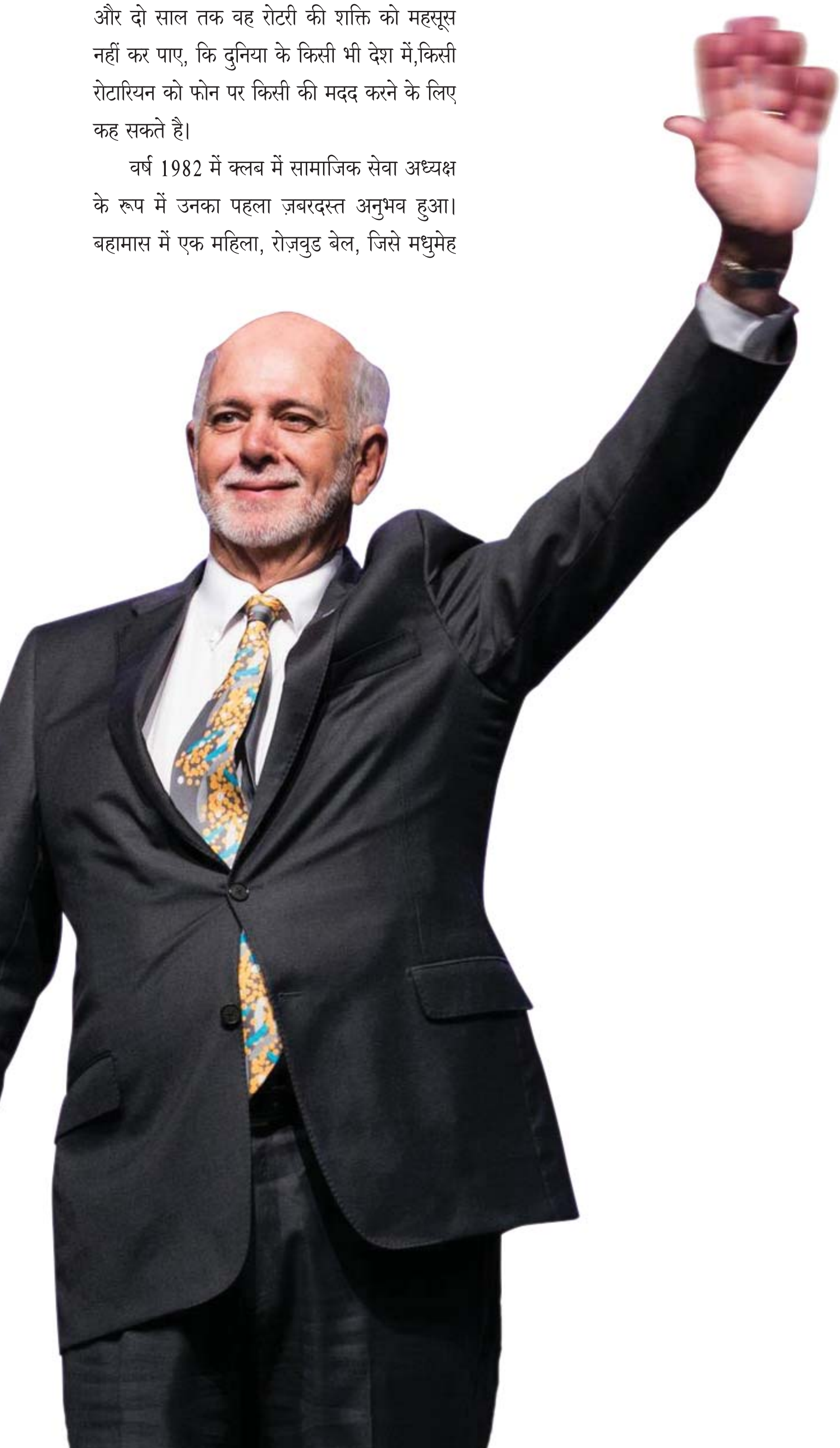

था और गुर्दा प्रत्यारोपण करा चुकी थी, उसकी दृष्टि कमजोर हो रही थी और आंख की सर्जरी के लिए उसे अन्य देश में जाने की जरूरत थी। ''मेरा क्लब मेरे पास आया और कहा कि इस की व्यवस्था करवाएं, मैंने पूछा बजट क्या है तो उन्होंने कहा कि हमारे पास कोई बजट नहीं है!'' तब उन्होंने रो इ डायरेक्टरी को निकाली और मियामी क्षेत्र में ढूंढने लगे जहां उन्हें मालूम था कि अच्छे सर्जन रहते थे। उन्होंने एक रोटेरियन को फोन किया जिसने बताया कि उनके क्लब में एक सदस्य था जो फ्लोरिडा में आंख के अग्रणी अस्पतालों में से एक बास्कॉम-पामर में किसी को जानता था। ''मैंने उस रोटेरियन से बात की और उसने आश्वस्त किया कि कोई समस्या नहीं है। मैं एक अन्य रोटेरियन को जानता हू जो आंख के सर्जन है और इसकी ऑपरेशन फीस भी माफ़ कर दी जाएगी।''

अगली समस्या रहने की थी; उसी रोटेरियन ने रेसिन की एक अन्य रोटेरियन से बात करवाई जिसने अस्पताल के पास एक होटल में नि:शुल्क कमरे की व्यवस्था कर दी। ''ये वे लोग थे जिनसे मैं कभी नहीं मिला था, और सिर्फ फोन पर बात की थी।'' रेसिन ने फिर स्थानीय रोटेरियन को बुलाया जो एक एयरलाइन में प्रबंधक था और उसने रोगी और उसकी बेटी के लिए मुफ्त टिकट दिलवा दिया। ''तो हमें सर्जन मिला, हमें अस्पताल मिला, हमें होटल मिला और हमें उसकी और उसकी बेटी के लिए हवाई यात्रा भी मिल गई। हमने उसे भेज दिया,

मंडल रोटारेक्ट प्रतिनिधियों के साथ मुंबई में।

मंडल 3232 के डीजी आर श्रीनिवासन के साथ चेन्नई में।

उसकी सर्जरी हुई, वो लौट आई और इसकी हमें कोई कीमत नहीं चुकानी पड़ी। हमारे क्लब ने भोजन के लिए उसे 200 डॉलर दिए। इस घटना के बाद ही किसी की ज़िंदगी में अंतर लाने और किसी की मदद करने के लिए, एक रोटेरियन के रूप में आपके पास जो शक्ति है, उसका पता चला।''

रोटरी में शीर्ष पदों पर पहुँचने के लिए रोटेरियनों को क्या करना चाहिए?

''सब कुछ समर्पण में निहित है, सामाजिक सेवा के आदर्शों के प्रति प्रतिबद्धता तथा सत्यनिष्ठा और कड़ी मेहनत के साथ उचित कार्य। मैंने व्यापार किया लेकिन मैंने रोटरी में भी बहुत मेहनत की। कुछ लोगों को अपने पेशे के कार्य और रोटरी के काम को एक साथ संभालना मुश्किल लगता है। लेकिन मुझे लगा कि मैं एक बढ़िया ज़िंदगी जी रहा हूँ और मुझे समाज लिए कुछ करना चाहिए।'' रेसिन कहते हैं कि वह कई संगठनों के सदस्य थे लेकिन जैसे जैसे उन्होंने महसूस किया कि ''वास्तव में जिससे फर्क पड़ता है वह सिर्फ रोटरी है, तो अन्य संगठनों को छोड़ दिया और केवल रोटरी पर केंद्रित हो गए।''

चित्र: रशीदा भगत और rotary.org

एस कृष्णप्रतीश द्वारा रूपरेखा

मंडल 3060 ने रोटारेक्ट एंडोवमेंट फंड स्थापित किया

वी मुत्तुकुमारण

रोटारेक्ट को पूर्ण रूप से रोटेरियन में बदलने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए, मंडल 3060 द्वारा समन्वय नामक एक अद्वितीय मंच आयोजित किया गया था, जिसके मुख्य अतिथि पीडीजी मोहन पलेशा (मंडल 3131) थे। रोटारेक्ट के स्वर्ण जयंती समारोह के भाग के रूप में डीजी रुचिर जानी और डीआरएफसी आशीष अजमेरा द्वारा परिकल्पित एक दिवसीय कार्यक्रम में नौ डीआरआर और सात पीडीआरआर से रोटेरियन बने सदस्यों ने भाग लिया, और उन्होंने अपना विचार साझा किया और रोटेरियन बनने से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की और इस प्रकार अपनी सेवा गतिविधियों को जारी रखा।

पीडीआरआर और सामान्य के सचिव रोटेरियन श्रीकांत इंदानी ने कहा, ''कई समस्याओं का समाधान किया गया और भूतपूर्व रोटारेक्ट जो रोटेरियन नहीं बन पाए थे, ने अपने गृह नगर में नए रोटरी क्लब शुरु करने का संकल्प किया था।'' रोटारेक्ट परियोजनाओं को वित्त पोषित करने के मुद्दे पर, जानी और अजमेरा ने 25,000 के एक निधि के साथ 'रोटारेक्ट स्वर्ण जयंती एंडॉवमेंट फंड' का प्रस्ताव दिया। ''रोटारेक्ट और जो लोग इस कार्यक्रम में भाग नहीं ले पाए थे, उनके द्वारा आसानी से प्रस्ताव का समर्थन किया गया था। उन्होंने फंड में अपने योगदान को पूरा करने के लिए भी प्रतिबद्धता व्यक्त की,'' पीडीआरआर और मंडल सचिव आरटीएन केतन एन पटेल ने कहा। टीआरएफ में दान के लिए 25,000 डॉलर राशि देने की प्रतिबद्ध व्यक्त की गई।

डीजीएन अनिश शाह और डीजीएनडी प्रशांत जानी ने कहा कि वे आगामी वर्षों में समन्वय को जारी रखेंगे। *रोटारेक्ट बनाम रोटरी पर बहस* में रोटारेक्ट परियोजनाओं और पैतृक क्लबों से समर्थन पर प्रतिभागियों द्वारा उठाए गए अनेक संदेहों का निवारण किया गया। कार्यक्रम के अध्यक्ष और पीडीआरआर हरीश कोठारी ने कार्यक्रम की सफलता के लिए व्यवस्था और सुविधाओं का ध्यान रखा। ■

समारोह में रोटेरियनों और रोटारेक्टरों के साथ डीजी रुचिर जानी और पीडीजी मोहन पलेशा।

छोटा शहर, बड़ी परियोजनाएं

रशीदा भगत

यह रोटरी क्लब, रतलाम शहर को अपनी कुछ अत्यधिक प्रभावशाली परियोजनाओं से मंत्रमुग्ध कर रहा है और रोटरी की सार्वजनिक छवि को नयी ऊचाइयों तक ले जा रहा है।

एक छोटे किन्तु बढ़िया ढंग से साफ कमरे में से, ताजे पके भोजन की बढ़िया सुगन्ध आ रही है, और तवे पर रोटियां सिक रही है। हेमलता और उसके साथियों ने अभी-अभी रोटियां बेलना शुरू किया है, और जैसा कि भारत के बहुत से हिस्सों में प्रचलित है, रतलाम के रोटरी क्लब की रोटेरियन रश्मि जैन ने भी हेमलता से पहली रोटी गाय को देने के लिए कहा।

इस छोटे कमरे को आहार केंद्र कहा जाता है, जो 1995 से चल रही क्लब की चिन्हक परियोजना है। यह केंद्र रतलाम सिविल अस्पताल के ठीक सामने स्थित है और क्लब के पूर्व अध्यक्ष एवं रश्मि के पति, मुकेश जैन ने बताया कि इस अस्पताल में इलाज कराने आए मरीजों के रिश्तेदारों और संबंधियों के लिए खाना बनाया जा रहा है। ''उनमें से बहुत से लोग दूर-दराज से अपने प्रियजनों को इस अस्पताल में इलाज हेतु लाते है और हम उन्हें यह ताज़ा पका भोजन - दिन और रात का खाना दोनों - मात्र ₹5 में उपलब्ध करवाते है।'' भोजन में दो रोटी, एक सब्जी शामिल होती है - उस दिन वहाँ, लौकी की सब्जी, दाल, चावल और दो रोटी पेश की जा रही थी।

वहाँ पर भुजिया के बहुत से छोटे-छोटे पैकेट एक ट्रे में रखे थे और साथ में लड्डू के बक्से भी थे। जैन मुस्कुराते हुए बताते है, ''रतलाम इसके नमकीन के लिए प्रसिद्द है और स्थानीय लोगों को इसकी आदत है, इसलिए हम प्रतिदिन नमकीन का एक छोटा पैकेट जरुर रखते है। जहाँ तक लड्डुओं की बात है, यह आपके आगमन का उत्सव मनाने के लिए है! जब भी

TRIVEDI

कोई वीआईपी हमारे केंद्र में आता है, हम खाने में मिठाई पेश करते है। और उनके जन्मदिवस, सालगिरह या अन्य खास मौकों पर रोटेरियन मिठाई दान करते है। यहाँ पर लगभग 100 लोगों के लिए प्रतिदिन ताज़ा भोजन पकाया और परोसा जाता है; आप देख सकते है यहाँ पर कोई फ्रिज मौजूद नहीं है।''

जैन परिवार पास में ही रहता है, और खाने की गुणवत्ता एवं स्वच्छता को सुनिश्चित करने और निगरानी करने हेतु रश्मि प्रतिदिन केंद्र पर आती है। वह सब्जियों, अनाजों आदि की व्यवस्था भी करती है।

जैन आगे बताती है कि पहले भोजन केवल ₹2 में दिया जाता था, लेकिन फिर हमने इसे ₹5 किया, क्योंकि सभी लोग ₹10 का नोट देते थे और फिर छुट्टे लेने-देने की बड़ी समस्या खड़ी हो जाती थी।'' इस भोजन का शुल्क नाममात्र इसलिए रखा गया है ''ताकि इसे ग्रहण करने वालो को ऐसा ना लगे कि उन्हें इस परियोजना, जिसे पीडीजी शरद पाठक द्वारा 1995 में तब शुरू किया गया था जब वह क्लब अध्यक्ष थे, के माध्यम से दान मिल रहा है।''

परियोजनाओं की निरंतरता और क्लबों में रोटेरियनों का एक साथ मिलकर सामंजस्य बैठाते हुए कार्य करना, रोई मंडल 3040 के दो क्लबों - रोटरी क्लब सोनकच्छ और रोटरी क्लब रतलाम - की अद्वितीय विशेषताएं है। इसमें कोई अचरच की बात नहीं है कि जहाँ सदस्यों के मध्य परस्पर सम्मान और समझ होती है, वे क्लब बेहतर प्रदर्शन करते है। दोनों क्लबों ने एक के बाद एक दो डीजी दिए है - वर्तमान में सोनकच्छ से डॉ ज़मीन हुसैन और रतलाम से डीजीई गुस्ताद अंक्लेसरिया।

वास्तव में, अंक्लेसरिया का परिवार रोटरी क्लब रतलाम के माध्यम से रतलाम शहर का बहुत बड़ा शुभचिंतक रहा है। 1945 में अधिकृत रोटरी क्लब रतलाम में 116 सदस्य है, जिनमें 25 महिला सदस्य है। रोटरी क्लब मेघदूत के बाद यह मंडल का दूसरा सबसे बड़ा क्लब है और रोटरी क्लब भोपाल के बाद दूसरा सबसे पुराना क्लब है। डीजीई तीसरी पीढ़ी के रोटेरियन है।

रोटरी गार्डन में झुला झुलते एक माँ और उसका बेटा।

एक प्रभावशाली डायलिसिस केंद्र

उनके पिता टी एस अंक्लेसरिया एक सक्रिय रोटेरियन है और मुंबई में रहते हुए भी वह इस क्लब, जिसके वे पूर्व अध्यक्ष थे, में अत्यंत रूचि रखते है। मुझे रोटरी क्लब रतलाम की एक अन्य चिन्हक परियोजना, उनका बहुत ही प्रभावशाली डायलिसिस केंद्र, जहाँ 11 किडनी के मरीजों की डायलिसिस की जा रही है, उनमें से 75 प्रतिशत गरीबी रेखा से नीचे आने वाले लोग है, जो अन्य जगहों पर लिए जाने वाले ₹900 या उससे अधिक के शुल्क के बदले या तो मुफ्त में या केवल एक सत्र का ₹400 शुल्क देते है, दिखाते हुए वह कहते है इसे वर्ष 2002 में केवल एक मशीन के साथ शुरू किया गया था। वर्ष 2006 में, ''हमने एक न्यास (रोटरी क्लब रतलाम के पास अपनी सामुदायिक परियोजनाओं को चलाने हेतु तीन अलग-अलग न्यास है) की शुरुआत की और फिर नई मशीनें खरीदी।'' आज यहाँ लगभग 36 मरीजों का प्रतिदिन डायलिसिस किया जाता है; ''यह हमेशा भरा रहता है और यहाँ प्रतीक्षा करनी पड़ती है। किसी नए व्यक्ति को आने के लिए, किसी और को जाना पड़ता है, वह आगे कहते है।''

उनके पिता, जी डी अंक्लेसरिया, जिनका रतलाम के प्रसिद्द रोटरी हॉल के लिए किया गया योगदान इस लेख में आगे वर्णित है, की तस्वीर डायलिसिस केंद्र में टंगी है। एक बार पूर्व अध्यक्ष मुकेश जैन के मुंबई में रहने वाले चाचा ने उनके केंद्र के लिए दो डायलिसिस मशीनें दान करने की इच्छा व्यक्त की। उन दिनों मशीन की लागत ₹6 लाख पड़ती थी, ''तो मैंने उनसे कहा कि हम एक

DGE गुस्ताद अंक्लेसरिया रोटरी गार्डन में रस केंद्र में स्वस्थ रस और सलाद की तैयारी की जांच करते हुए।

मशीन की स्थापना कर लेंगे और दूसरी के लिए हमें रूपए दे दीजिए।'' उन्होंने ₹6 लाख दे दिए जिन्हें दो अक्षय निधियों में लगाया गया, और उससे होने वाली आय और सरकार द्वारा दी जाने वाली सब्सिडी की मदद से, यह केंद्र गरीबी रेखा से नीचे आने वाले मरीजों को बिल्कुल मुफ्त में और अन्य मरीजों को रियायती दर पर डायलिसिस उपलब्ध करवा पाता है।

डायलिसिस केंद्र का विवरण देते हुए, डीजीई गुस्ताद कहते है कि रोटरी क्लब रतलाम क्लब ट्रस्ट और सिविल अस्पताल के मध्य हस्ताक्षरित एक समझौता ज्ञापन के अंतर्गत इस केंद्र को चलाने का दायित्व रोटरी चैरिटेबल ट्रस्ट का है। ''समझौते के अनुसार श्रमशक्ति, डायलिसिस उपकरण, उपभोज्य वस्तुएं प्रदान करने की जिम्मेदारी हमारी है, और सिविल अस्पताल को आधारभूत संरचना, बिजली और पानी प्रदान करना है। हमारे पास 13 तकनीशियन है।'' कुल 19 डायलिसिस मशीन लगाई गई है, जिनमें से 7 अब बेकार हो चुकी है। परियोजना की लागत ₹1 करोड़ से अधिक है और इसे एक मिलान अनुदान और दो वैश्विक अनुदान द्वारा किया गया है; पहला मिलान अनुदान 2008 में किया गया था।

मैं यह देखकर हैरान हुई कि 12 बिस्तरों में से अधिकांश बिस्तरों पर 35 से 40 वर्ष की उम्र के युवा है। डीजीई कहते है, ''हमारे पास एक 5 वर्ष की उम्र का मरीज भी है।'' अनियंत्रित डायबिटीज और उच्च रक्तचाप के अलावा, इन मरीजों की किडनी काम ना करने का मुख्य कारण बिना चिकित्सीय परामर्श के अविवेकी रूप से तेज प्रभाव वाली दवाइयों, खासतौर से दर्द निवारकों का, उपयोग करना है। रोटरी द्वारा चलाए जा रहे इस डायलिसिस केंद्र की सफलता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि वर्ष 2012 में, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के निर्वाचन क्षेत्र विदिशा में एक गैर-रोटरी निजी ट्रस्ट द्वारा इसकी प्रतिकृति बनाई गई।

बहुत से लोग दूर-दराज से अपने प्रियजनों को सिविल अस्पताल में इलाज हेतु लाते है और हम उन्हें यह ताज़ा पका एवं स्वच्छ भोजन मात्र ₹5 में उपलब्ध करवाते है।

मुकेश जैन,
पूर्व अध्यक्ष, रोटरी क्लब रतलाम

''जिस मानसिक आघात से ये किडनी के मरीज गुजरते है वह बहुत ही भयानक है; हमसे जितना हो सकता है उतनी सहायता हम करते है, बाकि सब भगवान के हाथों में है,'' टी एस अंक्लेसरिया कहते है।

डीजीई आगे कहते है कि क्लब धीरे-धीरे इसकी परियोजनाओं के लिए कॉर्पोरेट CSR निधि प्राप्त करने का प्रयास कर रहा है। स्टेट माइनिंग कारपोरेशन द्वारा ₹1 लाख मिलने से एक छोटी सी शुरुआत हो चुकी है। ''इससे एवं अन्य निगमों से और अधिक निधि प्राप्त करने हेतु हम बैठकों का आयोजन कर रहे है,'' वह कहते है।

अजीत शिंदे, एक पोस्ट ऑफिस एजेंट, 18 महीनों से यहाँ मुफ्त में डायलिसिस करवा रहे है क्योंकि वह गरीबी रेखा से नीचे की श्रेणी में है। वह 42 वर्ष के है, उन्हें डायबिटीज और उच्च रक्त चाप है। 37 वर्षीय बहादुर रतलाम से 60 कि.मी. दूर स्थित एक गाँव से डायलिसिस करवाने आते है, और 30 महीनों से डायलिसिस करवा रहे है। वह बेरोजगार है; नाजमुद्दीन, 70 वर्षीय एक सेवानिवृत्त व्यवसायी है और इस बात

को मानते है "चूँकि मैंने अपनी शुगर नियंत्रित नहीं की," इसलिए अंततः उन्हें किडनी की समस्या हुई। उनके बेटे हर सत्र के लिए ₹400 चुकाते है और मरीज कहते है, "शानदार उपकरणों एवं सेवाओं वाली यह एक उच्च स्तरीय सुविधा है और हम उन रोटेरियनों के लिए दुआ करते है जिन्होंने इस केंद्र की स्थापना की।"

वीरेंद्र सिंह, जो प्रभारी है, समझाते है कि बहुत से मरीज जिन्हें किडनी की समस्या है अपनी नौकरियाँ गंवा देते है और बेरोजगार हो जाते है।

रोटरी हॉल

4000 वर्ग फीट वाले एक विशाल रोटरी हॉल में, डीजीई गुस्ताद अंक्लेसरिया ने बताया कि रोटरी क्लब रतलाम शायद उन कुछ रोटरी क्लबों में से एक है जिनके पास उनकी विभिन्न परियोजनाओं का प्रबंधन करने हेतु तीन सार्वजनिक चैरिटेबल ट्रस्ट है। यह हॉल 1962 में अस्तित्व में आया और आरंभ में उनके दादाजी द्वारा एक छोटा हॉल बनाने के लिए भूमि दान दी गई थी, लेकिन दुर्भाग्यवश, जिस दिन उन्हें इसकी आधारशिला रखनी थी, उस दिन वह गुजर गए। उनकी दादी माँ ने कहा कि समारोह में विलंब नहीं होना चाहिए और उन्होंने घोषणा की कि वह उससे चार गुना बड़ा हॉल बनाने हेतु अधिक भूमि दान करेंगी।

"यह हमारे पूर्वजों का दृष्टिकोण था; इसने ना केवल रोटेरियनों - रतलाम के सभी रोटरी क्लब यहाँ मिलते है - के लिए, बल्कि दूसरों के लिए भी परिवर्तन लाया क्योंकि हम गैर रोटेरियनों को भी हॉल किराए पर देते है," पूर्व अध्यक्ष मुकेश जैन आगे कहते है।

> जिस मानसिक आघात से ये किडनी के मरीज गुजरते है वह बहुत ही भयानक है; हमसे जितना हो सकता है उतनी सहायता हम करते है, बाकि सब भगवान के हाथों में है।
>
> **टी एस अंक्लेसरिया**
> पूर्व अध्यक्ष, रोटरी क्लब रतलाम

रोटरी गार्डन

लेकिन रोटरी क्लब रतलाम की सबसे अधिक प्रभावशाली और प्रत्यक्ष परियोजना है रोटरी गार्डन, जो एक लाख वर्ग फीट की विशाल जगह में फैला हुआ है, और साथ ही इसमें महिलाओं के लिए कार्यात्मक एवं यांत्रिक उपकरणों के साथ एक खुला जिम भी है। मैं एक दर्जन अनपेक्षित महिलाओं को इस जिम में व्यायाम करते देखती हूँ जहाँ केवल महिलाओं के लिए ही जगह निर्धारित की गई है।

रोटरी क्लब रतलाम द्वारा संचालित डयालिसिस केंद्र।

सईदा शेख यहाँ नियमित रूप से आती है और कहती है कि वह यहाँ कम से कम 90 मिनट तक विभिन्न उपकरणों पर व्यायाम करती है। ममता, बगीचे से 2 कि मी की दूरी पर रहती है और इन दिनों हर सुबह यहाँ पर टहलने के लिए आती है क्योंकि उनके दोनों बच्चों की परीक्षाएं समाप्त हो गई है। "मैं यहाँ 7.30 बजे आ जाती हूँ क्योंकि अब बच्चों को स्कूल भेजने की दौड़-भाग नहीं रहती।" परिधि पाटनी, MBA की एक विद्यार्थी कहती है कि उन्हें यह खुली सुविधा, जो एकदम मुफ्त है, वास्तव में रोमांचक लगती है और वह यहाँ रोज व्यायाम करती है। किस्मतुन्निसा कहती है वह यहाँ सुबह व्यायाम करती है "क्योंकि मुझे तभी खाली समय मिल पाता है। तो मैं यहाँ रोज सुबह 6.30 बजे तक आती हूँ।"

डीजीई अंक्लेसरिया बताते है कि जिम के सभी उपकरण स्थानीय तौर पर निर्मित है। "हमने नासिक के एक अन्य बगीचे से इसकी नक़ल की है और चूंकि इस नगर में उत्कृष्ट निर्माण कौशल मौजूद है, इसलिए यहाँ उपकरण बनवाने की लागत बाजार में उपलब्ध उपकरणों की कीमत से एक तिहाई ही पड़ी।"

महिलाओं के लिए खुले जिम के अलावा, इस बगीचे की एक और बड़ी सफलता जूस सेंटर है, जो 2007 से संचालित हो रहा है। मात्र ₹5 में, आपको गाजर एवं अन्य सब्जियों, एलोवेरा और अन्य मौसमी फलों से निर्मित एक गिलास ताज़ा जूस मिल सकता है। डीजीई और उनकी पत्नी रुखसाना के साथ सुबह इस बगीचे में टहलते हुए, मैं जूस सेंटर पर तेजी से हो रही बिक्री के साथ अतिउत्तेजित गतिविधियाँ देख सकती हूँ। लोग ना केवल यहाँ स्वास्थ्यवर्धक पेय का आनंद लेते है, बल्कि वे इसे टमाटर, अंकुरित मूंग आदि से निर्मित सलाद के साथ पैक भी करवा लेते है, जो पुनः मात्र ₹5 में ही उपलब्ध है। जैसे ही एक नौजवान अपना सलाद पैक करवाता है, वह मुझसे कहता है: "बाज़ार में इसकी कीमत ₹30 है, इसलिए मैं रोज इसे यहाँ से खरीदता हूँ।"

जब उनसे पूछा गया कि वे कैसे इतनी कम कीमत पर जूस और सलाद प्रदान कर पा रहे है, अंक्लेसरिया मुस्कुराते है और कहते है, "केवल यह जूस केंद्र ही नहीं बल्कि संपूर्ण बगीचा ही आत्मनिर्भर है। इसका प्रबंधन हमारी एक चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा किया जाता है; हमने नगरपालिका से इसका कार्यभार लिया है और यहाँ पर कार्यरत सभी स्टाफ को वेतन भी हम

आहार केंद्र में ताज़ा खाने बनाने की तैयारी।

ही देते है। यहाँ पर सब्जियां उगाई जाती है; और जो उगाया नहीं जाता उसे खरीद लिया जाता है।''

संपूर्ण बाग़ विभिन्न गतिविधियों से गुलज़ार है; बच्चों के खेल क्षेत्र में बच्चे झूला झूल रहे है और अन्य खेल उपकरणों से खेल रहे है; बाकि जगहों पर योग चल रहा है। दूसरे कोने पर कुछ ताली बजाने और हँसने की थेरेपी चल रही है, और यहाँ पर जॉगिंग के लिए जगह मौजूद होने के अलावा एक्यूप्रेशर के लिए भी एक स्थान है। रतलाम जैसे छोटे शहर में सुबह-सुबह हो रही इतनी सारी फिटनेस गतिविधियाँ आँखें खोल देने वाली है, और इसमें रोटरी की भूमिका सभी के द्वारा सराही जा रही है। जन संपर्क का इससे बेहतर तरीका क्या हो सकता है, विचार करते हुए मैं प्रस्थान करती हूँ।

केवल यह जूस केंद्र ही नहीं बल्कि संपूर्ण बगीचा ही आत्मनिर्भर है और इसका प्रबंधन हमारी एक चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा किया जाता है। हम स्टाफ को वेतन देते है, सब्जियां उगाते है; जो नहीं उगाया जाता उसे खरीदा जाता है।

डीजीई गुस्ताद अंक्लेसरिया
रोई मंडल 3040

यह रोगनिरोधक भी है, डीजीई मुझे याद दिलाते है। इस शहर में अनेक जॉगिंग पार्क स्थापित करने के लिए रोटरी जिम्मेदार रही है, और 50 से भी अधिक वर्षों में ''हमने वास्तव में लोगों की आदतों को बदल दिया है और उन्हें सुबह जल्दी उठने और अपने आसपास के प्राकृतिक वातावरण का आनंद लेने का एक कारण प्रदान किया है।''

एक अन्य बगीचा

रोटरी गार्डन की सफलता के बाद, शहर में दूसरे बगीचों का नवीनीकरण किया गया है। रोटरी क्लब रतलाम स्वयं शहर को एक अन्य बगीचा देने जा रहा है। डीजीई गुस्ताद और क्लब के वर्तमान अध्यक्ष प्रद्युमन मजवाडिया मुझे वह स्थान दिखाने ले जाते है जिसे क्लब ने स्थानीय नगर पालिका से अपने हाथों में लिया है।

''20,000 वर्ग फीट की यह जगह कचरा डालने का मैदान बन गई थी, तो सबसे पहले हमने इसे साफ़ किया, इसकी सतह 5 फीट तक ऊपर उठाई, और अब यहाँ रोटरी गार्डन की तर्ज पर सुविधाएं प्रदान करने जा रहे है,'' मजवाडिया कहते है।

जॉगिंग ट्रैक पहले ही तैयार हो चुका है; क्षेत्र को हरा बनाने के लिए पेड़ लगाए गए है, यहाँ पर महिलाओं के लिए एक खुला जिम और एक हर्बल जूस सेंटर भी होगा। बच्चों के खेल उपकरण अभी आएं है और खोले भी नहीं गए है। ''हम वाटर कूलर, एलईडी लाइट, आदि की स्थापना कर रहे है। यह ₹15 लाख की परियोजना है जो शीघ्र ही चालू हो जाएगी।''

वह आगे कहते है कि क्लब ने एक सार्वजनिक स्वास्थ्य केंद्र का नवीनीकरण करने, भवन को बड़ा बनाने एवं पर्याप्त स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने के लिए राज्य सरकार को एक प्रस्ताव भेजा है। यह ₹1 करोड़ की वैश्विक अनुदान परियोजना है, लेकिन सरकारी मंजूरी मिलना अभी बाकि है।

चित्र: रशीदा भगत
एन कृष्णमूर्ति द्वारा रूपरेखा

Our Esteemed Guest

Rtn Barry Rassin & Ann Esther
RI President 2018–19

Rotary

PASSION TO SERVE

Rotary Institute 2018
Chennai | 5-7th October
Zone 4, 5 & 6A

Convener's Message

RID Basker Chockalingam
Ann Malathi

Dear Rotary Leaders,

Rotary Zone Institutes give opportunity to Rotary leaders, past, present and future, to meet and greet each other, exchange ideas and debate on how to take Rotary forward. **Malathi & I** deem it a privilege and pleasure, to invite you and your spouse, to Rotary Institute 2018, to be held during October 5–7, 2018, at **Hotel Leela Palace, Chennai**. With a set of wonderful speakers and world class entertainment, this will be truly an Institute with a difference. We will have the rare opportunity of having with us the Rotary senior leadership, who will make the event a memorable one for us. The dynamic Institute Chairman PDG I S A K Nazar and his wonderful team are making every effort, to ensure that, we all have a grand Rotary Institute 2018 — **Passion To Serve —** at Chennai.

With warm regards,
RID Basker Chockalingam, RI Director (2017–19)

Chairman's Message

Ann Afzalunnisa
PDG I S A K Nazar

Dear Rotary Leaders,

Greetings from Team — Rotary Institute 2018.

It's a great opportunity given by Director / Convener Rtn C Basker to have our **Rotary Institute 2018** at Chennai, at the grand venue — **Hotel Leela Palace,** Chennai — on 5^{th}, 6^{th} and 7^{th} October 2018. Please be ready to witness one of the most memorable Rotary Institute at Chennai. We are all set to deliver an outstanding and memorable Institute. With a galaxy of eminent speakers, a new experience in entertainment and all that a successful Rotary Institute can be remembered for, awaits you. On behalf of Rotary Institute 2018 Team, I welcome you to **Passion to Serve, Rotary Institute 2018.** Please register immediately.

PDG I S A K Nazar
Chairman — Rotary Institute 2018

Please send this form duly filled by post / courier to:

Rtn PDG I S A K Nazar, Chairman, Rotary Institute 2018
Manna Foods, 129, Z Block, 6^{th} Avenue, Anna Nagar, Chennai – 600 040, Phone: 044 2683991, Mobile: 94449 76846
e-mail: rotaryinstitute.chennai2018@gmail.com, nazarisak@gmail.com

REGISTRATION DATA SHEET

Name: Rtn. .... Call / Badge Name:...
Classification: ....
Address: ....
City: .... Pin .... Country ....
Mobile: .... e-Mail: ....
(Note: Include country and area code for Telephone / Fax Number)

☐ PDG ☐ IPDG ☐ DG ☐ DGE ☐ DGN ☐ DRFC ☐ DMC ☐ DRC

Home Club: .... RI District: ....
Name of Spouse: .... Call Name: ....

Food Preference			Collar size
	Rotarian	Spouse	
Veg	☐	☐	☐ 38 ☐ 40 ☐ 42 ☐ 44 ☐ 46
Non Veg	☐	☐	

REGISTRATION			Couple	Single	Amount
Institute Registration	**Couple**	**Single**			
Upto 30th June 2018	INR 25000	INR 15000			
After 30th June 2018	INR 26000	INR 17000			
GETS (Couple)	2,3,4 October 2018	INR 60000			
DGs Training Seminar	4th October 2018	INR 5000 per Person			
DGN Training Seminar	4th October 2018	INR 5000 per Person			
Dist Trainers Seminar	4th October 2018	INR 5000 per Person			
COL Seminar	4th October 2018	INR 5000 per Person			
TRF Dinner	4th October 2018	INR 5000 per Couple INR 3000 per Single			
TRF Seminar	5th October 2018	INR 5000 per Couple INR 3000 per Single			
HOTEL ACCOMODATION					
The Leela Palace	Double Executive	INR 10000 Per Nite			
	Single Executive	INR 9000 Per Nite			
Ramada Plaza	Double Deluxe	INR 8000 Per Nite			
	Single Deluxe	INR 7000 Per Nite			
The Savera Hotel	Double Deluxe	INR 7000 Per Nite			
	Single Deluxe	INR 6000 Per Nite			
			Total		

**Kindly tick whichever is applicable.*
*Please note that the Accomodation is purely on first come first serve basis.

The cheque and draft shall be in favour of **"Rotary Institute 2018"** payable at Chennai.	*Online payment details:* **Account Name:** Rotary Institute 2018 **Bank:** Karur Vysya Bank **Branch:** Saidapet, Chennai - 15 **Account No.:** 1651155000067299 **IFSC Code:** KVBL0001651

The Institute registration covers the following:
a) Inaugural plenary on Friday, Oct 5, 2018 followed by dinner.
b) Lunch and dinner on Saturday, Oct 6, 2018.
c) Lunch on Sunday, Oct 7, 2018.

The other events such as GETS (Couple), DG Seminar, Membership Seminar, DGN Seminar, COL, TRF Seminar, Foundation Dinner have additional registration as mentioned above.

Date: .... Signature: ....

मुंबई और कोलकाता में दो चमचमाती शामें

रशीदा भगत

जयश्री

मुंबई और कोलकाता में आयोजित दो भव्य सम्मेलनों में, नवनिर्वाचित रो ई निदेशकों भरत पांड्या और कमल संघवी का अभिनन्दन किया गया।

दो नवनिर्वाचित रो ई निदेशकों – भरत पांड्या और कमल संघवी – का अभिनन्दन करने एवं उत्सव मनाने के लिए मुंबई में एक खुशनुमा शाम का आयोजन पूर्व रो ई अध्यक्ष के. आर. रविन्द्रन द्वारा किया गया था, जिन्होंने अपने भाषण की अवधि को उल्लिखित करते हुए कहा कि वह हेनरी तखखख स्कूल ऑफ़ पब्लिक स्पीकिंग से संबंधित है – क्योंकि हेनरी तखखख ने अपनी छह पत्नियों में से हर एक से कहा था 'मैं तुम्हें ज्यादा समय तक नहीं रखूंगा।'

''लेकिन जिन मान्यवरों ने मुझसे पहले आपको संबोधित किया है, उनकी तरफ देखते हुए मैं कुछ हद तक हेनरी VIII की अंतिम पत्नी की तरह महसूस करता हूँ जिसने कहा था मुझसे क्या अपेक्षित है इस बारे में मैं कुछ हद तक जानती हूँ, लेकिन मैं इस बात को लेकर आश्वस्त नहीं हूँ कि इसे किस तरह अलग ढंग से किया जाए।''

जैसे ही दर्शक ठहाका लगाकर हँसे, उन्होंने एक गंभीर बात कही, ''हालाँकि आपके कौशल आपको विजेता बनाएंगे, आपके लिए मेरा सुझाव है: सबसे पहले संस्थान पर ध्यान केन्द्रित करें, दूसरे नम्बर पर संस्थान पर ध्यान केन्द्रित करें, और तीसरे नम्बर पर भी संस्थान पर ही ध्यान केन्द्रित करें। इसे अपनी प्राथमिकता बनाएं।''

RIDN भरत पांड्या और माधवी को (बाएं से) PRID शेखर मेहता, TRF ट्रस्टी सुशील गुप्ता, PRIP के आर रविंद्रन डीजी प्रफुल शर्मा RID भास्कर, PRIP राजेंद्रन के साबू, PRID गण अशोक महाजन, पीटी प्रभाकर, वाई पी दास, PRIP कल्याण बेनर्जी, बिनोटा बेनर्जी, PRID मनोज देसाई, शर्मिष्ठा देसाई, नयनतारा महाजन, डीजी बी एम शिवराज, RIDN कमल संघवी और सोनल संघवी की उपस्थिति में सम्मानित किया गया। चित्र में पांड्या की बेटियाँ - सशमी और निधि भी शामिल हैं।

दिल खोलकर बात करते हुए, रविन्द्रन ने आगे कहा कि ''अपनी भूमिकाएं निभाते हुए कोई गलती मत कीजिये क्योंकि आपको परखा जाएगा। पक्षपात की खींचतान के साथ हमारी दुनिया में काम करना एक चुनौतीपूर्ण कार्य है। आपको छोटे और बड़े लोगों का पता चलेगा। आप पाएँगे कि आपको बलिदान करने हेतु बुलाया जाएगा और आपको मध्य मार्ग पर चलने के लिए एक पूर्णतः अनुशासित संकल्प द्वारा कार्य करने की आवश्यकता होगी। लेकिन आप सक्षम है और आपको पता चलेगा कि जब आप स्वयं को भूलकर केवल संगठन पर ध्यान केन्द्रित करते है, तो आप सर्वश्रेष्ठ नेतृत्व करते है।''

पांड्या और संघवी दोनों अनेक नेतृत्व पदों पर रह चुके है, लेकिन एक नेतृत्वकर्ता बनने और नेतृत्व करने में अंतर होता है। ''नेतृत्व वह होता है जहाँ दूसरे लोग आपका अनुसरण इसलिए नहीं करते कि उन्हें ऐसा करना पड़ता है, बल्कि इसलिए करते है क्योंकि वे ऐसा करना चाहते है।''

पक्षपात की खींचतान के साथ हमारी दुनिया में काम करना एक चुनौतीपूर्ण कार्य है। आपको छोटे और बड़े लोगों का पता चलेगा।

PRIP **के आर रविंद्रन**

ये दोनों RIDN, ''हार्वर्ड से पढ़े एक सशक्त रो ई अध्यक्ष, मार्क मलोनी, के नेतृत्व में आज के समय के सबसे सशक्त मंडलों में से एक, में हमारे ज़ोन का प्रतिनिधित्व करेंगे। एक साथ मिलकर आप सभी हमारे ब्रांड के परिकल्पना कथन, जो यह है कि रोटरी विचारों के आदान-प्रदान करने हेतु सभी महाद्वीपों, संस्कृतियों और पेशों से नेतृत्वकर्ताओं को जोड़ती है और दुनियाभर के समुदायों में कार्य करती है, का प्रतिनिधित्व करेंगे। विश्व मंडल में आप भारत के शानदार राजदूत होंगे।''

रविन्द्रन, वर्तमान टीआरएफ न्यासी, ने आगे कहा, पथभ्रष्ट मंडल नेतृत्वकर्ताओं के साथ-साथ पूर्व गवर्नरों को भी यह समझाने के लिए कि ''रोटरी ब्रांड केवल हमारे लोगो पर ही खत्म नहीं हो जाता, मंडल द्वारा हाल ही में लिए जा रहे सख्त कदमों का मैं बहुत बड़ा समर्थक हूँ। यह प्रत्येक रोटेरियन की गतिविधि, पारस्परिक क्रिया और उनके द्वारा लिए गए निर्णय को प्रभावित करता है। और जब नेतृत्वकर्ता अभद्र व्यव्हार करते है या अनुपस्थित पाए जाते है तो वे केवल गलत उदाहरण ही प्रस्तुत नहीं करते, बल्कि वह हमारे ब्रांड के वादे और स्वयं ब्रांड को भी तबाह करते है। मैं हमेशा पूर्व रो ई अध्यक्ष बॉब बार्थ के कथन को याद करता हूँ, रोटेरियन उच्चतम ईमानदारी एवं नैतिक मानकों वाले ऐसे लोग है जो जितना लेते है उससे अधिक देते है!''

लचीलेपन का अर्थ किसी के सिद्धांतों के साथ समझौता करना नहीं होता क्योंकि मेरे पिता ने मुझे सिखाया था कि एक इंसान के लिए उसकी ईमानदारी सबसे अधिक महत्वपूर्ण होती है।

RIDN **भरत पांड्या**

इसलिए, जो उदाहरण एक नेतृत्व प्रस्तुत करता है वह अहम होता है क्योंकि रो ई एक जटिल बहु-सांस्कृतिक संगठन है। यह 200 देशों और भौगोलिक क्षेत्रों में संचालित हो रही है और नौ भाषाओं एवं 26 मुद्राओं में कार्य करती है। वर्ष 2016-17 के लिए, निवेश के लिए उपलब्ध कुल निधि ''लगभग 1.1 बिलियन यूएस डॉलर थी। लेकिन इससे ज्यादा रोचक बात यह है कि दुनियाभर में एक साल में रोटरी द्वारा किये जाने वाले कार्यों की मोटे तौर पर अनुमानित राशी अतिरिक्त 1 बिलियन डॉलर या उससे भी अधिक है। तो, वास्तव में हम एक 2-2.25 बिलियन डॉलर का निगम है और यह आपको हमारे नए निदेशकों की जिम्मेदारियों का अंदाजा करवाता है।''

मुंबई और कोलकाता दोनों जगह, जहाँ दोनों नेतृत्वकर्ताओं का अभिनन्दन किया गया, माहौल शेरो शायरी, सौहार्द एवं सद्भाव का था। कोलकाता में, पूर्व रो ई अध्यक्ष कल्याण बेनर्जी ने यह कहकर मजाक किया: ''ज़ोन 4 से रो ई निदेशक बनने के लिए आपको गुजराती आना चाहिए, और भारत से रो ई अध्यक्ष बनने के लिए आपको कोलकता का रहने वाला होना चाहिए।'' वह पांड्या और संघवी एवं पूर्व निदेशक मनोज देसाई के गुजराती होने, एवं स्वयं के और स्वर्गीय PRIP नितीश लाहरी के कोलकाता वासी होने के संदर्भ में बोल रहे थे। PRIP राजेंद्र साबू का भी कोलकाता से नाता है।

मुंबई में, उन्होंने कहा कि उन्हें अक्सर ''रोटरी और हमारे उत्तराधिकार के तरीके पर हैरत होती है... जैसे ही 30 जून के बाद 1 जुलाई आती है, सभी क्लब अध्यक्ष, गवर्नर और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एक नया रो ई अध्यक्ष पुराने वालों की जगह लेते है। और निदेशक हर दो साल में बदलते है। रोटरी में जैसा सुचारू एवं स्वचालित परिवर्तन होता है वैसा बस कुछ अन्य संगठनों में होता है।''

यह बहुत अच्छी बात है कि अब से, साल दर साल रो ई मंडल में एक के बजाय दो रो ई निदेशक होंगे। ऐसा PRID मनोज देसाई द्वारा शुरू की गई नयी ज़ोनिंग संरचना के कारण हुआ है। यह बात रोटरी में भारत के बढ़ते महत्व पर ज़ोर देती है।

उन्होंने हमेशा डॉक्टर पांड्या की प्रशंसा ''एक बहुत ही ख़ास व्यक्ति; एक शांत एवं चिंतनशील शख्सियत होने और हमेशा सवाक एवं प्रासंगिक रहने के लिए की है। और मैं 2013 के मेरे एक अनुभव से जानता हूँ कि वह शानदार ढंग से, दृढ़तापूर्वक एवं प्रबलता से तार्किक हो सकते है।''

फिर उन्होंने यह बताया कि विधान परिषद के प्रतिनिधि के रूप में, कैसे पांड्या ने 500 से अधिक मंडल प्रतिनिधियों, संपूर्ण रो ई मंडल, सभी न्यासियों एवं पूर्व रो ई अध्यक्षों वाली विधान परिषद के विचार को केवल कुछ ही मिनटों में परिवर्तित करने के लिए अपनी वाकपटुता और वाद-विवाद कौशलों का इस्तेमाल किया था। यह RIBI के विषय में था और ''उन्होंने ऐसा केवल कुछ मिनटों में ही कर दिया। तो वह एक चमत्कारी व्यक्ति है और भारतीय रोटरी को आगे ले जाने के लिए आदर्श रूप से उपयुक्त है। उनकी पत्नी, माधवी, एक दिलदार और समझदार शख्सियत है और वे दोनों मिलकर एक शानदार जोड़ी बनाते है।''

मैं शपथ लेता हूँ कि हमारे देश में और दुनिया भर में शांति स्थापित करना हमारी पहली और अंतिम प्राथमिकता होगी। भूखों को भोजन देकर, नेत्रहीनों को आंखें देकर, अपाहिजों को अंग देकर, बेघरों को घर देकर और निरक्षरों को शिक्षा देकर हम शांति स्थापित करने का प्रयास करेंगे।

RIDN **कमल संघवि**

उसी प्रकार, संघवी नेतृत्व कौशलों के साथ एक महान रोटेरियन है और सोनल के रूप में उनके पास एक शानदार साथी है। उन्होंने 79 प्रतिशत मतों के साथ अधिदेश जीता है, और उन्हें पूर्ण विश्वास है, बैनर्जी ने आगे कहा, कि दोनों नेतृत्वकर्ता भारत में रोटरी को नयी ऊँचाईयों तक ले जाएँगे।

उन घटनाक्रमों को विस्तार से बताते हुए जिनके कारण पांड्या ने RIBI से संबंधित एक प्रस्ताव को ख़ारिज करवाने के लिए जोशपूर्ण एवं प्रभावशाली तर्क दिए जो कुछ हद तक ''हानिकारक'' भी थे, पूर्व रो ई अध्यक्ष राजेंद्र साबू ने कहा कि RIBI से प्रतिनिधियों के एक दल द्वारा विधान परिषद में विवादास्पस्द प्रस्ताव पेश किया जा रहा था और ''उसमें एक गहन परिवर्तन छुपा हुआ था जो पूर्ण रूप से संविधान और रो ई एवं RIBI के मध्य रिश्ते को परिवर्तित कर सकता था।''

इस हरकत का पर्दाफाश करने हेतु एक प्रस्तुतीकरण तैयार करने के लिए एक मतदान प्रतिनिधि

RIDN कमल संघवी और सोनल को अन्य वरिष्ठ रोटरी नेताओं की उपस्थिति में सम्मानित किया गया।

प्राप्त करने हेतु साबू की मदद पहले ही ली जा चुकी थी। ''मेरे द्वारा भरत (पांड्या) का चुनाव रोटरी और भारत के सभी प्रतिनिधियों के हित में था, और मैं उनके साथ एक शाम नियम पुस्तिका लेकर बैठा। मैं चकित था कि कैसे इतनी जल्दी उन्होंने यह समझ लिया कि हम क्या चाह रहे थे, और उन्होंने एक प्रस्तुतीकरण तैयार किया जो मेरे द्वारा तैयार किये गए प्रस्तुतीकरण के मुकाबले बहुत ही बढ़िया था। उस प्रस्ताव को बड़ी ही खूबसूरती के साथ ख़ारिज कर दिया गया और सभी चकित थे कि भारत से यह बंदा कौन है। उसे इस बारे मैं कैसे पता चला? लेकिन वह उस बात का समर्थन कर रहे थे जो सही थी; इस वाकये ने मुझे इस इंसान के साहस का अहसास दिलाया।''

उन्होंने हमेशा पांड्या की वाकपटुता, और शेक्सपियर, बायरन और वर्ड्सवर्थ के साथ-साथ भारतीय ऋषियों के उद्धरणों को देने के उनके कौशल की तारीफ की है। संघवी ने भी उन्हें पिछले कुछ वर्षों में अपने नेतृत्व और संगठनात्मक कौशलों से प्रभावित किया है, लेकिन खासतौर से भुवनेश्वर में आयोजित उनके एक सम्मेलन में जहाँ पर उन्होंने साबू को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया था। ''वह एक शानदार वक्ता है, बहुत ही ज्ञानवान है, और उनकी याददाश्त बहुत तेज है। लेकिन मैं यहाँ भरत के बारे में ज्यादा बात कर रहा हूँ क्योंकि मैं उनके पक्ष में झुकाव रखता हूँ क्योंकि वह छोटे कद के है! कमल, हालाँकि रवि जितने लम्बे नहीं है, कद में लगभग कल्याण (बेनर्जी) के कद जितने होंगे, जो मैं सहन कर सकता हूँ!''

साबू ने संघवी को एकत्रित वरिष्ठ रोटरी नेतृत्वकर्ताओं को अपना गुरु कहने के लिए फटकारा। ''इन दिनों गुरुओं का मतलब या संकेतार्थ सही नहीं है... जैसे कि यह सब गुरुलोग (दुर्जन) है।''

गंभीर होते हुए, उन्होंने आगे कहा, ''सभी यहाँ पर 18वीं मंजिल (इवेंस्टन में, जहाँ रो ई मंडल बैठक करती है) के बारे में बात की है लेकिन उसे अपनी मंजिल मत बनाना। दो साल बहुत तेजी से बीत जाएँगे और आपको आपके कार्यकाल के खत्म हो जाने के बाद उन कार्यों के लिए याद किया जाएगा जो आपने किये है। मैंने लोगों को अंतिम मंडल बैठक में आँसू बहाते हुए देखा है कि वे 1 जुलाई के बाद शायद कुछ नहीं रह जायेंगे। लेकिन याद रखिये कि जहाँ आप पूर्व क्लब अध्यक्ष, डीजी, निदेशक या फिर पूर्व रो ई अध्यक्ष बन जाएंगे, वहीं आप कभी भी पूर्व रोटेरियन नहीं बन सकते।''

दोनों RIDN को बधाई देते हुए, रो ई निदेशक सी भास्कर ने कहा कि उन्हें मदुरई में आयोजित उनके अभिनंदन समारोह की याद आ गई जहाँ उनपर तारीफों के फूल बरसाए गए थे और ''मैंने सोचा कि यह एक सरल कार्य होगा। लेकिन जब आप काम शुरू करते है, तब आप समझते है कि यह बच्चों का खेल नहीं है, अपितु एक कठिन कार्य है। परन्तु आप दोनों के पास हमारे द्वारा शुरू किये गए कार्यों को आगे ले जाने एवं भारत को विकसित देशों के बराबर लाने का सामर्थ्य एवं संसाधन है।''

भले ही हम पिछले पांच वर्षों में तेजी से बढ़े है, फिर भी भारत में हमारे सामने सबसे बड़ी चुनौती बुनियादी स्तर एवं क्लब स्तर पर स्थिरता है। हमारे क्लबों में से तीस प्रतिशत क्लब अभी भी बहुत कमजोर है और 75 प्रतिशत रोटेरियन नहीं जानते कि रोटरी आखिर है क्या। लोग झुंड में आते है और झुंड में चले जाते है।

उन्होंने दोनों नेतृत्वकर्ताओं को क्लब अध्यक्षों के लिए प्रकाश स्तंभ बनने हेतु प्रेरित किया; ''उनके कौशलों और क्षमताओं को बेहतर बनाने के लिए प्रशिक्षण को महत्व दें। हम एक साधन-संपन्न देश है; AKS सदस्य बनाने के मामले में हम तीसरे स्थान पर, अक्षय-निधियों में देने के मामले में दूसरे स्थान पर और बड़े दान एवं सदस्यता के मामले में पहले स्थान पर है। लेकिन जिस चीज़ की हमारे पास कमी है वह है अनुशासन।'' भास्कर ने कहा कि रविन्द्रन के सुझाव को मानते हुए उन्होंने संघवी और पांड्या दोनों को अपने महत्वपूर्ण संवादों में शामिल करना शुरू कर दिया था। ''क्योंकि रवि ने मुझसे कहा था कि दूसरों को अपने दायरे में आने के लिए आकर्षित करके आप सबसे बड़े सुकूनों में से एक की अनुभूती कर सकते है।''

भारतीय माफ़िया

PRID अशोक महाजन, RIDN भरत पांड्या को, PRIP कल्याण बेनर्जी (बाएं) और पीडीजी (3292) बासुदेव गोलयान की उपस्थिति में, कोलकाता में सम्मानित किया गया।

अपने अध्यक्षीय वर्ष 2011-12, जब दो भारतीय निदेशक (शेखर मेहता और वाई पी दास) मंडल में थे, के बारे में बात करते हुए पूर्व रो ई अध्यक्ष कल्याण बेनर्जी ने याद किया कि जब भी वह मंडल के किसी भी फैसले पर बहस जीतते थे, तो दूसरे लोग कुड़कुड़ाते थे और उन्हें 'भारतीय माफ़िया' कहकर संबोधित करते थे। ''किसी भी मंडल बैठक से पहले, हम तीनों मंथन कर लेते थे और एक उचित योजना तैयार करते थे। क्योंकि हम दिखाना चाहते थे कि भारत एक है और हम एक साथ है। मैं आप दोनों को भी सुझाव देता हूँ कि आपके पास भी एक योजना होनी चाहिए।''

बेनर्जी ने कहा कि भारतीय रोटेरियनों को दण्डित किया जा रहा है ''क्योंकि हम हर छोटे आतंरिक मसलों के लिए रो ई को कोर्ट तक खींचकर ले जाते है। सदस्यता वृद्धि और TRF योगदान में हमारी महत्वपूर्ण उपलब्धियों के बावजूद भी हमें कोई भी रो ई कार्यभार नहीं दिया जा रहा है। हमें दंड दिया जा रहा है। इसलिए अपने मतभेदों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ले जाने के बजाए आपस में ही सुलझाने का प्रयास करें। हम एक भले रोटरी देश है, लेकिन हम एक महान रोटरी देश तभी बन पाएँगे जब हम कोर्ट में लंबित सभी मामलों को कोर्ट के बाहर ही सुलझा ले। हमें यह एहसास होना चाहिए कि रोटरी हमारे अहम और प्रतिष्ठा का प्रदर्शन करने वाला संगठन नहीं है। यह ऐसा संगठन है जो हमें दुनियाभर में मित्र बनाने और एक साथ मिलकर मानवता की सेवा करने में हमारी मदद करता है। जब हम ऐसा करेंगे तो वह रोटरी जगत के लिए सबसे महत्वपूर्ण चीज़ होगी। और भरत एवं कमल, यही अब आपका कार्य होगा। ईश्वर आपका कल्याण करें और आप कामयाब हो।''

पांड्या का अभिनंदन करते हुए, PRID अशोक महाजन ने कहा कि उन्हें बहुत गर्व है और वह निदेशक के रूप में चुने गए इस शख्स को देखकर बहुत खुश है जिसे उन्होंने, 1993-94 में डीजी होने के नाते, अपने मंडल का अप्रतिम अध्यक्ष घोषित किया था। ''उनमें उचित नेतृत्व कौशल और उत्कृष्ट व्यक्तित्व है एवं रोटरी के मूल्यों को कायम रखने का सामर्थ्य है। मैंने हमेशा उनके भाषणों की प्रशंसा की है जो उनकी विनम्रता के साथ-साथ, दार्शनिकों और महान व्यक्तियों के कथनों से भरे हुए होते है।''

दोनों निदेशकों का ''दो अद्भुत व्यक्ति'' के रूप में वर्णन करते हुए, PRID वाई पी दास ने उनसे हमेशा यह याद रखने का आग्रह किया कि रो ई मंडल में वे केवल भारत का ही नहीं बल्कि संपूर्ण रोटरी जगत का प्रतिनिधित्व करेंगे। साथ ही, उन्होंने अक्सर नेतृत्वकर्ताओं से सुना है कि कैसे उनकी पदोन्नति हुई; ''वह सब भूल जाइए। आपका ध्यान हमेशा केवल इस बात पर होना चाहिए कि दो साल बाद आपके निदेशक पद की समाप्ति के पश्चात् आप कैसे जाना चाहेंगे। जो बात सबसे अधिक मायने

RIDN गण भरत पांड्या और कमल संघवी, माधवी और सोनल डीजीएनओं के साथ।

रखेगी वह यह है कि आपके कार्यकाल की समाप्ति के बाद आप किस तरह अपने पद का त्याग करते है। सभी को आप दोनों पर गर्व है और उन सभी की अपेक्षाएं है। मेरा आपको सुझाव है कि उन अपेक्षाओं से बढ़कर कार्य करें और हम सभी को गौरवान्वित करें।''

18वीं मंजिल (इवेंस्टन में, जहाँ रोई मंडल बैठक करती है) उसे अपनी मंजिल मत बनाना। दो साल बहुत तेजी से बीत जाएँगे और आपको आपके कार्यकाल के खत्म हो जाने के बाद उन कार्यों के लिए याद किया जाएगा जो आपने किये है।

PRIP **राजेंद्र साबू**

दोनों नवनिर्वाचित नेतृत्वकर्ताओं को बधाई देते हुए, TRF न्यासी सुशील गुप्ता ने कहा कि रोई मंडल में दो निदेशकों के साथ, भारत में रोटरी एक बड़ी भूमिका निभाने के लिए तैयार है। भले ही आज 1.4 लाख रोटेरियनों के साथ हम सदस्यता के मामले में एवं TRF में दान करने के मामले में दूसरे स्थान पर है, उन्होंने दिवंगत RIPE से ओवोरी के कथन को याद किया कि इतनी बड़ी जनसंख्या होने के कारण, भारत में तो 1.2 मिलियन रोटेरियन होना चाहिए।

गुप्ता ने दोनों नेतृत्वकर्ताओं को आगाह करते हुए ''पारदर्शिता और प्रबंधन के मुद्दों पर अपना ध्यान केन्द्रित'' करने के लिए कहा क्योंकि पूरा रोटरी जगत हमें देख रहा है। TRF द्वारा भारत को दिए गए 35 वैश्विक अनुदानों में से, 34 को उचित पाया गया और केवल एक अनुदान में कुछ आपत्तियां थी, लेकिन हमारी पिछली न्यासी बैठक में उन पर प्रकाश डाला गया था। धारणाएं महत्वपूर्ण होती है, और हमें यह कभी नहीं भूलना चाहिए।''

तारों से भरी

कोलकाता में, सात मंडलो - 3291, 3240, 3250, 3261, 3262, 3292, 3120 - द्वारा एक उच्च दर्जे की बैठक आयोजित की गई थी। PRID शेखर मेहता ने कहा, ''आज की शाम के दो सितारों - कमल और भरत - का उत्सव मनाने के लिए, हमारे बीच 145 पूर्व गवर्नर, 14 डीजी, 8 DGE गण, 10 DGN, 11 DGND गण; एक PRIP और चार PRID गण मौजूद है। लगता है कि रोटरी में इस *पार्ट ऑफ़ दी वर्ल्ड* से अच्छे दिन ही नहीं, बहुत अच्छे दिन आने वाले है,'' उन्होंने कहा।

संघवी को अपना छोटा भाई कहते हुए, मेहता ने याद किया कि कैसे उन्होंने कोलकाता ज़ोन इंस्टिट्यूट और अनेक साक्षरता सम्मेलनों को निष्पादित करने में उनकी मदद करके कई सालों तक उनके साथ काम किया। ''कमल जल्दी दोस्त बना लेते है और भरत के साथ काम करना एक हर्ष का विषय है,'' उन्होंने आगे कहा।

PRID मनोज देसाई ने, ''भारत से दूसरे डॉक्टर के निदेशक बनने पर'' उनका स्वागत करते हुए, पांड्या और संघवी दोनों के साथ अपनी स्मृतियों को साझा किया कि कैसे वर्ष 2010 में भारत में सदस्यता वृद्धि करने के लिए उन्होंने योजना तैयार की और कैसे उन्होंने देसाई के निदेशक कार्यकाल के दौरान डीजीयों के उनके दल से सर्वोत्तम प्रदर्शन करवाने में मदद की। इस कथन का जिक्र करते हुए कि दोनों निदेशक-मनोनीत गुजराती है, देसाई ने आगे कहा कि न्यासी-निर्वाचित गुलाम वाहनवटी को मिलाकर, अब रो ई मंडल और टीआरएफ में तीन गुजराती होंगे।

PRID यशपाल दास ने याद किया कि कैसे वर्ष 2011-13 में पहली बार, दो निदेशकों (मेहता और वह स्वयं) के द्वारा भारत का प्रतिनिधित्व किया गया था, ''इसके पहले हमारी ज़ोन्स का प्रतिनिधित्व करने के लिए हमारे पास थाईलैंड से भी एक निदेशक थे।

''पारदर्शिता और प्रबंधन के मुद्दों पर अपना ध्यान केन्द्रित'' करने क्योंकि पूरा रोटरी जगत हमें देख रहा है।

TRF ट्रस्टी **सुशील गुप्ता**

हम बहुत आगे आ चुके है और मुझे यकीन है कि ये दोनों युवा शख्सियतें हमारे मंडलों को बहुत ऊँचाईयों तक लेकर जाएंगी।''

उन्होंने पांड्या और संघवी को 'गुटबाजी' का शिकार ना बनने हेतु आगाह किया। ''जब मैं और शेखर निदेशक थे, उनमें से बहुत लोग सुझाव देते थे कि हम दोनों दो अलग-अलग 'गुटों' से है। लेकिन हम अडिग होकर एकसाथ रहे और कभी भी हमें तबाह कर सकने वाले जाल में नहीं फसें। इसलिए एकजुट होकर रहिए, रोटरी को आगे ले जाइए और अपने व्यक्तिगत मसलों को भूल जाइए। आप हम सभी को गौरवान्वित करेंगे।''

PRID पी टी प्रभाकर ने दोनों नेतृत्वकर्ताओं को बधाई दी और कहा कि जब हमारे देश में रोटरी का ध्वज सफलतापूर्वक लहरा रहा है, तब वे दोनों रो ई मंडल में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। ''हम कई सालों से सदस्यता के मामले में शिखर पर है, और पिछले वर्ष TRF में 20 मिलियन डॉलर के योगदान के साथ, हम दान करने के मामले में दूसरे स्थान पर आ गए है। भारतीय रोटरी अब वैश्विक रोटरी की मुख्य संचालक शक्ति है और आप सौभाग्यशाली है कि इस मुकाम पर आप रो ई मंडल में अपनी सेवाएँ देंगे।''

पांड्या, जो डीजी के रूप में उनके बैच के साथी थे, का अभिनन्दन करते हुए पीडीजी जे बी कामदार ने याद किया कि कोलंबो में उनके GETS में, बहुत से प्रशिक्षकों ने ''हमारे बैच के सबसे भरोसेमंद नेतृत्वकर्ता के रूप में भरत का चुनाव किया था। तब से कई वर्ष गुजर चुके है लेकिन वह आज भी उतने ही अद्भुत और प्रिय रोटरी नेता है, वह वही भरत है बिल्कुल नहीं बदले... मृदु भाषी, दयालु, शिष्ट, विनम्र और जिनमें कपट का अंश मात्र भी नहीं है।''

अपने 42 वर्षीय मेडिकल सहकर्मी एवं मित्र का अभिनन्दन करते हुए, रोटेरियन डॉ कुलदीप सिंह सांधू ने कहा भले ही वह प्रसिद्द डॉ एस एस पांड्या के बेटे होने के नाते एक प्रतिष्ठित परिवार से हो, ''भरत हमेशा से ही विनम्र और उदार रहे है और मैंने कभी उन्हें किसी पर चिल्लाते हुए नहीं देखा। उनमें अहंकार का लेशमात्र भी नहीं है और उनका मन केन्द्रित है, और वह भयानक पढ़ाकू है। उनकी उच्च स्तर की वाकपटुता, जिसके कारण वह रोटरी जगत में जाने जाते है, कॉलेज के समय में विभिन्न प्रकार की किताबों को पढ़ने के साथ ही शुरू हुई थी।''

साथ ही, उन्होंने आगे कहा, डॉ पांड्या का अस्पताल मुंबई में एक अनूठी जगह है ''जहाँ पर मरीजों से किसी प्रकार का अग्रिम भुगतान अपेक्षित नहीं किया जाता।''

इस ''तिकड़ी'' और उस हॉल में एकत्रित हुए उनके सभी ''गुरुओं'' का धन्यवाद करते हुए, कमल संघवी ने पांड्या के साथ मिलकर वादा किया, ''कि हम पूरे जोश के साथ हमारे रास्ते में आने वाली हर चुनौती का सामना करने के लिए कड़ी मेहनत करेंगे। मैं आपको

अनौपचारिक सत्र

कोलकाता सम्मेलन में PRID शेखर मेहता द्वारा एक 'रैपिड फायर राउंड' का संचालन किया गया। जब उन्होंने सोनल संघवी से पूछा कि उनके पति का निदेशक चुने जाने पर उन्हें कैसा लगा, उन्होंने कहा कि वह अभिभूत है लेकिन चिंतित भी है क्योंकि अब उन्हें 'डायरेक्टरी' कहा जाएगा, क्योंकि पहले एक गवर्नर की पत्नी होने के नाते, उन्हें 'गवर्नेस' कहा जाता था!'' माधवी पांड्या और उनकी बेटियों, जो दूर मेलबोर्न में थी, ने एक दृश्य-श्रव्य के माध्यम से अपनी शुभकामनाएं व्यक्त की। पापा आपको शुभकामनाएं। ''मैं कोशिश करुँगी कि आपको ज्यादा परेशान ना करूँ ताकि आप आपके नए कार्यभार पर अधिक ध्यान दे सकें,'' पांड्या की छोटी बेटी सश्वी ने वादा किया। ''एक निदेशक का बेटा होने के नाते क्या मुझे कुछ फ़ायदा नहीं मिलेगा,'' कमल संघवी के बेटे का दृश्य-श्रव्य पर एक शरारत भरा प्रश्न था।

दोनों अपने सन्देश में रोटेरियनों से कुछ कहना चाहते थे, संघवी ने कहा: ''हमारे पास दुनियाभर में अनेक शांति केंद्र है; लेकिन हमारे स्वयं के अंदर कोई शांति नहीं है। इसलिए हम हमारे क्लबों और सदस्यों के बीच शांति को बढ़ावा देने के लिए कार्यक्रमों को प्रोत्साहित करेंगे।''

पांड्या ने कहा: ''नेतृत्वकर्ता का पद शानदार होता है, लेकिन नेतृत्व की सीढ़ियों से ख़ूबसूरती के साथ नीचे आना हमें सीखना चाहिए।''

उनके आदर्श: संघवी के लिए ''बिनोताजी'' और पांड्या के लिए ''कल्याणदा''।

मेहता द्वारा दोनों नवनिर्वाचित रो ई निदेशकों के लिए कोई सुझाव देने हेतु उकसाए जाने पर, बेनर्जी ने तीखी बात कही, ''हमारे व्यक्तिगत मसले हमारे क्षेत्र की साख को मिट्टी में मिला रहे है। इसलिए मैं चाहता हूँ कि आप उन मसलों का अधिक धैर्य एवं विवेक के साथ निपटान कीजिए।''

RID सी भास्कर, RIDN गण भरत पांड्या और कमल संघवी के साथ DG और DGE गण।

विश्वास दिलाता हूँ कि हमारे इस शानदार संगठन के लक्ष्यों और परिकल्पना को हासिल करने के लिए वह सब कुछ करूँगा जो मेरे बस में है। मैं शपथ लेता हूँ कि हमारे देश में और दुनिया भर में शांति स्थापित करना हमारी पहली और अंतिम प्राथमिकता होगी। भूखों को भोजन देकर, नेत्रहीनों को आंखें देकर, अपाहिजों को अंग देकर, बेघरों को घर देकर और निरक्षरों को शिक्षा देकर हम शांति स्थापित करने का प्रयास करेंगे।

अभिनंदनों पर ''मिश्रित भावनाओं... एक मील के पत्थर को पार करने का उत्साह, इस बात का सुकून कि अब चुनावी चरण खत्म हो गया, लेकिन इन सबसे अधिक, एक भय और इतनी बड़ी जिम्मेदारी का एहसास जो अब उनके कन्धों पर है,'' के साथ प्रतिक्रिया देते हुए पांड्या ने एक प्रसिद्द कथन याद किया। ''जिन्हें अधिक दिया जाता है, उनसे अधिक की अपेक्षाएं की जाती है।''

''इन पंक्तियों ने मुझे यह स्पष्ट कर दिया कि अब मुझपर बहुत बड़ी जिम्मेदारी है लेकिन साथ ही एक मौका भी है और मैं ईमानदारी के रास्ते पर चलते हुए और रोटरी की बेहतरी के लिए कार्य करते हुए तब तक नहीं रुकूंगा जब तक मैं संतुष्ट नहीं हो जाता कि मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ किया है।''

अब जब पहली बार इतने बड़े पैमाने पर अच्छा करने का अवसर उनके सामने है, उन्होंने ईमानदारी और निस्वार्थ सेवा के मूल्यों को याद किया जो उनके स्वर्गीय पिता ने उन्हें सिखाए थे।

भारत में हमारे सामने सबसे बड़ी चुनौती बुनियादी स्तर एवं क्लब स्तर पर स्थिरता है। हमारे 75 प्रतिशत रोटेरियन नहीं जानते कि रोटरी आखिर है क्या। लोग झुंड में आते है और झुंड में चले जाते है।

रो ई निदेशक **सी भास्कर**

पांड्या ने आगे कहा कि उनकी प्राथमिकता हमेशा रोटरी क्लब रहेंगे और उन्होंने सभी वरिष्ठ नेतृत्वकर्ताओं और रोटेरियनों से वादा किया कि मेरे विचारों, कर्मों और क्रियाकलापों में मेरी सत्यनिष्ठा हमेशा ऐसे ही बनी रहेगी। मैं परिवर्तनों, सुझावों, विभिन्न दृष्टिकोणों को अपनाने के प्रति लचीला और खुला रहूँगा। लचीलेपन का अर्थ किसी के सिद्धांतों के साथ समझौता करना नहीं होता क्योंकि मेरे पिता ने मुझे सिखाया था कि एक इंसान के लिए उसकी ईमानदारी सबसे अधिक महत्वपूर्ण होती है।

एक गंभीर बात करते हुए, उन्होंने आगे कहा, वह इकलौती वस्तु जो शोकाकुल व्यक्तियों के साथ कब्रिस्तान से लौटकर आती है और दफन होने से इंकार कर देती है, वह है एक इन्सान का चरित्र। यह उसके जाने के बाद भी हमेशा जिंदा रहता है और इसे कभी भी दफनाया नहीं जा सकता।''

दोनों मेज़बान मंडलों 3141 और 3142, और उनके डीजी प्रफुल्ल शर्मा और बी एम शिवराज, रोटरी क्लब बोरीवली के सदस्यों, पीडीजी राजू सुब्रमण्यम, माधवी, मेरी शुभचिंतक, मार्गदर्शक और अक्सर मेरी आलोचक, सलाहकार और जिगरी दोस्त एवं पत्नी और उनकी दोनों बेटियों का आभार प्रकट करते हुए उन्होंने कहा, मैं आज जो कुछ भी हूँ अविभाजित मंडल 3140 के कारण हूँ,'' और उन्होंने वादा किया कि वह कभी भी *वन रोटरी सेन्टर* की 18 वीं मंजिल को अपने दिमाग पर हावी नहीं होने देंगे।

मुंबई में, डीजी प्रफुल्ल शर्मा और डीजी शिवराज ने मेज़बान समिति का नेतृत्व किया; पीडीजी राहुल तिम्बाडिया, वीरेन जेठवा, पांड्या का गृह क्लब रोटरी क्लब बोरीवली के अध्यक्ष, पूर्व अध्यक्ष विनय व्यास, डीजीई शशि शर्मा और डीजीई आशीष गांगुली ने नवनिर्वाचित रो ई निदेशकों का अभिनन्दन किया।

कोलकता में, डीजी विवेक कुमार (3250), डीजी अजय अग्रवाल (3262), डीजी रंजीत सिंह (3120) और डीजी संजय गिरी (3292) ने दोनों नेतृत्वकर्ताओं का अभिनंदन किया।

चित्र: रशीदा भगत और जयश्री

एन कृष्णमूर्ति द्वारा रूपरेखा

चक - एक सम्पूर्ण व्यक्तित्व

राजेंद्र के साबू

Every man's life ends the same way. It is only the details of how he lived and how he died that distinguishes one man from another.

\- Ernest Hemingway

चक केल्लर के नाम से प्रसिद्ध चार्ल्स सी केल्लर, बुद्धिमत्ता का खजाना, ज्ञान का भण्डार और अनुभव का सागर थे। वाक़ई वह आधुनिक रोटरी के एक संस्थापक स्तंभ थे। वह केवल रोटरी के इतिहास का हिस्सा नहीं थे, अनेक क्रांतिकारी परिवर्तनों के साक्षी रहने के साथ साथ, कई मायनों में वह इस इतिहास के रचयिता भी थे।

मुझे अच्छी तरह से याद है, अप्रैल 1983 में मोंटे कार्लो में, जब पहली बार मैं चक से मिला, अपने रोटरी इंटरनेशनल डायरेक्टरशिप का वो मेरा दूसरा वर्ष था और वहां आयोजित एक बहुत ही महत्वपूर्ण लेजिस्लेशन काउन्सिल के वे अध्यक्ष थे। यह वो परिषद थी जो पूर्व रोई अध्यक्ष क्लेम रेनौफ द्वारा प्रस्तावित हेल्प, हंगर एंड ह्यूमैनिटी कार्यक्रम पर विचार विमर्श कर रही थी, जिसके माध्यम से पोलियो उन्मूलन कार्यक्रम का सूत्रपात हुआ था। कई पुरानी मान्यताएं और वरिष्ठ निष्ठावान समर्थकों ने इस आधार पर इसका विरोध किया कि रोटरी परियोजनाएं केवल क्लबों तक सीमित थीं और सामूहिक कॉर्पोरेट कार्यक्रमों को लेने का कोई प्रावधान नहीं था, जबकि पोलियो की चुनौती स्वीकार करने के लिए इसी को बदला जाना था।

दोनों पक्षों के प्रति बिल्कुल निष्पक्ष और न्याय संगत रहे थे, अध्यक्ष के रूप में, चक जिन्होंने अंततः निदेशक मंडल के प्रस्ताव और सर क्लेम रेनौफ की पहल को पारित किया। जिस तरह से चक ने उस विशिष्ट समस्या को संचालित किया उसने वास्तव में उनकी धाक जमा दी। इस परिषद ने कई अन्य मुद्दों पर भी बहस की और चक ने जिस धैर्य, निष्पक्षता और हाज़िरजवाबी के साथ परिषद का परिचालन किया, वह सीखने लायक था।

अंतर्राष्ट्रीय असेंबली और समिति की अन्य बैठकों के दौरान चक से मैं जितनी बार मिला, रोटरी के बारे में उनके विलक्षण ज्ञान से अत्याधिक प्रभावित हुआ वहीं अंतरराष्ट्रीय स्तर के पदों पर होने के बावजूद अपने क्लब और मण्डल के

इंटरनेशनल असेम्बली 2017, सैन डिएगो में PRIP चार्ल्स केल्लर और पत्नी कैरल।

रशीदा भगत

प्रति उनकी सम्पूर्ण प्रतिबद्धता से प्रभावित था।

मुझे 23 फरवरी,1986 स्पष्ट रूप से याद है, जब मैं नैशविले, टेनेसी में अंतर्राष्ट्रीय असेंबली से एक चार्टर विमान पर अपने दो योग्य मित्रों, स्वर्गीय बिल सार्जे ट और स्वर्गीय जॉर्ज आर्सेनॉ के साथ लौट रहा था। मुझे रोटरी क्लब ऑफ चट्टानुगा ने रोटरी की जयंती पर बोलने के लिए आमंत्रित किया था। रोई अध्यक्ष के लिए नामांकन समिति ने चक केल्लर को 1987-88 के लिए अध्यक्ष चुना था, लेकिन फ्रांस के एक पूर्व निदेशक ने उन्हें चुनौती दी थी। उड़ान के दौरान हम तीन दोस्तों के बीच यह चर्चा का विषय बन गया और मैंने उनसे पूछा कि क्या सिर्फ एक आदमी और उसका क्लब मनोनीत उम्मीदवार को चुनौती दे सकता है और पूरी दुनिया के माध्यम से आयोजित लगभग 50,000 डॉलर की लागत वाली चुनाव प्रक्रिया की धज्जियां उड़ा सकता है। उस समय, डाक द्वारा मतपत्र भेजे जाते थे। क्या इस बारे में हम कुछ नहीं कर सकते?

काउन्सिल ऑन लेजिस्लेशन (CoL), शिकागो में सिर्फ दो महीने बाकी थे और नया विधान-संबंधी प्रस्ताव पेश करने के लिए समय नहीं बचा था। एकमात्र तरीका था मौजूदा प्रस्ताव को ढूंढना और उसमें संशोधन का सुझाव देना, और इस चुनौती के समर्थन में दुनिया भर में फैले रोटरी क्लबों के एक निश्चित प्रतिशत की आवश्यकता थी। इस तरह के संशोधन को मुख्य प्रस्ताव के सन्दर्भ में प्रासंगिक होना चाहिये। यह एक कठिन काम था क्योंकि उस परिषद के अध्यक्ष न्यायाधीश विल्बर पेल थे। हमने एक विशेष प्रस्ताव का चयन किया और संशोधन प्रस्तावित करने के लिए जॉर्ज आर्सेनॉ पर छोड़ दिया, जो खुद भी एक न्यायाधीश थे। यही हमारी रणनीति थी और बिल सार्जेंट ने इसका समर्थन भी किया था। मुझे इस पर बयान देना पड़ा। हमारी ये रणनीति काम कर गई पर प्रावधान लागू करने से पहले ऐसी किसी भी चुनौती को समर्थन देने के लिए दुनिया के एक प्रतिशत क्लबों की आवश्यकता होती है। इस चर्चा के भड़कने के पीछे कारण था - कि क्या चक केल्लर जैसे बढ़िया आदमी को भी चुनौती दी जा सकती है? लेकिन नया प्रावधान तो अगले वर्ष से ही प्रभावी होना था। दुर्भाग्यवश चक को चुनाव प्रक्रिया से गुजरना ही पड़ा, जहां अंततः उनकी शानदार जीत हुई।

चक केल्लर का जन्म 17 जून 1923 को अमेरिका के गोशेन, इंडियाना में हुआ था। वर्ष 1950 में वह 27 वर्ष की उम्र में रोटरी क्लब कैलिफोर्निया, पेनीसिल्वेनिया के सदस्य बने। रोई अध्यक्ष होने

यदि आपके पास एक अच्छी बात है और आप इसकी प्रासंगिकता से आश्वस्त हैं, तो बिना किसी भय के इसे आगे बढ़ाएं।

चक से मैं जितनी बार मिला, रोटरी के बारे में उनके विलक्षण ज्ञान से अत्याधिक प्रभावित हुआ वहीं अंतरराष्ट्रीय स्तर के पदों पर होने के बावजूद अपने क्लब और मण्डल के प्रति उनकी सम्पूर्ण प्रतिबद्धता से प्रभावित था।

के अलावा, चक ने रोई निदेशक, द रोटरी फाउंडेशन ट्रस्टी चेयर, दो बार काउन्सिल ऑन लेजिस्लेशन (CoL) के अध्यक्ष, अनगिनत रो ई समितियों के सदस्य और अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। और हाल ही में, वह फाउंडेशन शताब्दी इतिहास पुस्तक समिति के अध्यक्ष रहे।

चक केल्लर ने कैलिफ़ोर्निया स्टेट टीचर्स कॉलेज से सर्वोच्च सम्मान के साथ अंग्रेजी और सोशल साइंस में बीएस ईडी स्नातक की उपाधि प्राप्त की और उन्हें विशिष्ट सेवा पुरस्कार से भी नवाज़ा गया। लॉ स्कूल के बाद वाशिंगटन काउंटी लौटने पर उन्होंने कानून को अपना कैरियर बनाने का फैसला किया। एक वकील के रूप में उन्होंने महान उपलब्धियां अर्जित कीं। वह पीकॉक, केल्लर, योह, डे और एकर की कानूनी फर्म में वरिष्ठ भागीदार रहे। उन्होंने पेनीसिल्वेनिया बार एसोसिएशन के बोर्ड ऑफ़ गवर्नर में सेवाएँ दीं और 1983 में इस संस्था के अध्यक्ष बने।1986 में उन्हें अमेरिकी कानूनी व्यवसाय द्वारा ट्रायल वकीलों को दिया जाने वाला उच्चतम सम्मान प्राप्त हुआ। बहुत जल्द ही उन्होंने वरिष्ठ परिषद (Senior Council) होने की ख्याति अर्जित की और कानूनी व्यवसाय में वह शीर्ष पर पहुंचे। वह बॉय स्काउट्स, यूनाइटेड वे, चैंबर ऑफ कॉमर्स और स्वास्थ्य संस्था सहित समाज में कई संस्थाओं के अध्यक्ष रहे। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान वह एक लड़ाकू पायलट थे और बाद में अमेरिकी एयर फोर्स रिजर्व में शामिल हो गये, जहां जज एडवोकेट जनरल की शाखा में सेवाऐं दीं। वह 1972 में लेफ्टिनेंट कर्नल के रूप में सेवानिवृत्त हुए।

वह खेलों के ज़बरदस्त समर्थक थे और कॉलेज में बास्केटबाल और टेनिस खेलते थे। मैं भी टेनिस ठीक-ठाक खेल ही लेता था, रो ई निदेशक बनने के बाद जब मैं वरिष्ठ नेतृत्व की भूमिका में आया, तो मुझे चक ने कई बार अपने और अन्य वरिष्ठ रोटरी नेताओं के साथ खेलने के लिए आमंत्रित किया। मुझे एहसास हुआ कि मेरा खेल उनके खेल के आस पास भी नहीं था, मैं उनके परिहास का शिकार बना और चुपचाप वापस लौट आया!

रो ई अध्यक्ष के रूप में रोटेरियनों को उन्होंने थीम दी थी - सेवा में एकजुट-शांति के लिए समर्पित। इससे सेवा और शांति पर केंद्रित उनकी सम्पूर्ण प्रतिबद्धता परिलक्षित होती है।

उनके सानिध्य में एक महत्वपूर्ण बात याद है जो मैं कभी

PRIP चार्लस केल्लर, रो ई अध्यक्षों की कॉलेज के साथ 2017 इंटरनेशनल असेम्बली में।

नहीं भूलता। ऑरलैंडो कन्वेंशन के दौरान जब रोई अध्यक्ष के रूप में मेरा कार्यकाल समाप्त होने वाला था, चक ने मुझ से सीधे कहा, ''राजा, जब आप नामित हुए थे तो मुझे नहीं लगता था कि नामांकन समिति ने सही चयन किया है। लेकिन मैं बहुत खुश हूं, आपने मुझे गलत साबित कर दिया।'' ये थे चक, और यह मुझे आज तक मिली सर्वश्रेष्ठ प्रशंसा में से एक था।

यह मेरा सौभाग्य था कि कई महत्वपूर्ण समितियों में चक के साथ कार्य करने का अवसर मिला, उनमें से एक थी मरोटरी पीस कमेटीफ जिसकी शुरुआत तब हुई जब मैं टीआरएफ ट्रस्टी चेयर था। उन्होंने मेरे साथ वाईस चेयरमैन (उपाध्यक्ष) के रूप में कार्य किया और मेरा कार्यकाल समाप्त होने के बाद चेयरमैन (अध्यक्ष) का कार्यभार संभाला। वह मेरे से बहुत वरिष्ठ थे लेकिन फिर भी वह प्रोटोकॉल को कभी नहीं भूले और सदस्यों की राय का सम्मान निष्पक्ष और लोकतांत्रिक पद्धति से किया करते थे। ऐसे भी नाज़ुक पल आये थे जब अन्य समितियों में, काउन्सिल ऑन पास्ट प्रेसीडेंट सहित कुछ मुद्दों पर हमारा ज़बरदस्त मतभेद रहा था। और मुझे याद है कि बहुत पहले उन्होंने मुझे परामर्श दिया था: ''यदि आपके पास एक अच्छी बात है और आप इसकी प्रासंगिकता से आश्वस्त हैं, तो बिना किसी भय के इसे आगे बढ़ाएं।'' लेकिन हमारी चर्चा में मेज पर इस तरह भिड़ने के बाद भी, अगले दिन फिर से हम वही दोस्त होते थे, और एक दूसरे के सम्मान में कोई कमी नहीं आने देते थे।

जब मैं चक के बारे में सोचता हूं तो वॉल्ट व्हिमैन की कविता उनके प्रति मेरी भावना से कितनी मेल खाती है, ''हम एक साथ थे। बाकी सब मैं भूल जाता हूं।''

चक की कहानी उनकी दो पत्नियों का जिक्र किए बिना अधूरी रहेगी, जिन्हें मैं और उषा जानते थे। लू, जिसे चक बहुत प्यार करते थे, एक उड़ान पर, आघात का सामना करने की वज़ह से उन्हें खो दिया था। एक अन्य सौम्य महिला कैरोल उनके जीवन में आई और वह रोटरी परिवार के साथ इतनी अच्छी तरह से घुल मिल गई जैसे कि वह हमेशा से हमारे साथ थी।

चक एक आदर्श व्यक्ति थे जो 92 साल की उम्र तक भी तेज़ दिमाग के साथ अत्यंत सक्रिय थे। इसके बाद उन्होंने स्वयं कहा कि समय आ गया है जब मैं अंतरराष्ट्रीय असेंबली में नहीं आ पाउँगा। हम सभी ने पिछली असेंबली में और सम्मेलन में भी उनकी कमी महसूस की। जो लोग उनसे परिचित हैं, उन्हें वास्तव में जीवन भर उनकी कमी महसूस होगी ।

ऐसे व्यक्ति के लिए, इस दुनिया से प्रस्थान वास्तव में जीवन का उत्सव है। और जब वह स्वर्ग में हमारे सृष्टिकर्ता से मिलेंगे, तो उनसे कहेंगे, ''जो अवसर और जीवन आपने मुझे पृथ्वी पर दिया, उसके लिए धन्यवाद।''

चक वास्तव में सम्पूर्ण रोटेरियन, सम्पूर्ण व्यक्तित्व थे।

लेखक एक भूतपूर्व रोटरी अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष-(1991-92) हैं।

एक अनमोल समर्थन

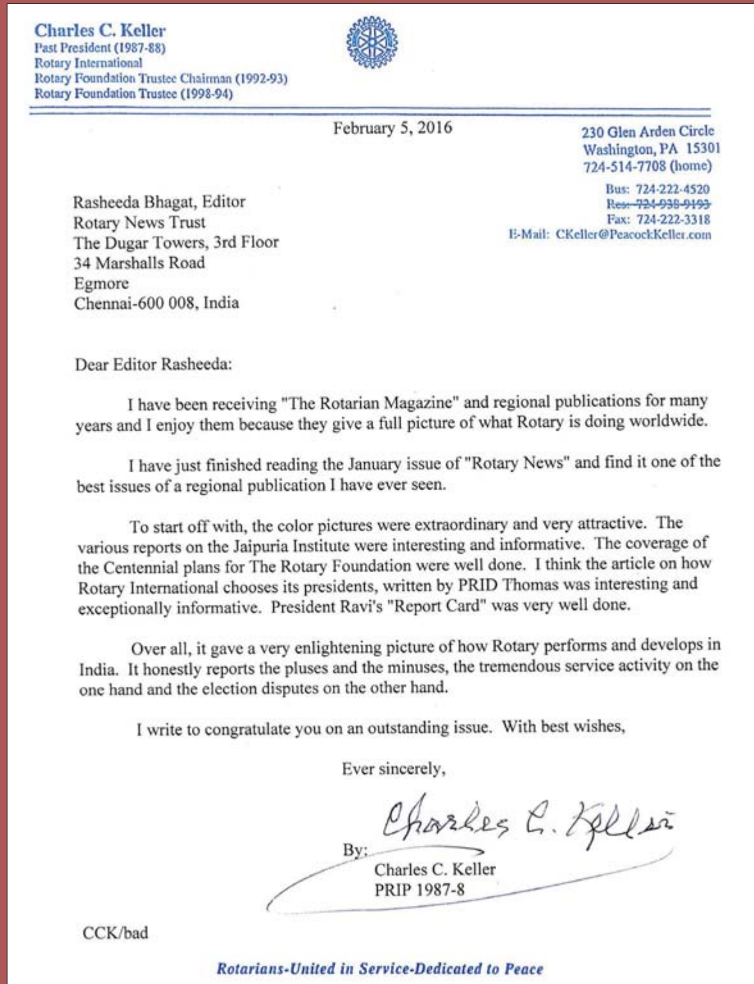

Charles C. Keller
Past President (1987-88)
Rotary International
Rotary Foundation Trustee Chairman (1992-93)
Rotary Foundation Trustee (1998-94)

February 5, 2016

230 Glen Arden Circle
Washington, PA 15301
724-514-7708 (home)
Bus: 724-222-4520
~~Res: 724-938-9193~~
Fax: 724-222-3318
E-Mail: CKeller@PeacockKeller.com

Rasheeda Bhagat, Editor
Rotary News Trust
The Dugar Towers, 3rd Floor
34 Marshalls Road
Egmore
Chennai-600 008, India

Dear Editor Rasheeda:

I have been receiving "The Rotarian Magazine" and regional publications for many years and I enjoy them because they give a full picture of what Rotary is doing worldwide.

I have just finished reading the January issue of "Rotary News" and find it one of the best issues of a regional publication I have ever seen.

To start off with, the color pictures were extraordinary and very attractive. The various reports on the Jaipuria Institute were interesting and informative. The coverage of the Centennial plans for The Rotary Foundation were well done. I think the article on how Rotary International chooses its presidents, written by PRID Thomas was interesting and exceptionally informative. President Ravi's "Report Card" was very well done.

Over all, it gave a very enlightening picture of how Rotary performs and develops in India. It honestly reports the pluses and the minuses, the tremendous service activity on the one hand and the election disputes on the other hand.

I write to congratulate you on an outstanding issue. With best wishes,

Ever sincerely,

By: Charles C. Keller
Charles C. Keller
PRIP 1987-8

CCK/bad

Rotarians-United in Service-Dedicated to Peace

पीडीजी अशोक घोष के लिए साइमन मास्टर चेयरमैन पुरस्कार

टीम रोटरी न्यूज़

मंडल 3011 के पूर्व गवर्नर और PHI लर्निंग के प्रबंध निदेशक एवं अध्यक्ष, अशोक के घोष को हाल ही में वैश्विक प्रकाशन पर उनके योगदान एवं प्रभाव के लिए लन्दन बुक फेयर में इंटरनेशनल एक्सीलेंस अवार्ड्स 2018 में दी पब्लिशर्स एसोसिएशन के साथ साझेदारी में साइमन मास्टर चेयरमैन पुरस्कार से नवाजा गया। इस पुरस्कार को पाने वाले वह चौथे प्राप्तकर्ता और पहले भारतीय है।

उन्हें फेडरेशन ऑफ़ इंडियन पब्लिशर्स द्वारा प्रेसिडेंट एमेरिटस की उपाधि से भी सम्मानित किया गया और इंडियन रेप्रोग्राफ़िक राइट्स आर्गेनाईजेशन ने उन्हें उनका मानद सलाहकार नियुक्त किया है।

बधाई और

(बाएं से) माधवी पांड्या, डीजीएन (3040) धीरान दत्ता, पीडीजी (3131)मोहन पलेशा, पीडीजी (3141) विजय जालान, पीडीजी (3090) विजय गुप्ता,आरआईडीएन भारत पांड्या, पीडीजी (3030) किशोर केडिया, आरआईडीएन कमल संघवी, पीडीजी (3012) रमेश अग्रवाल, पीडीजी (3040) नरेंद्र कुमार जैन और सोनल संघवी।

(बाएं से) पीआरआईडी गण शेखर मेहता और वाई पी दास, पीआरआईपी गण राजेंद्र के साबू और के आर रविंद्रन, आरआईडी सी भास्कर और पीआरआईडी पी टी प्रभाकर।

समारोह

(बाएं से) पीआरआईडी गण वाई पी दास, अशोक महाजन और मनोज देसाई।

जयश्री

(बाएं से) पीआरआईपी कल्याण बेनर्जी, पीडीजी विजय जालान, डीजीई पिंकी पटेल, बिनोटा बेनर्जी, शर्मिष्ठा देसाई और टीआरएफ ट्रस्टी सुशील गुप्ता।

आरआईडीएन भारत पांड्या और माधवी पांड्या।

आरआईडीएन कमल संघवी और सोनल संघवी।

आरआईडी सी भास्कर और आरआईडीएन भारत पांड्या के साथ (बाएं से) डीजीई गुस्ताद अंकलेसरीअ, पीडीजी नितिन दाफ्रिया, डीजीएन धीरन दत्ता और पीआरआईडी पी टी प्रभाकर।

चित्र: रशीदा भगत

एस कृष्णप्रतीश द्वारा रूपरेखा

रो ई दक्षिण एशिया कार्यालय से संदेश

रोटरी इंटरनेशनल दक्षिण एशिया कार्यालय, पुल्मैन/नोवोटेल कमर्शियल टॉवर, प्रथम तल, एसेट न. 2, आतिथ्य मंडल, एरोसिटी (आईजीआई हवाई अड्डे के निकट), नई दिल्ली 110037

रोटरी साइटेशन 2017-18

रो ई अध्यक्ष इयान रिसले को उम्मीद है कि रोटरी साइटेशन (सम्मान-पत्र) को हासिल करना एक ऐसा सम्मान है जिसे प्राप्त करने हेतु सभी क्लब प्रयास करते है। सम्मान पत्र अर्जित करने के लिए, सभी गतिविधियों को पूरा कर अपनी उपलब्धियों की रिपोर्ट को 30 जून तक रोटरी में जमा करें।

2017-18 रोटरी साइटेशन अचीवमेंट गाइड समझाती है कि कैसे और कहाँ प्रत्येक साइटेशन लक्ष्य की रिपोर्ट देनी है।

जिन सदस्यों के माय रोटरी पर अकाउंट है वे अपने क्लब के साइटेशन डैशबोर्ड को My Rotary पर साइन इन करके देख सकते है। फिर, Club District Administration में Manage के अंदर, Reports पर जाएं, Awards सेक्शन में, आपको Rotary Citation दिखेगा। अपने पसंद के क्लब की रिपोर्ट देखिये।

रोटारेक्ट और इंटारेक्ट क्लबों के लिए रोटरी साइटेशन में वो लक्ष्य शामिल होते है जो क्लबों के सदस्यों को सक्रिय रखने एवं नए सदस्यों को आकर्षित करने में मदद करते है। रो ई की वेबसाइट पर डाउनलोड करने के लिए उपलब्ध Rotarct Citation Achievement Guide और Interact Citation Achievement Guide समझाती है कि इन उपलब्धियों की रिपोर्ट कहाँ दी जा सकती है और कैसे प्रगति पर नज़र रखनी है। रोटारेक्ट क्लबों के अध्यक्ष My Rotary पर उनके डैशबोर्ड देख सकते है और अपडेट कर सकते है। इस वर्ष मंडल गवर्नरों को अगस्त और सितम्बर में ईमेल द्वारा प्रमाण पत्र मिलेंगे ताकि वे उसे उन रोटरी, रोटारेक्ट और इंटारेक्ट क्लबों में वितरित कर सकें जिन्होंने सम्मान-पत्र अर्जित किये है।

rotarysupportcenter@rotary.org पर साइटेशन से संबंधित प्रश्नों को पूछा जा सकता है।

टीआरएफ दान/योगदान के लिए भुगतान निर्देश

- कृपया इस बात को सुनिश्चित करें कि 30 जून, 2018 को समाप्त होने वाले रोटरी संस्थान वित्तीय वर्ष (2017-18) के लिए किये जाने वाले सभी योगदानों के ऑनलाइन भुगतान की शुरुआत एवं प्राधिकरण 30 जून 2018 के पूर्व ही हो जाएं।
- भारतीय दानकर्ता ऑनलाइन योगदानों को या तो रोटरी फाउंडेशन (भारत) RF(I) की वेबसाइट www.rotaryfoundationindia.org या रोटरी अंतर्राष्ट्रीय की वेबसाइट www.rotary.org के माध्यम से दे सकते है और आयकर अधिनियम के सेक्शन 80G के अंतर्गत लाभ ले सकते है।

योगदानों के पुनर्वर्गीकरण (संशोधन) के लिए रोटरी संस्थान के दिशा-निर्देश

पूर्व के रोटरी वर्षों में किये गए दानों के प्रयोजनों को बदलने या किसी अन्य में उसके इस्तेमाल को रोकने जैसे अक्षय निधि में वार्षिक दान इत्यादि के लिए पुनर्वर्गीकरण (संशोधन) को संस्थान अब स्वीकार या संसाधित नहीं करता है। कृपया ध्यान दें कि संशोधन अब केवल दान प्राप्ति की दिनांक से 90 दिनों के भीतर किये जा सकते है और उन्हें **उसी रोटरी वित्तीय वर्ष में किया जाना होगा।** इन दिशा-निर्देशों का अनुपालन वार्षिक अंकेक्षित वित्तीय रिपोर्ट के साथ-साथ मंडल नामित दानों की शुद्धता को बरकरार रखेगा।

जुलाई 2018 इनवॉइस के लिए सदस्य रिपोर्टिंग

क्लब सचिवों को सदस्यता आंकड़ों, जिनमें नए सदस्यों का जुड़ाव और निलंबित सदस्यों की बर्खास्तगी के आंकड़े शामिल है, का अपडेट जैसे ही वह उन्हें प्राप्त होते है या 30 जून, 2018 तक करना होगा। इन बदलावों को अब पूर्व क्रियाकलापों के अनुसार नहीं किया जा सकेगा।

- क्लब सदस्यों के आंकड़ों को सामयिक रखना आवश्यक है ताकि आपको सही इनवॉइस मिल सके।
- काग़ज रहित होना चाहते है - My Rotary के Club Administration Invoice प्राथमिकता के अंदर, क्लब को मिलने वाली इनवॉइस की कागजी प्रति लेने से मना करने के लिए बॉक्स को चेक कीजिये।
- अधिक जानकारी के लिए, My Rotary पर Membership Dues पेज पर जाइए।

वैश्विक अनुदान के लिए सामुदायिक आवश्यकता मूल्यांकन अनिवार्य है

1 जुलाई 2018 से, कोई भी क्लब या मंडल जो किसी मानवीय परियोजना या किसी व्यवसायिक प्रशिक्षण दल की सहायता करने के लिए एक वैश्विक अनुदान के लिए आवेदन करते है, उन्हें पहले सामुदायिक मूल्यांकन करना होगा और उसके परिणामों को उनके अनुदान आवेदन-पत्र में शामिल करना होगा।

अनुदानों के लिए स्टाफ समर्थन

स्टाफ एक प्रारंभिक आवेदन समीक्षा कर सकते है या संस्थान की जरूरतों के अनुसार परियोजनाओं की पुनर्रचना करने में प्रायोजकों की मदद कर सकते है। एक प्रारंभिक समीक्षा का अनुरोध करने के लिए, अपने अनुदान अफसर से संपर्क करें या grants@rotary.org पर लिखिए।

आ रही समय सीमाओं पर ध्यान दें:

छात्रवृत्ति आवेदन नियत तिथि: अगस्त, सितम्बर, या अक्टूबर में पढ़ाई शुरू करने वाले विद्यार्थियों के वैश्विक अनुदान आवेदनों को 30 जून 2018 तक जमा किये जाने की आवश्यकता है। ■

आरआईपीई बेरी रेसिन के साथ रोटारेक्टरों की मुलाक़ात

जयश्री

यह सिर्फ एक घंटे की लंबी बैठक थी, लेकिन डीआरआर के लिए ''यह प्रोत्साहन प्राप्त करने का 60 मिनट का अवसर था। वह अत्यंत शानदार है, इसलिए जीवंतता से भरे हुए है,'' एक डीआरआर ने कहा। जबकि दूसरे ने टिप्पणी की, ''वह हमारे बीच के ही किसी एक के समान है।''

मुंबई में, भारत के मंडल रोटारेक्ट प्रतिनिधियों (डीआरआर) ने मंडल रोटारेक्ट जोन संस्थान के दौरान आरआई के निर्वाचित अध्यक्ष बेरी रेसिन के साथ एक विशेष बैठक की। बैठक का समन्वय भूतपूर्व डीआरआर और रोटरी क्लब बॉम्बे डाउनटाउन सीलैंड, मंडल 3141 के सदस्य रजत मेनन द्वारा किया गया था।

रेसिन ने कहा, ''एक ऐसे रोटरी की बैठक में भाग लेने में मुझे खुशी है, जहाँ मैं अपने कार्य से अलग थोड़ा समय व्यतीत कर सकता हूँ,'' इसके दौरान उन्होंने डीआरआर को अपना संक्षिप्त परिचय दिया। जबकि पोलियो सर्वोच्च प्राथमिकता बनी हुई है, उनकी अगली प्राथमिकता रोटारेक्ट की संख्या को दोगुना करना है। और इंटरेक्ट से यूनिवर्सिटी-आधारित रोटारेक्ट से सामुदायिक-आधारित रोटारेक्ट तक और अंततः रोटरी में परेशानी-रहित परिवर्तन सुनिश्चित करने के लिए संपूर्ण विश्व में सामुदायिक-आधारित रोटारेक्ट क्लबों में सुधार करना है। उन्होंने कहा कि रोटारेक्टर में से पाँच प्रतिशत से भी कम रोटरी में परिवर्तित होते हैं।

''रोटारेक्ट वास्तव में रोटरी का गुप्त हथियार है जिसे हमने इतने लंबे समय तक अनदेखा किया है। आप कार्यकर्त्ता नहीं हैं; बल्कि आप नेता हैं, आप हमारे संगठन का भविष्य हैं,'' उन्होंने कहा, और रोटरी में रोटारेक्टर से अपेक्षा की गई सभी बातों को सूचीबद्ध किया: ''मैं जानता हूँ कि मूल रूप से आप अनेक बैठकों में नहीं जाना चाहते हैं, आप चाहते हैं जब आप किसी बैठक में जाते हैं तो कुशल बनें; आप सेवा करना चाहते हैं, आप नहीं चाहते हैं कि यह महंगा हो, और आप अपने नेतृत्व कौशल को बढ़ाना चाहते हैं।'' उन्होंने रोटारेक्टर को आकर्षित करने के लिए इन बिंदुओं पर विचार करने के लिए रोटरी क्लबों का आह्वान किया। ''उनके साथ समानता का व्यवहार करें। उन्होंने आगे कहा कि आपको उन्हें अपने सामुदायिक सेवा कार्यक्रमों में भागीदारों के रूप में शामिल करना चाहिए।''

रोटारेक्टर को संबोधित करते हुए, उन्होंने कहा, ''आपको एक ऐसे क्लब की तलाश करनी चाहिए जो आपकी आवश्यकताओं को पूरा कर सके। अगर आपको वह व्यक्ति नहीं मिल रहा है जो आपको आकर्षित कर रहा है, तो अपना स्वयं का रोटरी क्लब शु रू करें। ऐसा करें कि आप इसे अपने दोस्तों के साथ करना चाहते हैं ताकि आप रोटरी के लिए अपने

RIPE बेरी रेसिन, RID सी भास्कर, मंडल 3141 के डीजी प्रफुल शर्मा, रो ई रोटारेक्ट-इंटरेक्ट कमेटी के सदस्य कार्तिक किट्टू, रोटेरियन रंजन मेनन और प्रीती शाह के साथ DRR।

आरआईपीई रेसिन, DRRE गण हंसिका (बाएं) और निशिता द्वारा सम्मानित किये जा रहे हैं। चित्र में RID भास्कर और डीजी प्रफुल शर्मा भी शामिल हैं।

आयोजित किए जाने वाले होटलों में स्थान सीमित है, ''लेकिन हम कुछ ऐसा कर रहे हैं जिसे कुछ वर्षों में अंतिम रूप देने की उम्मीद है।''

रोटारेक्टर के बारे में उन्हें क्या पसंद आया और वे उनसे क्या अपेक्षा करते है, इस सवाल का तुरंत जवाब देते हुए रस्सिन ने कहा: ''ठीक है, मैं आपके युवाओं से प्यार करता हूँ। आपकी ऊर्जा और आशावादिता शानदार हैं। मैं इसे रोटरी में फैलाना चाहता हूँ। मैं आपसे चाहता हूँ कि आप नेतृत्व करें और एक रोटरी क्लब में जाएं और कहें, महम चाहते हैं कि आप हमारे साथ शामिल हों और हम आपके साथ शामिल होना चाहते हैं।फ सक्रिय बने; रोटरी के आपके पास आने की प्रतीक्षा न करें।''

जुनून को न खोएं। आज हमारे नियम बहुत लचीले हो चुके हैं; तो यह उसी तरीके से हो सकता है जिस तरह से आप चाहते हैं।''

उन्होंने घोषणा की कि टोस्टमास्टर्स इंटरनेशनल के सहयोग से रोटारेक्टर के लिए एक नया कार्यक्रम तैयार किया जा रहा है और उसके विषय-वस्तु में सार्वजनिक संभाषण और नेतृत्व कौशल विकास को अधिकाधिक शामिल किया जाएगा और उसे जुलाई में लॉन्च किया जाएगा। उन्होंने उद्घाटि किया कि वे इस बात से कितने संतुष्ट थे जब उन्होंने सामुदायिक सेवा पर अपना पहला संभाषण दिया। ''मैं भाषण-मंच के पीछे खडा था, इसके किनारों को मजबूती से पकड़े हुए अपना भाषण पढ़ हा था, पेज नीचे से कट गया और मैं पेज पलटने के लिए भाषण-मंच का इंतजार कर रहा था। रोटरी ने मुझे दर्शकों के सामने खड़े होने और बेझिझक बोलने में मदद की है। मैं चाहता हूँ कि प्रत्येक रोटारेक्टर को उस अवसर के लिए...एक व्यक्ति के रूप में विकसित किया जाना चाहिए।''

उन्होंने कहा कि दीर्घकालिक लक्ष्य यह होगा कि रोटारेक्टर भी रोटेरियन के समान अधिकारों और विशेषाधिकारों का आनंद उठा सके। वर्तमान में, रोटारेक्ट क्लब अध्यक्षों की सहायता से इवान्स्टन में रोटारेक्टर डेटा अपडेट किया जा रहा है। ''आरआई से मैं समझता हूँ कि हमारे पास 10,000 से ज्यादा क्लब हैं लेकिन 40 प्रतिशत से भी कम लोगों ने अपने अस्तित्व की पुष्टि की है। हमें सटीक आकड़ों की जानकारी होनी चाहिए ताकि हम जान सकें कि आप क्या कर रहे हैं और हम आपकी मदद कैसे कर सकते हैं।''

एक जोरदार तालियों ने उनका स्वागत किया जब उन्होंने घोषणा कि आने वाले समय में वह सुनिश्चित करना चाहेंगे कि रोटारेक्टर भी रोटरी क्लबों के समान वैश्विक अनुदान तक पहुँच प्राप्त कर सके।

प्रश्नोत्तरी सत्र

रोटरी क्लबों पर मंडल 3190 के नव-नियुक्त डीआरआरई, किरण राज के एक सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि रोटारेक्ट क्लबों की स्थापना करने के बाद रोटरी क्लब उनका मार्गदर्शन नहीं कर रहे हैं, रेसिन ने कहा कि रोटरी क्लब सिर्फ एक क्लब की स्थापना कर अपने दायित्वों की इतिश्री नहीं समझ सकते हैं। रोटेरियन को रोटारेक्टर को अपनी साप्ताहिक बैठकों में आमंत्रित करना होगा और उन्हें रोटारेक्ट की बैठकों में भी भाग लेना चाहिए। उनकी मदद करने और उन्हें सिखाने के लिए आगे आना चाहिए। ''जब मेरे क्लब द्वारा प्रायोजित रोटारेक्ट क्लब से रोटारेक्टर हमारी बैठक में शामिल होने के लिए आते हैं, तो वे मेहमानों के रूप में साइन इन नहीं करते हैं, बल्कि वे सदस्यों के रूप में साइन इन करते हैं।''

पीईटीएस की तर्ज पर रोटरी और रोटारेक्ट क्लब के अध्यक्षों के मध्य समन्वय बैठक के लिए एक और डीआरआरई के सुझाव पर, रेसिन ने स्पष्ट किया कि आवासीय व्यवस्था एक चुनौती है क्योंकि पीईटीएस

रोटरी-रोटारेक्ट के मध्य जुड़ाव

डीआरआर को संबोधित करते हुए, आरआई निदेशक सी भास्कर ने कहा, ''रोटरी और रोटारेक्ट के बीच एक जुड़ाव होना चाहिए ताकि दोनों साझेदार एक साथ मिलकर काम कर सकें। यही कारण है कि हमने डीआरआर और डीआरसीसी के साथ समन्वय कार्यक्रम का आयोजन किया था और यह अच्छी तरह से कार्यों को पूरा करने में मदद कर रहा है।'' उन्होंने नवागंतुक डीआरआर से भी रोटारेक्ट डेटाबेस को अद्यतन बनाएं रखने की अपील की। ''बेहतर रोटारेक्ट के संपर्क विवरण हमारे लिए बेहतर जुड़ाव के लिए महत्वपूर्ण हैं। एक साथ हम बहुत कुछ कर सकते हैं,'' उन्होंने कहा।

नव-आरंभ किए गए रोटारेक्ट न्यूज़ का जिक्र करते हुए, आरआई निदेशक ने डीआरआर से अपनी परियोजनाओं का एक्शन फोटो और रिपोर्ट भेजने रोटरी न्यूज को का आग्रह किया। ''यह आपकी पत्रिका विशेष रूप से आपके लिए तैयार की गई है। अपनी अद्भुत परियोजनाओं को पूरी दुनिया में दिखाएं।'' उन्होंने आगे कहा, ''आप एक शक्ति हैं। ऐसा मत सोचो कि तुम युवा हो। आप बदलाव का सूत्रपात कर सकते हो।''

उन्होंने घोषणा की कि उन्होंने वर्ष 2018-19 में रोटारेक्टर के लिए संपर्क निदेशक होने की पेशकश की है, जिसे आरआईपीई रेसिन ने अपने भाषण में स्वीकार किया था। एक अफ्रीकी नीति का हवाला देते हुए, रेसिन ने कहा: 'जब मकड़ियों का जाल एकजुट हो जाता हैं, तो यह शेर को भी बांध सकता है।'

चित्र: जयश्री

आइए हम नंबरों के पीछे ना भागें: रो ई निदेशक

जयश्री

सदस्यता की चोरी - इस विशेष शब्द के माध्यम से अध्यक्ष रिसेली हमारी सदस्यता वृद्धि की ओर संकेत करते है, और प्रत्येक आरआई बोर्ड की बैठक में 'भारत की चिंता' उप-शीर्षक के अंतर्गत एक एजेंडा शामिल रहता है। ''यह उचित समय है जब हम स्वयं को सुधारें और सच्चे रोटेरियन बनें।''

इन शक्तिशाली शब्दों के साथ, रो ई निदेशक सी भास्कर ने हाल ही में चेन्नई में 4, 5 और 6ए के सहायक क्षेत्रीय समन्वयकों के लिए आयोजित प्रशिक्षण संगोष्ठी के लिए माहौल का निर्माण किया। सदस्यता वृद्धि पर अपनी चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा, मफ्प्रति वर्ष हम 10,000 नए सदस्य बनाते हैं और वर्ष के समाप्त होने तक 9,000 सदस्य हमें छोड.कर चले जाते हैं। आइए हम संख्याओं के पीछे नहीं भागें। हमें वास्तविक रोटेरियन की जरूरत है जो मानवता का ख्याल रखते हैं।फ्फ

चिंता का एक और बडा मुद्दा विभिन्न मामलों में निधि के दुरुपयोग से संबंधित था। ''हमें वैश्विक अनुदान के माध्यम से सबसे बडी राशि प्राप्त होती है; फिर भी हमारे क्षेत्र में प्रबंधन एक बडी चुनौती है। एक देश के रूप में हमें इस तरह की बेईमानी पर शर्मिंदा होना चाहिए।''

आरसी गण राजेंद्र राय और अशोक गुप्ता, आरआरएफसी गण अविनाश पोटदार और विजय जालान, आरपीआईसी गण आशीष देसाई और राजदुराई माइकल ने सहायक समन्वयकों की अपनी टीमों का परिचय करवाया। उनके साथ, नेताओं ने दो दिवसीय विचारोत्तेजक कार्यशाला में भाग लिया, जहाँ उन्होंने रोटरी के तीन क्षेत्रों - सदस्यता,

क्षेत्रीय नेताओं के साथ RIDN भरत पांड्या, EMGA सेम पटिबंदला, TFF ट्रस्टी इलेक्ट गुलाम बड़नवती, पीडीजी शशी वरवंदकर और EMGA अशोक पंजवानी।

फाउंडेशन में दान देने और सार्वजनिक छवि के बारे में मंडल और क्लब के नेताओं को प्रशिक्षण के दौरान अपनी चिंताओं और चुनौतियों से परिचित करवाया।

आरआईडीएन भारत पांड्य ने कहा, ''यहाँ जो सबक आप सीखते हैं, उन्हें मंडल और क्लब स्तर पर प्रतिबिंबित होना चाहिए।'' उन्होंने सुझाव दिया कि सभी मंडलों और क्लबों में प्रत्येक क्षेत्र के लिए समितियां बनाई जाएं। उन्होंने कहा, ''संबंधित मंडल और क्लब के अधिकारियों के संपर्क में रहें,'' और क्षेत्रीय नेताओं से आग्रह करते हुए उन्होंने आगे कहा कि ''प्रस्तुतिकरण देने के लिए आमंत्रण की प्रतीक्षा न करें। बल्कि, क्लब के सदस्यों को शिक्षित करने के लिए स्वैच्छिक रूप से कार्य करें।''

जब एक प्रतिनिधि ने एक उदाहरण की ओर इशारा किया जहाँ एक गवर्नर ने असाइनमेंट के बदले टीआरएफ में 10,000 डॉलर योगदान देने की मांग की थी, इस पर नवनिर्वाचित टीआरएफ ट्रस्टी इलेक्ट गुलम वहनवती ने कहा, ''टीआरएफ के लिए धन इकट्ठा करना एक अच्छा विचार है, लेकिन इस तरह से पैसे की मांग निश्चित रूप से स्वीकार्य नहीं है। नियुक्तियाँ बिक्री करने की वस्तु नहीं हैं। वे पूरी तरह से योग्यता पर आधारित हैं।'' सदस्यता के मुद्दे पर, उन्होंने कहा कि नए सदस्यों को शामिल करने के अंधाधुंध प्रयास के कारण अनेक सदस्य पहले दो वर्षों में छोड़.कर चले गए। ''हमें पहले समझना होगा कि क्या हम सदस्यों को शामिल करते समय सही कदम उठा रहे हैं। हम उन लोगों को शामिल करने जा रहे हैं जिन्हें रोटरी के बारे में कोई जानकारी नहीं है लेकिन दोस्तों के आग्रह पर वे सदस्य बनने के लिए तैयार हो गए हैं। इसलिए हमें इस विषय को व्यापक रूप से सुलझाने की जरूरत है।''

लेकिन सदस्यता के विपरीत, फाउंडेशन में दान देने का कोई नकारात्मक पक्ष नहीं है। ''जितना अधिक हम मांग करते हैं, उतना अधिक हमें प्राप्त होता है। हम फाउंडेशन के कार्यों को ही बेचकर फाउंडेशन के लिए हम धन एकत्र कर रहे हैं, और लोग योगदान करते हैं, क्योंकि वे फाउंडेशन और इसके कार्यों में विश्वास करते हैं,'' उन्होंने आगे कहा।

बाद में, ब्रेक-आउट सत्रों को संबोधित करते हुए, निदेशक भास्कर ने प्रतिनिधियों को आश्वासन दिया कि उन्हें उनकी नेतृत्व क्षमताओं और प्रदर्शनों के आधार पर चुना गया है। ''अब हम देश को व्यवस्थित करने के लिए... सदस्यता, सार्वजनिक छवि और फाउंडेशन में दान देने के मामले में आप पर निर्भर हैं।''

उन्होंने आगे कहा कि मंडल की भूमिका पर स्पष्ट रूप से ध्यान देने और इसे परिभाषित करने की आवश्यकता थी और कई गवर्नरों को यह अधिकार प्राप्त नहीं हुआ। अक्सर, आरआई की प्राथमिकताओं के साथ मिलकर काम करने की बजाय जो कि - विश्व पोलियो मुक्त करने और क्लब की सदस्यता बढ़ाने पर केंद्रित है, ''वे अपनी प्राथमिकताओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए प्रतीत होते हैं। मंडलों का निर्माण पूर्ण रूप से रोटरी के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने में क्लबों की सहायता के लिए किया गया है। लेकिन आज, क्लबों का समर्थन करने के बजाय, मंडल विपरीत तरीके से कार्य कर रहे है। क्लब की

मुख बिंदु

आरआईडी भास्कर, नव-नियुक्त टीआरएफ ट्रस्टी गुलम वहनवती और आरआईडीएन भारत पंड्या ने क्षेत्रीय नेताओं के लिए निम्नलिखित बिंदुओं पर प्रकाश डाला:

- मंडल नेताओं को क्षेत्रीय भाषा में बैठकों का संचालन करना चाहिए।
- आरसी गण और एआरसी गण को अपने संविधान और उपनियमों को तैयार करने के लिए क्लबों को मार्गदर्शन करना चाहिए और गवर्नर्स को क्लबों के इसका पालन करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए;
- रोटरी क्लब सेंट्रल में डेटा को अपडेट किया जाना चाहिए।
- स्थानीय सामुदायिक जरूरतों के आधार पर क्लबों को सेवा परियोजनाओं को निष्पादित करने के लिए प्रोत्साहित करें और अंतरराष्ट्रीय भागीदारों को प्राप्त करने के लिए रोटरी शोकेस सुविधाओं का इस्तेमाल कर वैश्विक अनुदान का लाभ प्राप्त करने के लिए उन्हें शिक्षित करें।
- आरपीआईसी और एआरपीआईसी को पूरे देश में रोटरी को बढ़ावा देने के लिए मीडिया योजना विकसित करनी चाहिए।
- आरआरएफसी को सभी रोटेरियन को फाउंडेशन को प्रति वर्ष न्यूनतम 26.50 डॉलर योगदान करने के लिए प्रोत्साहित कना चाहिए।

गतिविधियों की तुलना में मंडलों की गतिविधियों अधिक है,'' उन्होंने टिप्पणी करते हुए कहा।

प्रबंधन

तीनों वरिष्ठ नेताओं ने अनुदान और अन्य धन के उपयोग में की जा रही बेईमानी के बारे में अपने विचारों को व्यक्त करने में कोई कोताही नहीं की और कहा कि प्रबंधन का मुद्दा महत्वपूर्ण और अत्यंत-आवश्यक दोनों था।

वहनवती ने कहा कि पिछले साल भारत ने सभी रिकॉर्ड को ध्वस्त कर दिया। नवागंतुक ट्रस्टी चेयर रॉन बर्टन ने अगले वर्ष के लिए 380 मिलियन डॉलर का एक व्यापक लक्ष्य निर्धारित किया था। ''रोटरी फाउंडेशन हम पर भरोसा करती है और हमने हमेशा सबसे अधिक स्वेच्छा से जवाब दिया है। वर्ष 2015-16 में हम जापान से एक विशाल अंतर से दूसरे स्थान पर थे; जबकि पिछले साल हम बहुत ही कम अंतर से जापान से दूसरे स्थान पर थे। हम इस अंतर को कम करने का प्रयास जारी रखेंगे। जब हमें फाउंडेशन को देने में इतना अधिक गर्व होता है, तो हमें कुछ लोगों के हमें बदनाम करने की इजाज़त नहीं देनी चाहिए?''

बाएं से : TRF ट्रस्टी इलेक्ट गुलाम वहनवती, रो ई निदेशक सी भास्कर और RIDN भरत पांड्या।

बाएं से : पीडीजी गण रवि मेहरा (3110), नटराजन नागुजी (3232), हितेश जारीवाला (3060), RIDN भरत पांड्या, पीडीजी गण प्रमोद परीख (3132) और जया शाह (3292)

यह बहुत ही शर्मनाक बात थी कि भारत में रोटेरियन की सदस्यता 150,000 होने के बावजूद, केवल 0.003 प्रतिशत (50 रोटेरियन) सदस्यों के कारण ''हमें अपने सिर को शर्म से झुकाना पड़ रहा हैं। हम इतनी कम संख्या में निकृष्ट व्यवहार करने वाले सदस्यों को हम सभी को बदनाम करने की अनुमति कैसे दे सकते हैं? आइए बेईमानी के लिए शून्य सहनशीलता की नीति अपनाएं, इस कारण से कि न केवल ट्रस्टी ऐसा करना चाहते हैं, बल्कि हम में से प्रत्येक इसमें विश्वास करते हैं।''

10 से कम सदस्यों वाले क्लबों की ओर इशारा करते हुए पंड्या ने कहा कि भारत में ऐसे 196 ऐसे क्लब हैं और उनका अस्तित्व केवल चुनाव के लिए हैं। उन्होंने रोटरी समन्वयकों से उनकी पहचान करने और उन्हें बंद करने का आग्रह किया। ''हम लगभग 2,000 सदस्यों को गंवा देंगे, लेकिन यह रोटरी के लिए नुकसान का विषय नहीं है। मैं चाहता हूँ कि आप सभी 25 से कम सदस्यों वाले क्लबों पर भी ध्यान केंद्रित करें। उनकी रुचियों की पहचान करें और उन्हें रोटरी के कार्यक्रमों में शामिल करें ताकि वे अपने दोस्तों को शामिल कर सकें।''

रोटेरियन को बेहतर तरीके से जोड़ने के लिए कार्यक्रम तैयार करने के लिए सार्वजनिक छवि समन्वयकों से परामर्श करते हुए, उन्होंने कहा कि सार्वजनिक छवि न केवल बाहरी लोगों के बीच रोटरी को बढ़ावा दे रही है। बल्कि इसमें रोटरी को रोटेरियन तक ले जाना भी शामिल है। उन्होंने कहा, ''सत्तर प्रतिशत रोटेरियन अभी भी रोटरी के कार्यों और वे कितने बेहतर संगठन का हिस्सा, इस तथ्य से अनभिज्ञ हैं।''

ब्रेकआउट्स

यदपि रोटरी समन्वयकों ने ''गुणवत्तापूर्ण'' सदस्यता को बढ़ाने और मौजूदा सदस्यों को बनाए रखने के तरीकों की कटु आलोचना की, तथापि सार्वजनिक छवि के लिए जिम्मेदार टीम और फाउंडेशन टीम ने मंथन करते हुए अनुदान के प्रबंधन और ईएमजीए अशोक पंजावानी और सैम पतिबंदला के अतिरिक्त संसाधनों के साथ निधि एकत्र करने के लिए अधिक ध्यान देने पर काम किया।

पीडीजी के एक सुझाव कि गवर्नरों को एआरएफसी और डीआरएफसी की सेवाएं प्राप्त करने के लिए संवेदनशील होना चाहिए, वहनवती ने एक बिंदु की ओर इशारा करते हुए कहा: ''आप सभी सफल गवर्नर रहे हैं। आपने अपने क्षेत्रीय समन्वयकों से कैसे पेश आएं? यदि आपने उन्हें अनदेखा कर दिया, तो अभी भी कुछ नहीं बदला है।'' उन्होंने सुझाव दिया कि समन्वयक समिति के संपर्क सूचना को प्रत्येक मंडल निर्देशिका में शामिल किया जाए ताकि क्लब के अध्यक्ष मार्गदर्शन और समर्थन के लिए आसानी से उनसे संपर्क कर सकें।

राय द्वारा नियंत्रित रोटरी समन्वयकों का सत्र जोशपूर्ण था जिसमें दोहरी सदस्यता, सैटेलाइट क्लब और महिला सदस्यों पर चर्चा की गई। अधिक महिला सदस्यों को आकर्षित करने के लिए एक प्रमुख सुझाव में कम बैठकों का आयोजन करना और अधिक मजेदार कार्यक्रमों और सेवाओं को शामिल करना थी। एआरसी गुरजीत सेखन ने कहा, ''बैठकों के दौरान महिलाओं को शराब पेश करने से उनका ध्यान मुख्य मुद्दे से भंग हो जाता है।'' एआरसी बिंदू सिंह ने टैग ''रोटरी स्पाउज'' एक बडी बाधा बताया, क्योंकि अधिकांश रोटेरियन ''हमें केवल वैसा ही मानते हैं, एक रोटेरियन नहीं।''

चित्र: जयश्री

मशीन और रोबोट वंचित छात्रों को प्रशिक्षित करेंगे

रशीदा भगत

रामकृष्ण मिशन की देख रेख में और उनके द्वारा शिक्षित किये गए अनाथ लड़कों के व्यावसायिक प्रशिक्षण में सुधार की संभावना से उत्साहित और उनके प्रारंभिक वेतन में वृद्धि होने के बाद, रोटरी क्लब मद्रास ईस्ट ने एक और अनुदान निष्पादित किया है, और इस बार है उनकी सबसे बड़ी 110,000 डॉलर की एकल वैश्विक अनुदान परियोजना।

इस कंप्यूटर इंटीग्रेटेड मेन्युफेक्चरिंग (सीआईएम) परियोजना में 'मशीनों और रोबोट्स' के उपहार शामिल है, जिस की सहायता से चेन्नई में मिशन द्वारा संचालित पॉलिटेक्निक में प्रशिक्षुओं को भविष्य के अत्याधुनिक निर्माण तकनीकी कौशल के साथ प्रशिक्षित किया जाएगा।

परियोजना के बारे में, आरसीएमई अध्यक्ष बी एस पुरुषोत्तम ने बताया कि पिछले वर्षों में निष्पादित परियोजनाओं की निरन्तरता और मापनीयता में सुधार को एक - एक कदम आगे बढ़ने के लिए क्लब हर साल कड़ी मेहनत करता है। चाहे वो सार्वजनिक स्वास्थ्य केंद्र और चाइल्ड ट्रस्ट अस्पताल की सहायता के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य परियोजनाएं हों या आरके मिशन और वी-एक्सेल में व्यावसायिक सेवाएँ हों, प्रत्येक परियोजना ने वर्तमान के ज्वलन्त सामाजिक सरोकारों को संबोधित किया है।

भारत सबसे युवा देशों में से एक है जो दुनिया में प्रति वर्ष 1 करोड़ 60 लाख श्रम शक्ति जोड़ता है, इसके बावजूद आज भारतीय बाजार में कुशल श्रम की उपलब्धता में भारी कमी है। एनएसडीसी (राष्ट्रीय कौशल विकास निगम) के आंकड़ों के अनुसार, भारत में कुल श्रमिकों में से केवल 5 प्रतिशत ही किसी ना किसी प्रकार का कौशल जानते हैं। इसलिए लगभग ₹70 लाख के वैश्विक अनुदान के निष्पादन के लिए 'कौशल विकास क्षेत्र' का चयन किया गया था।

इस की तुलना इस तथ्य से करें कि आरकेएम में 70 अनाथ लड़कों के रहने की सुविधा है जो उनके पॉलीटेक्निक के नज़दीक है। इस पॉलिटेक्निक से, हर साल वंचित पृष्ठभूमि के लगभग 150 छात्र काम सीखते हैं। यहां आरकेएम के छात्रों को प्रशिक्षित किया जाता है और उन्हें उद्योग के विभिन्न खंडों में नौकरी मिल जाती है जहां वे ₹10000 से 20000 का मासिक वेतन पाते हैं।

वह कहते हैं, ''इसलिए, जब हमने भारतीय युवाओं में विशाल कौशल के इस अंतर को कम करने के लिए व्यावसायिक शिक्षा देने वाली संस्थाओं के साथ वैश्विक अनुदान करने का फैसला किया, तो आरके मिशन, वंचित पृष्ठभूमि से छात्रों को डिप्लोमा पाठ्यक्रम करवाने वाली संस्था जिनका लम्बा रिकॉर्ड है, एक स्वाभाविक सहयोगी था, जिनके साथ हमने पहले भी कई परियोजनाएं की हैं।''

पहले से ही यह संस्थान वंचित पृष्ठभूमि के छात्रों को तीन साल का पॉलीटेक्निक पाठ्यक्रम

सीआईएम परियोजना का उद्घाटन। चित्र में डीजी आर श्रीनिवासन और आरसीएमई के अध्यक्ष बी एस पुरुषोत्तमन शामिल हैं।

करवाता रहा है जो रोजगार-परक और उद्योग-प्रासंगिक कौशल और शिक्षा को ध्यान में रख कर बनाया गया है। यह मिशन 1932 से वंचित छात्रों को डिप्लोमा पाठ्यक्रम करवा रहा है, साथ ही छात्रों को प्रतिष्ठित कंपनियों में नौकरी दिलाने में कामयाब रहा है।

उद्घाटन बैठक में आरकेएम पॉलिटेक्निक के छात्र।

लाभान्वित होने वालों को शामिल करना

इसके अलावा, आरकेएम के साथ रोटरी क्लब मद्रास ईस्ट का दीर्घकालिक संबंध रहा है, 2015 में क्लब उन्हें प्रमुख प्रयोगशाला उपकरण दान कर चुका है, और रोटरी इंटरनेशनल द्वारा क्लबों को दी जा रही निरंतर सलाह का ध्यान रखते हुए कि ऐसी परियोजनाओं करें जो समुदाय या लाभान्वित होने वाले चाहते हों, क्लब ने नवीनतम अनुदान के लिए आरकेएम से विचार विमर्श किया।

क्लब के सचिव पापा राव कहते हैं, ''आरकेएम के प्रिंसिपल सुकुमार ने अत्याधुनिक सीआईएम लैब को स्थापित करने की आवश्यकता बताई, जो छात्रों के लिए न केवल उद्योग परक हो बल्कि निर्माण उद्योग के लिए भी प्रासंगिक हो।''

फिर आरकेएम ने अपने छात्रों को नवीनतम निर्माण तकनीकों में पारंगत करने के लिए आवश्यक उपकरणों की एक सूची क्लब के सदस्य रोटेरियन रघुरामन को दी, जो अब स्विट्ज़रलैंड में रहते हैं, उन्हें परियोजना को अंतिम रूप देने में दो सप्ताह का समय लगा।

इंडिया पिस्टन के वाईस प्रेसिडेंट महादेवन ने भी इस परियोजना को परखा था, वो आरकेएम के साथ पहले से ही जुड़े हुए हैं। उनकी टीम ने आरकेएम की वर्तमान सुविधाओं की समीक्षा की और रोटेरियंस और आरकेएम के साथ मिल कर आधुनिक सीआईएम प्रयोगशाला तैयार की। ''रोटेरियन रघुरामन द्वारा परियोजना को अंतिम रूप देते समय, उपकरणों की सटीक आवश्यकताओं और विनिर्देशों में उन की सलाह और मदद अमूल्य थी।'' कई विक्रेताओं से कोटेशन मिलने व भली भांति जांच करने के बाद पुणे से सप्लायर चुना गया, पुरुषोत्तम कहते हैं।

राव कहते हैं कि वैश्विक अनुदान राशि आने से पहले ही, ''पुणे निर्माता ने एडवांस का एक रुपया दिए बिना ही उपकरण पर काम करना शुरू कर दिया था, इसके लिए रोटरी की विश्वसनीयता और सार्वजनिक छवि को धन्यवाद। कुछ ही महीनों के भीतर प्रयोगशाला तैयार हो गई और इसका उद्घाटन किया गया। संपूर्ण परियोजना की परिकल्पना, शोध, नियोजन और निष्पादन में एक वर्ष से भी कम समय लगा।

क्लब अध्यक्ष ने यह भी कहा कि जब इस परियोजना की योजना बनाई जा रही थी, रो क्लब मद्रास ईस्ट ने अमेरिका में रोटरी क्लब इरविन के हरीश मूर्ति से संपर्क किया, जो उनके अंतरराष्ट्रीय सहयोगी बनने के लिए सहमत हो गए।

उन उपकरणों के अलावा, कंप्यूटर की एकीकृत शिक्षण की सुविधा के लिए 15 डेस्कटॉप कंप्यूटर और एक डीवीडी राइटर भी दान किया जा रहा है। क्लब से उम्मीद है कि आरकेएम की सीआईएम लैब अन्य व्यावसायिक प्रशिक्षण संस्थानों हेतु अपने स्वयं के कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों को बेहतर बनाने के लिए एक अत्याधुनिक लैब का उत्कृष्ट उदाहरण सिद्ध होगी। यह प्रयोगशाला अन्य पॉलिटेक्निक संस्थानों के आंतरिक और बाहरी संकाय के लिए 'ट्रेन द ट्रेनर प्रोग्राम' भी आयोजित करेगी, साथ ही मैकेनिकल और ऑटोमोबाइल छात्रों के कौशल वृद्धि प्रशिक्षण मॉड्यूल के लिए भी उपयोग की जाएगी।

क्लब सचिव ने कहा, ''सीआईएम प्रशिक्षण के साथ, हम उम्मीद करते हैं कि अधिक से अधिक प्रतिष्ठित कंपनियां सर्वश्रेष्ठ छात्रों के कैंपस प्लेसमेंट के लिए आगे आएंगी और वह वेतन में कम से कम 20 फीसदी की बढ़ोतरी की अपेक्षा रखते हैं।'' ■

रोटरी एक सर्वोत्कृष्ट परोपकारी व्यक्ति को सम्मानित करता है

जयश्री

ट्रस्टी चेयर के रूप में यहाँ उपस्थित होना मेरे वर्ष का सबसे महत्वपूर्ण यादगार पल होगा और व्यक्तिगत रूप से मैं इसके लिए आपका धन्यवाद देता हूँ। मुझे खेद है कि मैं पूर्व प्रतिबद्धताओं के कारण इसे नहीं कर सका,'' टीआरएफ ट्रस्टी चेयर पॉल नेटजेल द्वारा लिखे एक संदेश को पीआरआईपी केआर रविंद्रन ने रोटरी क्रिस्टल, जो आरआर का सबसे बड़ा सम्मान है, उससे टीआरएफ के सबसे बड़े दानदाता, और आदित्य बिड़ला फाउंडेशन फॉर कम्युनिटी इनिशिएटिव्स एंड रूरल डेवलपमेंट के अध्यक्ष राजश्री बिड़ला को सम्मानित करने के लिए मुंबई में आयोजित एक भव्य बैठक में लोगों के सामने पढ़कर सुनाया।

उन्हें पोलियो के खिलाफ रोटरी की लड़ाई के लिए दो दशक से अधिक समय से सहयोग देने के लिए सम्मानित किया जा रहा था। पीआरआईपी रविंद्रन ने वरिष्ठ नेताओं - पीआरआईपी राजेंद्र के साबू, पीआरआईपी कल्याण बेनर्जी और बिनोटा, पीआरआईडी अशोक महाजन, आरआईडी सी भास्कर, आरआईडीएन भारत पांड्या, टीआरएफ ट्रस्टी इलेक्ट गुलाम वहनवती और मंडलों 3141 और 3142 के अनेक एकेएस सदस्यों की उपस्थित में क्रिस्टल प्रस्तुत कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का मेजबानी डीजी प्रफुल शर्मा द्वारा की गई।

रविंद्रन, जो अब टीआरएफ ट्रस्टी के रूप में कार्य करते है, ने कहा, ''यदि पोलियो उन्मूलन एक वास्तविकता है, तो यह आपके जैसे लोगों की वजह से संभव हो सका है। हमने मीडिया में जो देखा है और जितना हम बात करते हैं, आपने उससे कहीं ज्यादा योगदान दिया है।''

आदित्य बिड़ला समूह टीआरएफ का दूसरा सबसे बड़ा कॉर्पोरेट दाता है इसने अभी तक ''कुल 10.24 मिलियन डॉलर का योगदान दिया है। वैश्विक परिप्रेक्ष्य से देखा जाएं, तो यह आश्चर्यजनक है। हम एक डॉलर की बराबरी नहीं कर सकते है (दक्षिण एशिया में) जैसा कि लोग अमेरिका या यूरोप में एक डॉलर देते हैं। पश्चिम के देशों में में आपका 10 मिलियन डॉलर एक अरब डॉलर के बराबर हैं,'' उन्होंने कहा।

संख्याओं के बारे में बताते हुए, रविंद्रन ने आगे कहा, समुदाय कल्याण के लिए बिड़ला परिवार की पीढ़ियों से उदारता महान रही है। आदित्य बिड़ला समूह परोपकार और दान पर प्रति वर्ष ₹250 करोड़ व्यय करता है, इनके द्वारा 56 स्कूल संचालित किया जाता है, हर साल 5,000 गांवों को सहयोग करते हुए ये 7.3 मिलियन लोगों तक पहुंचने में सफल होते है। ''बिड़ला समूह का दृष्टिकोण बहुत स्पष्ट है: उनके पास दुनिया भर में उत्पादन संयंत्र हैं। क्षेत्रों के

संसाधनों का दोहन करने के बजाय वे अपने निवेश के लाभों को उन समुदायों तक पहुँचाते हैं, जहाँ वे अपने व्यवसाय को संचालित करते हैं।''

उन्होंने विस्तार से बताते हुए कहा कि पोलियो उन्मूलन के लिए राजश्री का समर्थन पारंपरिक मूल्यों से आगे है। ''कुछ लोग कह सकते हैं, कि यह कौन-सी बड़ी बात हैं? उनके पास पैसा है। लेकिन मैं आपको कई लोगों के बारे में बता सकता हूँ जिनके पास पैसा तो बहुत है, लेकिन लोगों के कल्याण के लिए वे एक भी पैसा देने से कतराते है। इसलिए, पैसे से अधिक, दिल में देने का भाव महत्वपूर्ण है। उदारता बिड़ला परिवार के रक्त में परिसंचरित होती है।'' भारत कोपोलियो मुक्त बनाने और बनाएं रखने पर उनके उपहारों का यथार्थ और महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा है। उन्होंने भारत के इतिहास के पाठ्यक्रम को बदल दिया है और संपूर्ण देश को एक स्वस्थ और अधिक स्थिर भविष्य प्रदान करने में महती भूमिका अदा की है।

लेकिन, रविंद्रन चेतावनी देते हुए कहते है की कार्य अभी समाप्त नहीं हुआ है, क्योंकि वायरस अभी भी कुछ देशों में छिपा हुआ है। विश्व को पोलियो मुक्त बनाएं रखने के लिए, 60 देशों में 400 मिलियन बच्चों का टीकाकरण किया जाना चाहिए। ''हम आपका समर्थन निरंतर प्राप्त करते रहने के लिए आप पर निर्भर हैं। बिल और मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन से आपके योगदान का दोगुना प्राप्त करने में हमारी मदद करने के लिए हम आपके ऋणी हैं।''

पीआरआईपी साबू ने कोलकाता में बिड़ला के साथ अपने पिता के कार्य के दिनों और बिड़ला समूह की कंपनी हिंदुस्तान मोटर्स में अपना कार्यकाल को याद किया। ''मेरे लिए, बिड़ला मेरे परिवार के समान हैं। राजश्रीजी के पति आदित्य और मैं कोलकाता में बिड़ला पार्क में क्रिकेट खेला करते थे।''

PRIP के आर रविंद्रन, आदित्य बिड़ला फाउंडेशन फॉर कम्युनिटी इनिशीयेटिवेस एंड रूरल डेवलपमेंट की अध्यक्ष, राजश्री बिड़ला को रोटरी क्रिस्टल प्रस्तुत करते हुए, (बाएं से) डीजी प्रफुल शर्मा, RIDN भरत पांड्या, PRIP कल्याण बेनर्जी, PRIP राजेंद्र के साबू, RID सी भास्कर, PRID अशोक महाजन, TRF ट्रस्टी इलेक्ट गुलाम वाहनवती और RRFC विजय जलन भी चित्र में शामिल है।

राजश्री बिड़ला के साथ PRIP के आर रविंद्रन, PRID अशोक महाजन और उनकी पत्नी नयनतारा।

उन्हें याद करते हुए बताया की वर्ष 2008 में, जब उन्हें टीआरएफ में 250,000 डॉलर का योगदान के लिए AKS सोसाइटी में शामिल किया जाना था, उन्होंने सुझाव दिया कि वह इस अवसर को पोलियो के योगदान के साथ और अधिक यादगार बना सकती है। ''उन्होंने तुरंत 1 मिलियन डॉलर दान करने पर सहमत जताई और प्रवेशण समारोह में अपने भाषण में तत्काल अपनी इच्छा की घोषणा की।'' इतना ही नहीं, उन्होंने स्टील मैग्नेट लक्ष्मी मित्तल की पत्नी उषा मित्तल को भी इतनी ही राशि दान में देने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने आगे कहा, ''वर्ष 2008 के बाद से, ऐसा एक भी साल नहीं खाली गया है, जब राजश्रीजी ने दान नहीं किया हो।'' भारत को पोलियो मुक्त घोषित करने के बाद भी, उन्होंने अपनी उदारता जारी रखी और अटलांटा कन्वेंशन में एक और 1 मिलियन दान किया, ''तक हम पोलियो मुक्त दुनिया के लिए कार्य करना जारी रख सके।''

शाम के विषय - *दान ही जीवन है* - का जिक्र करते हुए , साबू ने कहा कि उषा और उन्होंने लगभग इन शब्दों को अपने अध्यक्षीय वर्ष का विषय बना लिया था, लेकिन ''शायद यह इसी दिन के अभिप्राय से था।''

पीआरआईपी बेनर्जी ने करते हुए कहा कि कैसे 2000 के दशक के शुरू में, जब पीआरआईडी महाजन और उन्होंने रोटरी को पोलियो की समस्या को समाप्त करने में मदद के लिए उनसे संपर्क किया जो कि उस समय महामारी के रूप में फैला हुआ था, तब राजश्री ने तुरंत बहुत ही अधिक राशि का योगदान दिया। ''और उन्होंने हममें विश्वास करते हुए दिया, और मुझे लगता है कि उनका हम सभी में यह विश्वास थोड़ा भी कम नहीं हुआ है। धन्यवाद, राजश्रीजी, भारत में पोलियो उन्मूलन के लिए आपका समर्थन किसी और की तुलना में अतुलनीय रहा है।''

टीआरएफ में कॉर्पोरेट और व्यक्तियों की विश्वसनीयता को रेखांकित करते हुए, उन्होंने याद करते हुए बताया कि वर्ष 2001 के भूकंप से तबाह होने के बाद, एक इतालवी रोटारियन ने तुरंत कच्छ, गुजरात में राहत कार्यों के लिए 1 मिलियन डॉलर का चेक दिया था। ''उन्होंने मुझसे कभी नहीं पूछा कि उनका पैसा कैसे खर्च किया गया और न ही उन्होंने भारत का दौरा किया। यह केवल रोटरी में ही हो सकता है क्योंकि फाउंडेशन और उसके परोपकारी कार्यों में लोगों का अटूट विश्वास है।''

''जबकि हम भारतीयों को रोटरी के जगत में एक प्राप्तकर्ता देश के रूप में जाना जाता है, यहां हमारे पास राजश्री बिड़ला है जो देने में दुनिया में दूसरे स्थान पर है,'' निदेशक भास्कर ने कहा। उन्होंने *तिरुक्कुरल* के एक दोहे को उद्धृत करते हुए कहा कि राजश्री तमिल समझते हैं। (उन्होंने मदुरै में अपनी स्कूली शिक्षा का कुछ भा पूरा किया है)

उन्होंने कहा कि रोटरी के साथ उनकी भागीदारी ने 16 मिलियन परिवारों के दुखों को दूर करने में मदद की है। ''वर्ष 1988 में जब हम पोलियो को समाप्त करने के लिए कमर कस कर तैयार हुए, तो 125 देशों में 350,000 पोलियो के मामले सामने थे। आज हमारे पास सिर्फ छह मामले हैं और राजश्रीजी जैसे बड़े दिल वाले लोगों के समर्थन से, हम जल्द ही शून्य अंक तक पहुंच जाएंगे।''

उन्होंने कहा कि मंडल 3231 के प्रत्येक रोटेरियन ने पोलियो फंड के लिए न्यूनतम 10 का

समारोह में RID सी भास्कर, PRIP कल्याण बेनर्जी, PRIP राजेंद्र साबू, राजश्री बिड़ला, PRIP के आर रविंद्रन, PRID अशोक महाजन, RIDN भरत पांड्या और TRF ट्रस्टी इलेक्ट गुलाम वाहनवती।

योगदान दिया है, आरआई ने परोपकारी कारणों के लिए दान मांगने पर कभी शर्मिंदा नहीं होने का आह्वान किया और स्वर्गीय अमेरिकी राष्ट्रपति और पोलियो पीडति फ्रैंकलिन रूजवेल्ट का हवाला दिया, जिन्होंने इंजेक्ट करने वाले पोलियो के टीके के खोजकर्ता जोनास साल्क के शोध कार्यक्र म में वित्तीय मदद करने के लिए डाइम्स मार्च का आयोजन किया था।

उन्होंने डीजी प्रफुल शर्मा और बी एन शिवराज को भारत में ''रोटरी के पोलियो उन्मूलन अभियान के सबसे बडे.साथी'' का सम्मान करने के लिए समारोह आयोजित करने के लिए सराहना की।

रोटरी फाउंडेशन इंडिया ने फाउंडेशन के कार्यक्रमों में सहयोग करने के लिए दृढ़संकल्प किआ था और ''हमेशा राजश्री के अतिरिक्त दान के बल पर हम लक्ष्यों को पार करने में सफल रहे है और दुनिया भर के शीर्ष दो दानदाताओं में जगह बनाने का का दावा किया है,'' पीआरआईडी महाजन ने कहा, और आगे उनके सहयोग के लिए धन्यवाद दिया, और कहा आज टीआरएफ भारत में निष्क्रिय नहीं है; बल्कि यह गतिशील और जीवन से परिपूर्ण है।

''कई लोगों को पूरी तरह से यकीन नहीं था कि स्वयंसेवकों का एक जत्था दुनिया को बदल सकता है। संदेहशील लोगों को, जिन्हें कोई जानकारी नहीं थी कि एक सेवा संगठन क्या कर सकता है, विश्वास हुआ कि महान चीजें संभव हो सकती है, जब उन्होंने आपको फाउंडेशन में उदारतापूर्वक दान देते हुए देखा,'' उन्होंने अपनी बात समाप्त करते हुए कहा।

एक इतालवी रोटारियन ने तुरंत कच्छ, गुजरात में राहत कार्यों के लिए 1 मिलियन डॉलर का चेक दिया था। उन्होंने मुझसे कभी नहीं पूछा कि उनका पैसा कैसे खर्च किया गया और न ही उन्होंने भारत का दौरा किया। यह केवल रोटरी में ही हो सकता है।

कल्याण बेनर्जी
पूर्व रो ई अध्यक्ष

अपने प्रतिउत्तर में, राजश्री ने कहा कि रोटेरियन के साथ उनका दीर्घकालिक सहयोग, उनकी निः स्वार्थ सेवा भाव के कारण संभव हो सका था। उन्होंने कहा कि परोपकार का दर्शन बिड़ला परिवार के डीएनए में गहराई से समाया हुआ है। रोटरी पोलियो को खत्म करने में दुनिया भर में किए जा रहे कार्यो पर बधाई देते हुए, उन्होंने कहा कि आदित्य बिड़ला समूह यह देख कर चिंता मुक्त है कि भारत का प्रत्येक बच्चा पोलियो से सुरक्षित है। ''हम शहरी क्षेत्रों और रेलवे स्टेशनों में सामूहिक रूप से काम करते हैं। हमने पूरे देश में स्थापित बूथों के माध्यम से 27 मिलियन पोलियो की बूंदों बच्चों को पिलाया है।''

पोलियो के अलावा, उसके संगठन ने मधुमेह से निपटने के लिए रोटरी के साथ करार किया है और अभी तक 100,000 लोगों की मदद की है। ''हम मुंबई में थैलासाइमिया रोगियों के उपचार के लिए भी रोटेरियन के साथ सहयोग कर रहे हैं।''

महात्मा गांधी के साथ अपने महान ससुर जी डी बिड़ला के सहयोग के बारे में बोलते हुए राजश्री ने बताया कि कैसे गांधीजी ने बिड़ला को उनके सलाहकारों में से एक माना और ''दादुजी, जैसा कि वह उन्हें प्यार से बुलाते थे, बदले में कहते हैं कि हम महात्मा के अनुयायी हैं। दोनों के बीच प्रेम का एक विशेष बंधन विकसित हुआ था..'' बिड़ला ने कहा, ''हम सभी को देखभाल करने और जरूरतमंदों को देने की विरासत प्राप्त हुई है। मेरे लिए, दान जीवन जीने का एक अच्छा मापक है। केवल दूसरों के लिए जीवन जीना ही वास्तव में जीवन जीने योग्य है।''

धन्यवाद देते हुए आरआईडीएन भरत पांड्या ने अलबर्ट साबिन की महानता को याद किया जब उन्होंने ऐतिहासिक जवाब के साथ ओरल पोलियो टीका के आविष्कार का पेटेंट कराने से इंकार कर दिया, ''क्या आप सूर्य का पेटेंट करा सकते हैं?'' उन्होंने साबू और महाजन को रोटरी और बिड़ला परिवार के बीच की कड़ी होने के लिए धन्यवाद दिया। ''जब हम राजश्रीजी के बेटे कुमारमंगलम बिड़ला से मिलने के लिए उनके घर गए तो गुलम और मैंने बिड़ला के गर्मजोशी भरे आतिथ्य का अनुभव किया। देने के लिए अपनी उदारता के समान, वे भी अपने आतिथ्य सत्कार में भी भव्य हैं। वे अमीर नहीं हैं क्योंकि उनके पास है बल्कि वे अमीर है... क्योंकि वे विश्वास करते हैं और दुनिया को बदलना चाहते हैं।''

चित्र : जयश्री

रोटरी ग्लोबल रिवार्डस्

विनय कुलकर्णी

रोटरी और रोटरेक्ट के सदस्य यात्रा, ऑनलाइन खरीददारी, भोजन, मनोरंजन और भी विभिन्न उत्पादों और सेवाओं में छूट का लाभ ले सकते है। amazon.com, फ्लिपकार्ट, मेर्रियोट, मेक माय ट्रिप, हट्र्ज़ और सैमसंग जैसे और भी बहुत से कारोबार इसका हिस्सा है। कई ऑफर रोटरी को कुछ प्रतिशत वापस दान करते है। रोटेरियन अपने स्वयं के कारोबार से या उनके समुदायों के अन्य कारोबारों से कुछ ऑफर शामिल करके इस कार्यक्रम के निर्माण में मदद कर सकते है।

रोटरी ग्लोबल रिवार्ड्स द्वारा ऑनलाइन खरीददारी करके रोटेरियन, रोटारेक्टर, और उनके परिवार या तो कैशबैक का उपयोग कर सकते है या फिर अपने कैशबैक को संस्थान में दान कर सकते है। कैशबैक अर्जित करने या दान करने का यह विकल्प रोटरी और *CashKaro.com* के मध्य एक नयी साझेदारी के माध्यम से प्रदान किया जा रहा है।

RGR कार्यक्रम के अंतर्गत जेट एयरवेज प्रमुख ब्रांड है। रोटेरियन और उनके परिवार के सदस्य जेट एयरवेज की सभी घरेलु और अंतर्राष्ट्रीय फ्लाइट्स पर 10 प्रतिशत की छूट का लाभ उठा सकते है।

- *Rotary Global Rewards* पर विजिट करें और जेट एयरवेज ऑफर पर क्लिक करें। ऑफर का लाभ प्राप्त करने के लिए आपको *My Rotary* पर जाकर लॉग इन करना होगा।
- जेट एयरवेज की वेबसाइट - *www.jetairways.com* - पर जाकर *"claim offer'* पर क्लिक करें और दिए गए बक्से में प्रोमो कोड 9WROTARY10 प्रविष्ट करें।
- बुकिंग प्रक्रिया शुरू करें। भारतीय शहरों से शुरू होने वाली यात्राओं - चाहे घरेलु हो या अंतर्राष्ट्रीय - के लिए छूट उपलब्ध है।
- बुनियादी किराए पर 10 प्रतिशत की छूट स्क्रीन पर दांए हाथ तरफ, किराए की गणना की जगह में दिखाई देगी।
- जब टिकट जारी करने के लिए भुगतान पूर्ण करें तब कॉर्पोरेट कोड बॉक्स में कॉर्पोरेट कोड (प्रोमो कोड और कॉर्पोरेट कोड समान है, की प्रविष्टि करें।

रोटेरियन इस सुविधा का लाभ अपने द रोटरी फाउंडेशन में अपनी संचित निधि दान करने के लिए स्वतंत्र है।

लिंक: *www.rotary.org/globalrewards* पर उपलब्ध है। एप्पल एप स्टोर या गूगल प्ले स्टोर से रोटरी ग्लोबल रिवॉर्ड एप भी डाउनलोड की जा सकती है।

लेखक WASH-MGI समिति के अध्यक्ष, और टीआरएफ-निधि विकास समिति के सदस्य है।

मंडल 3000 को KVB की ओर से ₹1.2 करोड़ की विशाल CSR फीडिंग प्राप्त हुई

वी मुत्तुकुमारण

मंडल 3000 के डीजी पी गोपालकृष्णन, KVB के प्रबंध निदेशक पी आर शेषाद्री और (बीच में) चेयरमेन बी स्वामीनाथन को जो अपने निदेशक मंडल के साथ उपस्थित थे को टीआरएफ उद्धरण प्रस्तुत करते हुए। चित्र में मंडल के जेनरल सचिव एम बालाजी (चरम बाएं), पीडीजी एस राजेन्द्रन (बाएं से चौथे) और मंडल प्रशासन सचिव एल सुब्बैय्या (चरम दाएं) भी शामिल हैं।

करूर वैश्य बैंक ने तमिलनाडु में चार अलग-अलग स्थानों - त्रिची, करूर, डिंडिगुल और तेनी - पर कम लागत वाले चार डायलिसिस केंद्रों की स्थापना के लिए अपने सीएसआर फंड के अधीन रोटरी फाउंडेशन को ₹1.2 करोड़ दान में दिया हैं। प्रत्येक केंद्र में छह डायलिसिस मशीनें स्थापित की जाएंगी और परियोजना की कुल लागत ₹ 2.2 करोड़ होगी जिसमें फाउंडेशन से अनुदान भी शामिल है।

रो ई मंडल 3000 के गवर्नर पी गोपालकृष्णन कहते हैं, ''सीएसआर फंडिंग के अधीन किसी कॉर्पोरेट संस्था से भारत में रोटरी द्वारा प्राप्त यह सबसे बडी राशि है। हम समुदाय सेवा के लिए केवीबी के साथ गठबंधन स्थापित कर चुके हैं।'' पिछले कुछ महीनों में वह आरटीएफ की नीतियों, परियोजना के कार्यान्वयन के तरीकों और रोटरी की सेवा और मानवतावादी परियोजनाओं के लिए सीएसआर फंडिंग प्राप्त करने के लिए कार्य करने के तरीकों पर विस्तृत प्रस्तुतिकरण देने के लिए बैंक के प्रबंध निदेशक और सीईओ पी आर शेषदात्री सहित बैंक के शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात कर चुके है।

लेकिन मंडल की पहली सीएसआर परियोजना ने निश्चित रूप धारण करने में कुछ समय लिया और पूर्ण रूप से स्वीकृति देने से पहले अनेक बार विचार-विमर्श किया गया, जिसके बाद केवीबी के निदेशक मंडल द्वारा स्वीकृति दी गई और अंततः राशि प्राप्त हुई।

घनिष्ठता स्थापित करना

मंडल सचिव, प्रशासन और मंडल सचिव, रोटरी क्लब करूर टेक्ससिटी के एल सुब्ब्याह कहते हैं कि जबसे रोटरी इंटरनेशनल ने सीएसआर फंडिंग को स्वीकार करने के प्रस्ताव को स्वीकार किया और इसे टीआरएफ योगदान के रूप में शामिल किया है, तब सी मंडल ने तमिलनाडु के आसपास के कई संस्थाओं से संपर्क किया है।

11 केवीबी निदेशकों में से चार के रोटेरियन होने के साथ-साथ, उनमें से एक अन्नंद गोपालकृष्णन ने बैंक के शीर्ष अधिकारियों के साथ 'बेहतर कामकाजी संबंध' स्थापित किया, ''हमने वैसी परियोजनाओं के बारे में प्रभावी प्रस्तुतिकरण दिया, जिसमें से बैंक अपनी रूची के अनुसार सीएसआर निधि के माध्यम से वित्त पोषित करने के विकल्प का चयन कर सकता था।'' करूर में, रोटरी क्लब करूर टेक्ससिटी सचिव ए जे सुरियानारायण और रोटरी क्लब करूर एंजल्स (पूर्ण रोप से महिला क्लब) की अध्यक्षा एस निरुपमा के पति रोटेरियन एमवी श्रीनिवाससमोथी केवीबी बोर्ड के अंग हैं।

आरआई निदेशक सी भास्कर ने टीवीएफ के कार्यक्रमों और वैश्विक परियोजनाओं के बारे में बैंक के प्रबंध निदेशक के समक्ष प्रस्तुतिकरण देने के लिए केवीबी मुख्यालय का दौरा किया। गोपालकृष्णन कहते हैं, ''हमारे निदेशक की ब्रीफिंग ने बैंक से सीएसआर फंड प्राप्त करने के हमारे प्रस्ताव को मजबूत किया।''

सभी चार डायलिसिस सेंटर किफायती लागत पर मरीजों का उपचार करेंगे, जिनकी लागत निजी अस्पतालों की तुलना में लगभग 65-70 फीसदी कम होगी। प्रत्येक केंद्र में पांच सदस्यीय रोटरी पैनल होगा जिसमें दो डॉक्टर, दो रोटेरियन और एक लाभाथी होगा जो इसके प्रशासन की देखरेख करेगा।

गोपालकृष्णन के नेतृत्व में मंडल 300 के रोटरी नेताओं ने करूर में केवीबी के मुख्यालय में एक प्रशंसा-पत्र शाल प्रदान कर स्वामीनाथन, शेषदात्री और नौ अन्य निदेशकों को सम्मानित किया। प्रत्येक निदेशक को अलग-अलग प्रशंसा-पत्र के अलावा, पीजीजी एस राजेंद्रन के साथ डीजी ने सेशदरी को बैंक की उदारता के लिए धन्यवाद देते हुए टीआरएफ द्वारा जारी प्रमाण पत्र प्रस्तुत किए (आरआई अध्यक्ष इयान रिसले और ट्रस्टी चेयर पॉल नेटज़ेल द्वारा हस्ताक्षरित)।

बोर्ड रूम में अनौपचारिक बातचीत के दौरान, निदेशकों ने करूर में सक्रिय रहने और विभिन्न प्रकार की सामुदायिक परियोजनाओं को निष्पादित करने के लिए रोटरी क्लबों की प्रशंसा की। ■

District Wise TRF Contributions as on April 2018

(in US Dollars)

District Number	APF	PolioPlus	Other Restricted	Endowment Fund	Total Contributions	EREY Donors (in numbers)	EREY %
India							
2981	37,456	4,675	0	0	42,131	213	4.9%
2982	62,534	2,320	2,725	0	67,579	396	14.6%
3000	83,244	7,267	344,802	41,265	476,579	2,084	41.2%
3011	123,508	714	110,743	16,462	251,427	408	13.4%
3012	39,251	6,693	112,590	3,016	161,549	213	6.1%
3020	57,745	23,554	49,950	42,478	173,727	196	4.6%
3030	923	22,724	1,050	0	24,697	3	0.1%
3040	11,706	15	48,307	0	60,028	43	2.0%
3053	9,283	78	22,129	25,000	56,490	25	0.9%
3054	16,578	203	305,368	1,000	323,150	47	0.8%
3060	143,203	1,503	206,936	26,992	378,635	1,106	29.0%
3070	40,482	198	25,794	1,084	67,559	221	7.5%
3080	112,877	16,151	21,178	92	150,299	195	6.0%
3090	608	0	2,500	0	3,108	3	0.1%
3100*	14,629	0	0	0	14,629	56	3.5%
3110	65,802	3,498	60,631	0	129,931	166	4.3%
3120	81,367	508	50,231	0	132,106	111	3.8%
3131	400,754	734	361,055	90,098	852,641	1,293	25.4%
3132	75,426	1,406	7,875	16,000	100,707	229	5.2%
3141	620,700	23,006	738,463	105,001	1,487,169	1,117	21.9%
3142	344,523	18,808	788	(1,000)	363,119	800	29.6%
3150	56,064	12,557	44,750	62,000	175,370	330	9.2%
3160	125,394	1,000	0	8,338	134,732	184	7.9%
3170	48,107	8,058	23,815	0	79,979	327	6.1%
3181	91,783	1,091	0	78	92,952	698	23.1%
3182	78,094	0	39,417	0	117,510	721	22.9%
3190	86,340	27,448	108,689	93	222,570	79	1.6%
3201	156,262	14,114	206,098	5,323	381,797	236	4.6%
3202	51,430	7,819	0	2,773	62,021	114	2.4%
3211	120,642	100	0	53,846	174,588	118	2.8%
3212	254,909	35,135	32,500	2,000	324,544	574	15.5%
3231	125,350	15,250	171,250	70,914	382,764	90	3.6%
3232	351,483	33,718	114,382	20,300	519,884	449	12.2%
3240	83,006	1,942	0	8,367	93,315	310	10.6%
3250	83,410	100	9,673	10,000	103,183	195	5.5%
3261	39,221	115	29,112	0	68,448	130	5.5%
3262	76,220	227	7,981	0	84,428	294	8.9%
3291	53,961	26,675	58,789	119,279	258,703	53	1.4%
India Total	**4,224,275**	**319,404**	**3,319,569**	**730,800**	**8,594,048**	**13,827**	**10.0%**
3220 Sri Lanka	119,518	10,427	6,998	1,217	138,160	575	30.2%
3271 Pakistan	39,401	70,699	11,752	0	121,851	84	5.9%
3272 Pakistan	33,009	2,799	0	1,000	36,809	62	2.3%
3281 Bangladesh	387,884	15,106	328,990	86,037	818,016	704	12.5%
3282 Bangladesh	102,819	1,964	0	1,000	105,783	453	12.0%
3292 Nepal	134,681	26,214	618,772	0	779,668	662	15.1%
South Asia Total	**5,041,587**	**446,613**	**4,286,082**	**820,054**	**10,594,336**	**16,367**	**12.0%**
World Total	**97,206,324**	**28,158,399**	**14,799,410**	**20,943,478**	**161,107,611**		

* Non-districted

Source: RI South Asia Office

मंडल 3232 की शक्तिशाली महिला अध्यक्ष

जयश्री
किरण ज़ेहरा

हाल ही में मंडल 3232 ने इसकी 20 महिला अध्यक्षों का वर्ष के दौरान उनकी नेतृत्व की भूमिका के लिए सम्मानित होने का रोमांचक उत्सव देखा। मंडल के 103 क्लबों में से, 20 क्लबों का नेतृत्व इस वर्ष महिलाओं द्वारा किया गया था। ''वे हमारे मंडल के नगीने है। किसी भी संस्थान के सफल होने के लिए, हमें महिलाओं के प्रयासों को स्वीकार करना चाहिए और उनकी उच्चतम क्षमता का लाभ लेना चाहिए, यह सुनिश्चित करने के लिए कि अधिक महिलाएं उनके उदाहरण का अनुसरण करें एवं अपने खोल से बाहर निकलें,'' डीजी आर श्रीनिवासन ने कहा। 6 मई को आयोजित, महिला नेतृत्व शिखर सम्मेलन, में इस तथ्य का उत्सव मनाया गया कि 30 वर्ष पहले, 4 मई, 1987 को, यूएस के सर्वोच्च न्यायलय ने निर्णय दिया कि रोटरी क्लबों को लिंग के आधार पर महिलाओं को सदस्यता से वर्जित नहीं करना चाहिए। अध्यक्षों के विचित्र दृश्य-श्रव्य परिचयों से लेकर सुसंचालित सत्रों, और कुछ दानों के साथ वह शाम मनोरंजन और क्रियाकलापों से भरी हुई थी।

इसी दौरान, सभामंडप के बाहर, छह बच्चे, काली और सफ़ेद पोशाक पहने हुए, उत्साहपूर्वक *थालम* (हाथों की ताल) पर संगीत के बिना, अपने स्टेप्स का अभ्यास कर रहे थे। उनमें से एक लड़की ने कहा, हम अपने प्रदर्शन से सबको यह बताने जा रहे है कि हम क्ख़त से संक्रमित है। वे *प्रोजेक्ट होप,* HIV पीड़ित लोगों को पुनर्वास अवसर प्रदान करने की 20 क्लबों की संयुक्त परियोजना, पर प्रस्तुति दे रहे थे।

उबाऊ बैठकें करने के बजाए, हम बैडमिंटन के खेल पर या तैराकी पर या पानी पर योग करने जैसी गतिविधियों पर मिलते है।

अपूर्वा प्रसाद
अध्यक्ष, रोटरी क्लब मद्रास नेक्स्टजेन

फिल्म कलाकार कस्तूरी शंकर, ने *वुमेन ऑफ़ सब्सटेंस* शीर्षक वाले एक सत्र का संचालन करते हुए कहा कि एक स्थिर आत्मनिर्भरता की भावना वाली और अपने दृढ़ विश्वास के साथ खड़ी रहने वाली महिला ही एक अस्तित्व वाली नारी है। महिलाएं, पुरुषों से कहीं अधिक, एक पूरी पीढ़ी को सकारात्मक दिशा दे सकती है, लेकिन दुर्भाग्यवश भारतीय महिलाओं को अभी भी अपने महत्व की खोज करना बाकि है।

''शक्ति एवं सकारात्मक प्रभाव वाली एक महिला अस्तित्व महिला है,'' रोटरी क्लब मद्रास मिडटाउन की अध्यक्ष उषा कुमार ने कहा। रोटरी क्लब मद्रास नॉर्थ की अध्यक्ष अनीता डेविड ने यह कहकर महिलाओं को प्रेरित किया कि ''जब भी आप सहज महसूस ना करें अपनी आवाज उठाएं

बाएं से : अनिता परमशिवन, लता कमलेश, लक्ष्मी रामकृष्णन, एम सुगुणा देवी और उषा अजित कुमार।

बाएं से : प्रमीला, उषा कुमार, शारदा सुन्दरम, कस्तूरी शंकर, राजश्री थांडे, अनिता डेविड और हेमलता केशवन।

अपने बेटे को महिलाओं की इज्ज़त करना सिखाएं ताकि दुनिया को और एक निर्भया देखनी ना पड़े।

अनिता डेविड
अध्यक्ष, रोटरी क्लब मद्रास नॉर्थ

और जब भी लोग गलत हो उन्हें बताएं। सबसे अधिक महत्वपूर्ण, अपने बेटे को महिलाओं की इज्ज़त करना सिखाएं ताकि दुनिया को और एक निर्भया देखनी ना पड़े।'' रोटरी क्लब चेन्नई किलपॉक की अध्यक्ष, राजश्री ने बताया कि कैसे उनके बेटे ने उसकी छह वर्ष की आयु में स्कूल में एक निबंध में उन्हें अपना प्रेरणास्त्रोत बताया था, और आज 21 वर्ष की आयु में भी वह उन्हें वही दर्जा देता है!

हॉल में मौजूद महिलाओं की विविधता के बारे में बात करते हुए, कस्तूरी ने कहा, ''रोटरी विभिन्न पृष्ठभूमियों की महिलाओं को एक साथ इस तंत्र में ला रहा है। इसलिए, मात्र इस एक वर्ष के साथ नहीं रुक जाना; जाइये और बाहर जाकर महिलाओं को

अध्यक्षों के विचार

अध्यक्षों से यह समझने के लिए की गई बातचीत कि कैसे उन्होंने अपने वर्ष का संचालन किया और किन चुनौतियों का उन्होंने सामना किया ने कुछ रोचक परिज्ञान को जन्म दिया। अनीता परमासिवन (रोटरी क्लब चेन्नई के. के. नगर) के लिए सेज्हियन परियोजना उनके दिल के करीब रही। ''हमने कांचीपुरम के समीप एक गाँव, कादालादी, को ₹7 लाख की लागत के छह विद्युत करघे दिए।'' अन्य परियोजनाओं में शामिल है - इलाके के 4500 लोगों को मुफ्त चश्में देना और उनकी मोतियाबिंद की सर्जरियाँ करवाना; कामधेनु परियोजना, जिसके द्वारा क्लब ने सुविधाओं से वंचित लोगों को माइक्रो फाइनेंस एवं रोजगार अवसर प्रदान किये। ''मुझे तब सबसे ज्यादा ख़ुशी हुई जब इससे एक विधवा को एक चाय की दुकान स्थापित करने में मदद मिली, इससे उसकी महीने में ₹15,000 की कमाई हो जाती है।''

अनीता, एक रेडियोलॉजिस्ट, ने विभिन्न क्लबों में ऐंस के मध्य स्तन कैंसर को लेकर जागरूकता फैलाने की शुरुआत की। ''बहुत सी महिलाएं उनके स्तनों में गांठ देखकर कैंसर हो जाने के डर से चिंतित हो जाती है। लेकिन डरने की आवश्यकता नहीं है। मैं अपने पेशे से इस मिथ्या को तोड़ना चाहती हूँ,'' उन्होंने कहा।

महिला सदस्यता में वृद्धि कैसे की जाए पर उन्होंने कहा: ''हमें रोटेरियनों की पत्नियों को रोटरी से जुड़ने के लिए प्रेरित करना चाहिए। उनमें से बहुत से रोटेरियन अपनी पत्नियों को रोटरी की गतिविधियों में शामिल करना नहीं चाहते। इस वर्ष मैंने अधिक पारिवारिक भागीदारी पर ज़ोर दिया।'' अनीता (50 वर्षीय) का विवाह 18 वर्ष की आयु में हो गया था और उनके परिवार के शानदार समर्थन के कारण, वह चिकित्सक बनी। ''पेशेवर रूप से, मैं शाम 4.30 बजे तक एक डॉक्टर हूँ और उसके बाद रोटरी'', वह मुस्कुराती है।

शारदा सुन्दरम (रोटरी क्लब चेन्नई स्पॉटलाइट - एक अखिल महिला क्लब) कहती है, ''हम 30 महिलाओं का समूह है; हम सेवा देते है और किसी अन्य किटी पार्टी समूह की तरह मसालेदार ङ्गपॉपकॉर्न फ़ेलोशिप्सफ के साथ फिल्म, नाटक देखते हुए बहुत सारा मजा भी करते है, लेकिन एक उद्देश्य के साथ।'' उनकी पहली परियोजना 'यात्रा' थी, जिसमें चार महिलाओं ने स्थानीय पौधे लगाने को लेकर जागरूकता फ़ैलाते हुए तमिलनाडू के मंडलों की यात्रा की थी, ''ताकि वे पेड़ हाल ही के वर्धा तूफ़ान जैसे तूफानों से होने वाले विनाश का सामना कर सकें। अन्य जगहों पर रोटेरियनों द्वारा किए गए सत्कार ने उन्हें व्यापक तौर पर समझाया कि रोटरी वास्तव में है क्या। वो जुड़ाव और साहचर्य और एक रोटेरियन होने का गर्व ही था जो घर ले जाने के लिए सबसे अनमोल चीज़ें थी,'' उन्होंने कहा।

49 वर्ष पुराने रोटरी क्लब मद्रास नॉर्थ की पहली महिला अध्यक्ष और क्लब की एकमात्र महिला सदस्य अनीता डेविड है। ''मैंने तीन महिला सदस्यों को शामिल किया है।'' तो, क्या उन्होंने पुरुष प्रधान क्लब में होने पर किसी चुनौती का सामना किया? ''नहीं, क्लब में कार्य करना ख़ुशी की बात थी। हर एक सदस्य सहायक, समर्थन देने वाला था। जब कभी मैंने कुछ परियोजनाओं का सुझाव दिया, तो उसमें पैसा लगाया गया और सभी सदस्य स्वेच्छा से सेवा देने हेतु आगे आए,'' उन्होंने कहा। उनके नेतृत्व में, क्लब ने पुज्हल जेल के कैदियों को व्यक्तित्व विकास की पुस्तकें दान की, और उनके लिए RYLA का आयोजन भी किया। वह एक माल अग्रेषण कंपनी की निदेशक है और उनके पति, रोटरी क्लब चेन्नई रीनेसन्स के पूर्व अध्यक्ष, उनके अध्यक्षीय वर्ष के दौरान उनके कार्य को संभालते है।

राजश्री (रोटरी क्लब किलपौक) एक सॉफ्टवेर फर्म में वरिष्ठ निदेशक है। क्लब में 7 महिलाओं के साथ 33 सदस्य है। रोटरी से महिलाएं क्यों नहीं जुड़ती पर उनके विचार है: ''यह मिथ्या है कि रोटरी में बहुत मेहनत और पैसा लगता है। लेकिन मुझे लगता है कि यह एक चुनाव करने के बारे में है कि आपको कितना दान करने की जरुरत है और कैसे आप योगदान देना चाहते है। आपको अपना परिवार या कैरियर त्यागने की जरुरत नहीं है। यह रोटरी और अन्य चीज़ों के मध्य एक सामंजस्य बनाये रखने के बारे में है।'' सुनने में अक्षम बच्चों के लिए तीन स्कूलों को दान की गई स्मार्ट कक्षाएं, श्रवण-सहायक और ऑडियोमैट्रिक किटें एक ऐसी परियोजना है जो उनके दिल के बहुत करीब है। ''हम इसे चेन्नई के सभी सात स्कूलों तक ले जाना चाहते है,'' वह मुस्कुराई।

अपूर्वा प्रसाद (रोटरी क्लब मद्रास नेक्स्टजेन) एक मानव संसाधन सलाहकार है। ''हम 55 सदस्यों का एक ओजस्वी समूह है और हमारे विभिन्न विचार और खयाल है। किसी भी एक नतीजें पर पहुँचने में वक्त लगता है।'' उन्होंने 10 नए सदस्यों को शामिल किया है। मंडल अनुदान की मदद से सुनने में अक्षम बच्चों के एक स्कूल में छात्राओं के शौचालय का पुनर्निर्माण करवाना उनकी मुख्य परियोजना थी। मानसिक रूप से विकलांग बच्चों के लिए एक डायपर मुहिम और मछुआरों एवं उनके परिवारों के लिए चेन्नई की बाह्य सीमा में एक बहु-विशिष्टता वाले चिकित्सा शिविर का आयोजन करना उनकी अन्य परियोजनाएं थी। ''उबाऊ बैठकें करने के बजाए, हम बैडमिंटन के खेल पर या तैराकी पर या पानी पर योग करने जैसी गतिविधियों पर मिलते है,'' अपूर्वा ने कहा।

भवानी सुब्रमण्यम रोटरी क्लब चेन्नई इनफिनिटी की चार्टर अध्यक्ष है जिसमें 33 सदस्य है। वह रोटरी के पोलियो उन्मूलन कार्यक्रम से प्रेरित हुई थी।

''हम बाहर जाते है और दुनिया को सुधारते है और घर आकर अपने बच्चे के टूटे खिलौनों को भी सुधारते है। महिला नेतृत्वकर्ताएं कुछ ऐसी चुनौतियों का सामना करती है जो पुरुष नहीं करते। लेकिन अंततः ये सभी चुनौतियाँ हमें अधिक मजबूत बनाती है। मेरे आत्मविश्वास और संकल्प पर कार्य करने में मेरा सहयोग करने के लिए मैं रोटरी का धन्यवाद करती हूँ,'' रोटरी क्लब मीनमबक्कम की हेमा केसवान ने कहा।

रोटरी क्लब आदमबक्कम की अध्यक्ष, मालती गुरुराजन के लिए, ''एक बात जो मैंने सीखी वह यह है कि महिलाओं को कभी भी उन अवसरों से शर्माकर दूर नहीं जाना चाहिए जो उन्हें आगे बढ़ने में मदद करते है। वह एक नौकरी हो सकती है या कोई भूमिका जो अधिक की अपेक्षा करती है, लेकिन हमें चुनौतियों के लिए तैयार रहना चाहिए।''

डीजी आर श्रीनिवासन और उनकी पत्नी सुजाता के साथ मंडल 3232 की महिला अध्यक्ष।

हमें रोटेरियनों की पत्नियों को रोटरी से जुड़ने के लिए प्रेरित करना चाहिए। उनमें से बहुत से रोटेरियन अपनी पत्नियों को रोटरी की गतिविधियों में शामिल करना नहीं चाहते।

अनिता परमशिवन
अध्यक्ष, रोटरी क्लब चेन्नई के के नगर

प्रेरित कीजिए और उन्हें दिखा दीजिए कि वे क्या कर सकती है। यह आपके कर्तव्य का हिस्सा है।''

महिलाओं द्वारा निभाई जाने वाली विभिन्न भूमिकाओं पर दिलचस्प चर्चा में, कस्तूरी ने उस हॉल में मौजूद पुरुषों से पूछा: ''क्या आपको लगता है यह अनुचित है कि आपकी पत्नी ने प्राथमिक देखभाल करने वाले की भूमिका पर कब्ज़ा जमा रखा है?'' पीडीजी रेखा शेट्टी के पति, जय शेट्टी ने त्वरित उत्तर दिया कि आम तौर पर पुरुषों को तब तक असुरक्षा महसूस नहीं होती जब तक बच्चा एक स्वस्थ शरीर और स्वस्थ दिमाग के साथ बड़ा होता है। उनका प्रश्न: ''एक सास के रूप में आपकी भूमिका के बारे में क्या?'' एक अन्य जोशपूर्ण चर्चा का कारण बना।

कस्तूरी ने दर्शकों से एक चुनौतीपूर्ण प्रश्न करके सत्र का समापन ''किया: क्या हम एक समाज के रूप में महिलाओं द्वारा किये जाने वाले कठिन चुनावों, जैसे जब वे तलाक लेने या अकेली माँ होने का चुनाव करती है... को अपनाने के लिए तैयार है, क्या हम में ऐसी महिलाओं को स्वीकार करने एवं उनका समर्थन करने की तत्परता है?''

लक्ष्मी रामकृष्णन, एक सामाजिक कार्यकर्ता ने प्रोजेक्ट होप - HIV के मरीजों के लिए इन 20 क्लबों का एक पुनर्वास कार्यक्रम - पर तैयार की गई एक डाक्यूमेंट्री का लांच किया। इसने ऐसे बच्चों को व्यावसायिक कौशलों एवं बुनियादी साक्षरता में प्रशिक्षित करके इनका समर्थन करने के रोटेरियनों के प्रयासों को दर्शाया।

''वे खुलकर बाहर आना चाहते है और अपनी स्थिति को स्वीकार करना चाहते है। लेकिन, क्या हम उन्हें स्वीकार करने के लिए तैयार है?'' लक्ष्मी ने पूछा। रोटेरियनों की प्रक्रिया जबर्दस्त ढंग से सकारात्मक थी। रोटरी क्लब मद्रास ईस्ट के अध्यक्ष एस पुरुषोत्तम और रोटरी क्लब चेन्नई गैलेक्सी के अध्यक्ष अंशुल शर्मा ने फ़ौरन इस विषय पर उनका समर्थन देने की घोषणा की। इसके बाद बच्चों ने एक मूकाभिनय किया जिसके अंत में उन्होंने अपने चेहरों पर से नकाब हटाया और अपनी अभिलाषाओं को व्यक्त किया। रोटरी क्लब चेन्नई मीराकी की अध्यक्ष, शिवबाला ने सभा को यह कहकर उस अनुभाग का समापन किया, ''इन बच्चों को आपकी सहानुभूति नहीं चाहिए, इन्हें केवल आपकी संवेदना चाहिए। इन्हें हमारा प्यार चाहिए जो हम प्रचुर मात्रा में दे सकते है।''

एनेट्स द्वारा एक रैंप वाक और नृत्य भी मनोरंजन खण्ड का हिस्सा था।

चित्र: किरण ज़ेहरा

रोटरी किसानों की मदद करता हैं

किरण ज़ेहरा

रोटरी क्लब सिकंदराबाद पश्चिम, मंडल 3150 के अध्यक्ष सुरेन पोरुरी कहते हैं, ''अगर आपको लगता है कि खेती एक आसान काम है तो आपको एक कांटे और फावड़े के साथ व्यतीत करना दिन भर खेत में व्यतीत करना चाहिए।'' ग्रामीनमॉल फाउंडेशन के सहयोग से, क्लब ने हाल ही में हैदराबाद से 70 किमी दूर स्थित जैदपल्ली गांव में पूरा दिन व्यतीत किया और *ग्रामोत्सवम* आयोजित किया। किसानों, विशेष रूप से महिलाओं की आर्थिक सुरक्षा में सुधार करने के उद्देश्य से आयोजित उत्सव में उत्पादकता में वृद्धि, क्षेत्रीय कृषि संस्थानों से कृषि इनपुट तक पहुंच और क्लब द्वारा अपनाए गए गांवों के लिए बाजार की जानकारी पर केंद्रित थी।

अनंतगिरि हिल के आस-पास एक खूबसूरत घाटी में स्थित जैदपल्ली गांव, सीखने और मस्ती के एक दिन के लिए जाग उठा क्योंकि 500 किसान ''प्रशिक्षित होने, अनुभवों को साझा करने और कार्यों के माध्यम से सूचना प्राप्त करने के लिए प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए एकत्र हुए थे ताकि वे अपने कृषि प्रथाओं के बारे में सूचित निर्णय ले सकें।'' जबकि खेतों में समय व्यतीत करना क्लब के सदस्यों के लिए एक ताजा अनुभव था, उन्हें एक किसान के जीवन में विभिन्न कठिनाइयों के बारे में जानने-समझने का एक अवसर भी प्राप्त हुआ। सूरजमुखी की फसल उगाने वाली एक कृषक लक्ष्मी कहती हैं, ''वित्तीय सहायता और बाजारों तक पहुंच हमारे लिए बडी चुनौतियां हैं। मौसम की स्थिति और मूल्य निर्धारण के बारे में जानकारी की कमी से समस्या और भी गंभीर हो जाती है। हम केवल कृषि के पारंपरिक तरीकों पर भरोसा करते हैं और हमारी तकनीकी जानकारी सीमित हैं।''

डीजी जे एब्राहम (बाएं से दूसरे) और अन्य रोटेरियन एक खेत में फसल की जांच करते हुए।

परियोजना समन्वयक सीतारामन कहते हैं: ''वर्ष 2013 में भूजल स्तर में सुधार करने और गांव में सिंचाई सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए रोटरी द्वारा रोक बांध निर्माण की जो परियोजना क्या हुई थी, वह अब इस क्षेत्र में किसानों को सामुदायिक टिकाऊ कृषि विकसित करने में मदद कर रही है - एक ऐसी उत्पादन प्रणाली जो ग्रामीणों की मिट्टी, पर्यावरण प्रणाली, भोजन और पोषण सुरक्षा के स्वास्थ्य बनाए रखने पर केंद्रित है।'' क्लब और ग्रामीण मॉल फाउंडेशन द्वारा स्थापित किसान समर्थन मॉडल के माध्यम से, क्लब किसानों को उनकी समस्याओं का तीव्र समाधान प्राप्त करने में मदद करता है और बेहतर कीमतें प्राप्त करने के लिए उन्हें बाजार से जोड़ता है।

डीजी जे अब्राहम जिला कलेक्टर सैयद उमर जलील को ग्रामीणों की उपस्थिति में एक MoU प्रस्तुत करते हुए।

कृषि विश्वविद्यालय, हैदराबाद, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मिलेट रिसर्च, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ ऑयल रिसर्च एंड एग्रीकल्चर रिसर्च स्टेशन, तंदूर, कृषि-आधारित संस्थानों जैसे विभिन्न कृषि प्रथाओं, खेती के तरीकों और विपणन तकनीकों पर किसानों के साथ विचार-विमर्श करने के लिए स्टॉल लगाया था। किसानों से खेती के लिए उर्वरकों/कीटनाशकों का उपयोग रोकने और जैविक/प्राकृतिक खेती शु रू करने के लिए आग्रह किया गया था। सीतारामन ने कहा, मफ्इससे पारिस्थितिक पर का एक बडा प्रभाव पड़ेगा, मिट्टी को बचाया अज सकेगा, दीर्घकाल में किसानों को आर्थिक रू प से लाभ प्राप्त होगा और उपभोक्ताओं को प्राकृतिक और रासायनिक मुक्त पदार्थों से मुक्त भोजन प्राप्त होगा।फ्फ

लगभग 12 कंपनियाँ, जो सीधे किसानों से उत्पादों की खरीद करेंगी, इस कार्यक्र म में भाग लेंगी।

क्लब द्वारा आयोजित चार अलग-अलग गांवों से चार टीमों के बीच एक क्रि केट टूर्नामेंट ने लोगों का मनोरंजन किया और क्लब के सदस्यों को गांव के भोजन का स्वाद मिला।

वर्ष 2013 में भूजल स्तर में सुधार करने और गांव में सिंचाई सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए रोटरी द्वारा रोक बांध निर्माण की जो परियोजना क्या हुई थी, वह अब इस क्षेत्र में किसानों को सामुदायिक टिकाऊ कृषि विकसित करने में मदद कर रही है।

सीतारामन
परियोजना समन्वय

डीजी जे अब्राहम ने गांव में 500 लीटर प्रति घंटे की क्षमता के साथ एक सुरक्षित पेयजल संयंत्र स्थापित करने के लिए मंडल कलेक्टर को एक समझौता ज्ञापन सौंपा। मंडल कलेक्टर सैयद ओमर जैलील ने किसानों का समर्थन करने के लिए क्लब के प्रयासों की सराहना की और परियोजना को आगे बढाने के लिए समर्थन का आश्वासन दिया।

अन्य परियोजनाएं

क्लब के अध्यक्ष पोरुरी ने क्लब की अन्य परियोजनाओं के बारे में बताया जिसमें 160 छात्राओं को ₹7 लाख की लागत से साइकिल उपलब्ध कराया गया और 13 कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों को ₹50 लाख की लागत से हैप्पी स्कूलों में परिवर्तित किया गया।

रोटरी क्लब विशाखा पोर्ट सिटी और अंतरराष्ट्रीय साथी रोटरी क्लब नेपरविल, मंडल 6450, यूएसए के साथ एक वैश्विक अनुदान के तहत, क्लब ने होमी भाबा कैंसर रिसर्च एंड हॉस्पिटल, विशाखापत्तनम में कैंसर निदान और पहचान उपकरण उपलब्ध कराया। क्लब ₹1.2 करोड़ की अनुमानित लागत से मंडल में 295 आरओ जल संयंत्र स्थापित करने की योजना बना रहा है। अभी तक 45 ऐसे संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं। ■

Presidential Citation 2017–18

It is time for Rotary clubs to submit their reports for the Presidential Citation. The last date for filing the report of your achievements is June 30.

Please refer *Rotary News* July 2017 issue to get information as to how to qualify for the Citation, or visit *www.rotary.org/presidential-citation.* If you have questions, write to *riawards@rotary.org.*

Rotary

Rotary at a glance

Rotarians	:	12,35,496
Clubs	:	35,810
Districts	:	539
Rotaractors	:	2,54,472*
Clubs	:	11,064*
Interactors	:	5,23,733*
Clubs	:	22,771*
RCC members	:	2,26,366*
RCC	:	9,842*

* As on May 1, 2018

Membership Summary

As on May 1, 2018

RI Zone	RI District	Rotary Clubs	No of Rotarians	Women Rotarians	Rotaract Clubs	Interact Clubs	RCC
5	2981	112	4,640	220	60	226	170
5	2982	69	3,074	134	64	112	45
5	3000	126	5,321	458	296	665	195
4	3011	77	3,407	664	58	109	25
4	3012	87	3,430	668	70	129	55
5	3020	92	4,241	210	117	465	351
4	3030	92	5,055	628	81	312	164
4	3040	95	2,154	236	60	124	137
4	3053	74	2,824	436	18	51	94
4	3054	130	6,362	1,009	94	309	469
4	3060	99	4,259	454	61	123	132
4	3070	103	3,084	300	68	158	54
4	3080	77	3,341	225	73	216	108
4	3090	80	2,193	88	32	37	122
4	3100*	74	1,721	74	11	72	146
6	3110	115	4,019	318	51	49	104
6	3120	78	3,311	371	37	59	51
4	3131	131	5,596	1,163	112	284	89
4	3132	105	4,126	428	66	205	140
4	3141	89	5,435	1,170	120	252	82
4	3142	83	3,166	490	70	195	65
5	3150	99	3,687	371	93	229	109
5	3160	70	2,459	131	27	48	81
5	3170	127	5,658	409	60	309	161
5	3181	72	3,172	238	35	179	104
5	3182	83	3,441	264	36	274	93
5	3190	129	5,176	631	151	357	50
5	3201	140	5,266	321	101	131	47
5	3202	128	4,872	242	105	436	46
5	3211	137	4,500	271	13	89	123
5	3212	98	3,999	301	113	278	133
5	3231	70	2,949	127	56	200	238
5	3232	105	4,221	603	146	311	80
6	3240	88	3,061	356	62	147	152
6	3250	97	3,773	669	51	209	180
6	3261	68	2,512	294	16	102	42
6	3262	95	3,305	381	46	70	75
6	3291	145	3,802	706	81	131	592
India Total		**3,739**	**1,46,612**	**16,059**	**2,811**	**7,652**	**5,104**
5	3220	69	1,941	247	84	200	75
6	3271	81	1,455	250	52	16	13
6	3272	161	3,361	467	44	36	37
6	3281	205	5,911	851	232	86	186
6	3282	141	4,026	398	132	47	39
6	3292	114	4,446	671	122	115	108
S Asia Total		**4,510**	**1,67,752**	**18,943**	**3,477**	**8,152**	**5,562**

**Non-districted.*

Source: RI South Asia Office

चेन्नई में रोटरी ज़ोन संस्थान

वी मुत्तुकुमारण

बाएं से : PRID पी टी प्रभाकर, RID सी भास्कर, RIDN भरत पांड्या, पीडीजी (मंडल 3232), राजा रामकृष्णन, पीडीजी (मंडल 3011) एन सुब्रमण्यन और संस्थान के अध्यक्ष आईएसएके नाज़र।

चेन्नई में होटल लीला पैलेस में 5-7 अक्टूबर से निर्धारित रोटरी जोन संस्थान की महत्वपूर्ण पहलूओं पर चर्चा करने के लिए हाल ही में चेन्नई में प्रक्षेत्र 4, 5 और 6 ए के रोटरी नेताओं ने मुलाकात की। संस्थान के अध्यक्ष पीडीजी आईएसएके नज़र ने बैठक की और संस्थान समिति के सदस्यों का परिचय करवाया। हालांकि आयोजकों ने 1,000 से अधिक पंजीकरण का लक्ष्य निर्धारित किया था हैं, वर्तमान समय में यह संख्या बढ़कर 300 से अधिक हो गई है। आरआईडी सी भास्कर संस्थान संयोजक है, जबकि मंडल 3011 के पीडीजी एन सुब्रमण्यम सचिव के रूप में कार्य संभालेंगे, रोटेरियन पीटी रामकुमार, संस्थान के कोषाध्यक्ष होंगे और पीआरआईडी पीटी प्रभाकर सलाहकार के रूप में कार्य करेंगे। आरआईडीएन भारत पंड्या GETS सत्र की अध्यक्षता करेंगे। ■

सम्मेलन

सम्मेलन की उल्टी गिनती का ऑनलाइन अपडेट

चाहे आप 23 से 27 जून 2018 तक आयोजित होने वाले रोटरी इंटरनेशनल सम्मलेन में भाग लेने के लिए टोरंटो में होंगे या अपने घर पर होंगे, आपको *rotary.org* और सोशल मीडिया पर सभी नवीनतम समाचार प्राप्त होता रहेगा।

प्रति दिन, सम्मेलन का संक्षेप वृत्त पिछले दिन की घटनाओं के साथ-साथ मौजूदा दिन के कार्यक्रमों का एक त्वरित वीडियो रिकैप उपलब्ध कराएगा। हमारे मेजबान आपको हाउस ऑफ फ्रेंडशिप बूथ के दौरे पर अपडेट करेंगे, आपका उपस्थित लोगों के साथ साक्षात्कार करवाएंगे, और आपको सामान्य सत्र और ब्रेकआउट सत्र दोनों का कवरेज प्रदान करेंगे। अधिक सूचनाएँ रोटरी के फेसबुक पेज पर, या दैनिक सम्मेलन ई-न्यूज़लेटर से *atriconvention.org* प्राप्त करें। आप विश्व स्तरीय वक्ताओं के पूर्ण वीडियो को देखने और साझा करने में भी सक्षम होंगे।

रोटरी स्टाफ सामान्य सत्र, मैत्री-गृह, कार्यशालाओं, मेजबान समिति के कार्यक्रमों आदि से ब्लॉगिंग और ट्वीटिंग करेंगे। सजीव कवरेज में वर्ष के रोटरी की सबसे बडी घटनाओं का वीडियो, साक्षात्कार और अन्य अंतर्दृष्टियों को शामिल किया जाएगा। दैनिक समाचार आपको सभी शीर्षकों और घटनाओं के बारे में जानकारी प्रदान करेगी। आप सभी सम्मेलन के महत्वपूर्ण घटनाओं की विशिष्ट तस्वीरें भी ब्राउज़ कर सकते हैं।

यदि आप सम्मेलन में भाग ले रहे हैं, तो आप सोशल मीडिया पर अपनी कहानियों को साझा कर सकते हैं; यह भी देखें कि अन्य रोटेरियन क्या पोस्ट कर रहे हैं और हैशटैग #rotary18 का उपयोग कर सम्मेलन टीम से नवीनतम अपडेट प्राप्त करें।

riconvention.org पर टोरंटो में आयोजित होने वाले 2018 रोटरी सम्मेलन के लिए पंजीकरण करायें।

एड्रेल कैम्पो

सचेत तन्मयता का अभ्यास करें

भरत और शालन सवुर

जब सरोज को एक मानसिक आघात लगा, तो उसके परिवार ने एकजुट होकर उसे संभाला। अपेक्षाएं बंद हो गई, नकारात्मक टिप्पणियों को रोक दिया गया, व्यक्तिगत कामों को शांतिपूर्वक किया गया, उसकी निजता को एक नया सम्मान दिया गया। और हां, आसपास दयालु, सहयोगी लोगों का होना अत्यंत मददगार होता है। जैसा कि मदर टेरेसा ने कहा था, ''उन लोगों से प्रेम करना सरल है जो हमसे दूर है। लेकिन उन लोगों से प्रेम करना हमेशा सरल नहीं होता जो हमारे करीब है। भूख शांत करने के लिए एक कटोरी चावल देना हमारे अपने घर के किसी अप्रिय व्यक्ति के अकेलेपन एवं दर्द को दूर करने से आसान होता है। अपने घर में प्रेम लाइए क्योंकि यहीं से एक दूसरे के प्रति हमारे प्रेम की शुरुआत होनी चाहिए।''

आलोचक। इसके साथ ही, हमें बेशक एक दिलवाले अंदरूनी उत्साहवर्धक चैंपियन की आवश्यकता है जो आतंरिक आलोचक को शांत कर सके, दिमाग में उठने वाली उस आवाज को शांत कर सकें जो लगातार दोष ढूँढती है: ''तुम उस कपड़ों में मोटे लगते हो,'' ''तुम्हारे संस्थान के मुख्य न्यासी तुम्हे पसंद नहीं करते, तुम हार गए, तुम बेकार हो।'' इन टिप्पणियों को वास्तविकता की जाँच करने वाली टिप्पणियाँ नहीं समझा जा सकता, वे हमारे स्वयं की पूर्वधारणाएं है, पलटकर चुभने वाले गलत विचार है, यहाँ तक कि प्रचंड अतिशयोक्ति भी है जो आत्म-नाट्य को बढ़ावा देती है। तब भी, बारंबार दोहराने के कारण, वे हमें एक स्वस्थ, निश्चिन्त, केन्द्रित, स्नेही जीवन जीने से रोकती है। मास्टर कहते है, ''जैसे कि पर्वत धरती के छोटे कणों से बनता है और सागर पानी की नन्ही बूंदों से, उसी प्रकार जीवन छोटी-छोटी बारीकियों, क्रियाओं और विचारों से बनता है। परिणाम, अच्छे हो या बुरे, व्यापक एवं महत्वपूर्ण होते है।''

विजेता। चलिए अच्छे परिणामों को लक्ष्य बनाएं। फ़ौरन, अंदरूनी आलोचक की टिप्पणियों को मत मानिये। उनके विवाद का रूप लेने और आपको एक अक्रियाशील स्थिति में धकेलने से पूर्व ही उनका खंडन कीजिए। एक निश्चित वाक्य से शुरूआत कीजिए, ''नहीं, यह टिप्पणी सही नहीं है।'' और फिर सच बोलिए: मैं इन कपड़ों में अच्छा लगता हूँ, या ''मैं मोटा हूँ'' तो क्या? ''मैं अच्छा लगता हूँ!'' तर्कसंगत बनिए: मुख्य न्यासी मुझे नापसंद नहीं करती। वह सभी से दूर रहती है! एक नया दृष्टिकोण बनाइये: ''मैं कभी नहीं हारा। मैं बस अभी तक सफल नहीं हुआ। जल्द ही हो जाऊंगा। आप बेकार है,'' जैसे कथनों की मजबूती के साथ निंदा कीजिए: ''क्या बकवास है! मैं तो हर छोटी से छोटी प्रेरणा के काबिल हूँ। रचना भी मेरी रचना करके उत्साहित हुई थी!'' अपने सभी सकारात्मक गुणों को संक्षेप में लिखिए। एक नोटबुक रखना शुरु कीजिए और अपने दोस्तों को उसमें वो लिखने के लिए कहिये जो वे आपके बारे में सोचते है, जहाँ कहीं भी संभव हो उदाहरण के साथ। इससे यह पुस्तिका दिल को छू लेने वाली बन जाएगी। जब आप जान-बूझकर, लगातार अपने आतंरिक विचारों एवं पूर्वधारणाओं के स्तर को ऊपर उठाते है, तनाव बाहर निकल जाता है, शांति अंदर प्रवेश करती है और ताकत फिर से भर जाती है। इस सार्वभौमिक सत्य पर चिंतन कीजिए: हम में से हर एक में सर्वोच्च गुण मौजूद है, हमें उन्हें केवल सचेत होकर धारण करने की आवश्यकता है।

सचेत तन्मयता। दिमाग हमारे लिए सबसे बड़ा वरदान है। प्रतिदिन के पारिवारिक, नौकरी संबंधित, यात्रा संबंधित तनाव से बचने एवं इसका सामना करने के लिए इसे प्रतिदिन केवल शांति और प्रतिरोधक्षमता की आवश्यकता होती है। सचेत तन्मयता के माध्यम से इसे खूबसूरती के साथ तैयार किया जा सकता है। दिमाग को सांसों पर तल्लीन कीजिये। जब आप सतर्कतापूर्वक साँस लें, तो सोचिए, अपने विचारों और भावनाओं को शांत रखते हुए, ''मैं साँस लेता और छोड़ता हूँ।'' जिस प्रकार सूर्य ढलता है और एक सुखदायक सन्नाटा दुनिया को घेर लेता है, उसी प्रकार जब विचार और भावनाएं शांत हो जाती है तो दिमाग को एक आरामदेह सुकून घेर लेता है। इस सुकून से, एक निश्चल, स्पष्ट प्रतिरोधक्षमता का उदय होता है।

एक प्रेरणात्मक पुस्तक को पढ़कर भी सजग तल्लीनता का अभ्यास किया जा सकता है। गहन एकाग्रता के साथ, शब्दों द्वारा खींचें गए विवरणों पर इस तरह पूर्ण रूप से ध्यान केन्द्रित करें कि आतंरिक आलोचक और बाहरी घटनाएँ ओझल हो जाएं। व्हीलचेयर पर बैठे एक व्यक्ति के साक्षात्कार को सुनकर मैं अत्यंत द्रवित हुआ। वह कहते है, एक आध्यात्मिक किताब में दर्द और पीड़ा पर एक अध्याय को पढ़कर, उनके दिमागी कायापलट की शुरुआत हुई। उन्हें एक बीमारी थी जिसमें उनकी मांसपेशियाँ तेजी से कमजोर हो रही थी। उस आध्यात्मिक अध्याय में सजग तल्लीनता के उनके अवलोकन के बाद, वह इस वेदना को अपनाकर इससे बाहर निकले। यह जैसा है वैसा ही है, उन्होंने सरलता से कहा। हालाँकि उनकी शारीरिक दशा बेहतर नहीं हो सकती, फिर भी उनके दिमाग ने पीड़ा को त्याग दिया और अब वह एक शांत, सकारात्मक और सुकूनभरी अवस्था में है।

मस्तिष्क के रसायनों में हेर-फेर। अपने समय और स्वास्थ्य का नम्रतापूर्वक प्रबंधन करें। जब नकारात्मक भावनाएं जागृत हो, शारीरिक व्यायाम करके उनसे छुटकारा पाइए। शरीर को हिलाने से हमारे दिमाग के रसायनों में परिवर्तन होता है जिससे हम हल्का, अधिक आशावान और अधिक सकारात्मक महसूस करते है। दिमाग चिड़चिड़ी अवस्था का त्याग करता है और दुनिया प्रफुल्लित और अधिक विशाल प्रतीत होती है। जहाँ घर के अंदर व्यायाम करने से दिमाग शांत होता है, वहीं घर के बाहर टहलने से एक नए आयाम का जुड़ाव होता है - सूर्य की रोशनी हमारे मस्तिष्क में 'पिलग्रिम इफ़ेक्ट'- उल्लास और उन्नति की अनुभूती - उत्पन्न करने के लिए शांतिवर्धक सेरोटोनिन स्तर को बढ़ाती है। वास्तव में, मैं कहूँगा यह योगानंद की किताब *ए योगी की आत्मकथा* को पढ़ने और मेरी फिटनेस पद्धति (प्रतिदिन डेढ़ घंटे व्यायाम करना और अपने रोजमर्रा के कार्य करने के लिए धूप में चलना) का संयोजन था जिसने मेरी सोच बदल दी और मुझे जीवन की घुमावदार यात्रा का एक मुसाफिर बना दिया।

जहाँ घर के अंदर व्यायाम करने से दिमाग शांत होता है, वहीं घर के बाहर टहलने से एक नए आयाम का जुड़ाव होता है – सूर्य की रोशनी हमारे मस्तिष्क में 'पिलग्रिम इफ़ेक्ट' – उल्लास और उन्नति की अनुभूती – उत्पन्न करने के लिए शांतिवर्धक सेरोटोनिन स्तर को बढ़ाती है।

अगर हम चाहते है कि हमारे मन की आवाज लगातार नकारात्मक विचारों को अभिव्यक्त ना करें, तो हमें हमारी नकारात्मक भावनाओं पर ध्यान देना होगा। यह आवश्यक है कि द्वेष को पकड़कर ना बैठे। संबंधित व्यक्तियों से बात करें, उन दोस्तों को समझने के लिए जो आपकी भावनाओं का मान करते है और उन्हें ख़ारिज नहीं करते। किसी अनुभवी और परिपक्व व्यक्ति से परामर्श लें। कभी भी नकारात्मक विचारों एवं भावनाओं को अधिक समय तक टिके ना रहने दे। ये आतंरिक आलोचक को लाभ पहुंचाती है, साथ ही, रोगप्रतिरोधक क्षमता को कमजोर करती है ठीक उसी प्रकार जैसे कोई पुराना असंतोष किडनी/पित्ताशय में पथरी का कारण बनता है, जैसे जोड़ों में कैल्शियम जमा हो जाता है या जैसे किसी संवेदनशील जगह पर ट्यूमर हो जाता है। अगर हम पहले से ही भावुकतावश कमजोर है, तो निष्ठुर आतंरिक आलोचक हमें शराब, निराशा और अवसाद की ओर ले जा सकता है।

संतुलन बनाइये। कोई भी असंतुलन भावनात्मक स्तरों को गिरा सकता है। हमें केवल दृढ़ता नामक एक गुण कि आवश्यकता है जिसका मतलब है हमें एक नियमित रूटीन के मुताबिक चलने की आवश्यकता है। नियमित भोजन का समय, नियमित सोने का समय, नियमित व्यायाम का समय, अपने मन-पसंद शौक, संगीत, स्वयंसेवा के लिए एक घंटा... भावनात्मक ऊर्जा को दिलचस्प, रचनात्मक या तर्कसाध्य गतिविधियों की ओर निदेशित करें जिन्हें आप बिना किसी इनाम पाने की आशा लिए वास्तविक आनंद प्राप्ति हेतु करते है। गाइए, मूर्ती बनाइये, चित्रकारी कीजिये, पत्थर को तराशिये, बागबानी कीजिए, लेख, कविता, गीत लिखिए, खाना बनाइए, पढ़िए और जो भी आपने पढ़ा उसे साझा कीजिए... जब भी आप कुछ रचनात्मक करते है, आप अपनी व्यथित सांसों को आनंदप्रद मुस्कान में परिवर्तित करते है। जब हमारे अंदर की हिचकिचाहट एवं अस्थिरता स्वस्थ संतुलन को रास्ता देती है, तब हम फलदायक, संतुष्ट और स्वस्थ जीवन जीते है।

एक प्रेरणात्मक पुस्तक को पढ़कर भी सजग तल्लीनता का अभ्यास किया जा सकता है। गहन एकाग्रता के साथ, शब्दों द्वारा खींचें गए विवरणों पर इस तरह पूर्ण रूप से ध्यान केन्द्रित करें कि आतंरिक आलोचक और बाहरी घटनाएँ ओझल हो जाएं।

आराम से रहें। अंततः, शांति और आराम की प्राप्ति हेतु अपनी स्वयं की राह तलाशिए। भले ही कोई आप पर दबाव ना डाले, आप खुद अपने आप पर दबाव डाल सकते है। इसके बजाए, यथार्थवादी बनिए कि आप तनावरहित होकर कितना दूर तक जा सकते है। साथ ही, यह जाने: आपकी जिंदगी का मकसद केवल खुशियाँ तलाशना नहीं है - जब आप आपके पास जो भी है उसकी दिल से प्रशंसा करते है, तो उससे स्वयं ही सुखद, संतुष्ट भावनाएं जागृत होती है। उतनी ही महत्वपूर्ण बात, यह जाने: जब आप ख़ुशी का अनुभव नहीं कर रहे होते है, इसका मतलब यह नहीं होता कि आप उदास है या बोर हो रहे है। इसलिए, शिकायतों से हार मत मानिए, इससे केवल विषाक्त भावनाएं उदित होंगी और तनाव स्तर बढ़ेगा। छोड़ दीजिये, जाने दीजिए, रहने दीजिए - ऐसा करना उच्च बुद्धिमत्ता और आत्म जागरूकता को दर्शाता है। जितना कम आप नकारात्मक लोगों को प्रतिक्रिया देंगे, उतना ही अधिक शांतिमय और संतुलित आपका दिमाग और आपका शरीर होगा। सबसे उपयोगी बातों में से एक जो मैंने सीखी वह है: अजीब ख़ामोशी जैसी कोई चीज़ नहीं होती अगर आप उसमें सहज हो सकते हो तो। संक्षिप्त में, जैसा कि पक्षी हर क्षण प्रदर्शित करते है: अगर आप उड़ना चाहते है, तो आपको नीचे लाने वाली सभी चीज़ों को छोड़ दीजिये।

लेखक फिटनेस फॉर लाइफ, बी सिम्पली स्पिरिचुअल - यू आर नैचुरली डिवाइन *किताबों के लेखक है और फिटनेस फॉर लाइफ कार्यक्रम के शिक्षक है। भलाई के लिए वे सवुरफ़ेयर, एक दैनिक ब्लॉग भी लिखते है।*

शब्दों की दुनिया

औरंगज़ेब की दास्तान

संध्या राव

एक नयी किताब इस बात का पता लगाने की कोशिश करती है कि क्यों यह मुग़ल शासक विशेषरूप से अप्रिय है, चाहे वह इतिहास की किताबों में हो या फिर प्रचलित धारणाओं में।

मुझे याद है एक बार मेरे संगीत शिक्षक ने अपनी बेटी के बारे में बात करते हुए मुझसे कहा था, ''ओह, वह तो बिलकुल औरंगज़ेब की तरह है।'' इसका मतलब था, उसे संगीत पसंद नहीं था, जो स्पष्ट रूप से मेरे शिक्षक को परेशान करने वाली बात थी। विस्तार में इसका मतलब है कि औरंगज़ेब संगीत को नापसंद करते थे और इसे निरुत्साहित करता था। इसी बात का हमें भरोसा दिलाया गया है।

ऐसा प्रतीत होता है कि यह विचार केवल आंशिक रूप से सही - या गलत है, जो इस बात पर निर्भर करता है कि आप इसे किस नज़रिए से देखते है, ऑड्री तृश्क अपनी किताब, *औरंगज़ेब: द मेन एंड द मिथ* में कहती है। इस किताब के कवर पर एक युवा दिखने वाले बादशाह का चित्र है, बजाय सफ़ेद दाढ़ी और झुके हुए स्वरूप के जिससे हम सभी परिचित है। इसके अतिरिक्त, यह एक विद्वत्तापूर्ण पुस्तक नहीं लगती। साथ ही, यह किताब पतली है और इसका मूल्य उचित है - ये सभी अनुकूल कारण है एक ऐसे आदमी के बारे में लिखी गई किताब को खरीदने के लिए जो वास्तव में आपके दिल को रोमांचित नहीं करता।

क्या विचार था क्योंकि मैंने इसे लगभग एक ही बार में पढ़ लिया था, इसलिए नहीं कि लेखन आनंदप्रद था बल्कि इसलिए क्योंकि मैं इसे तुरंत साझा करना चाहती थी। ऐसा नहीं है कि मैं तृश्क के सभी निष्कर्षों से सहमत हूँ, लेकिन वह औरंगज़ेब के बारे में हमारे मन के पूर्वकल्पित विचारों को अलग रखकर उसे इतिहास के संदर्भ में देखने के लिए एक प्रभावपूर्ण पहलू पेश करती है। इस किताब में, तृश्क शोध की ताकतों और ऐतिहासिक लेखों को संघटित करती है ताकि हमें यह समझने में आसानी हो कि औरंगज़ेब जैसा था वैसा क्यों था, और कौन से कारणों ने उसकी सार्वजनिक छवि को स्थापित किया। दूसरे शब्दों में, किताब उस औरंगज़ेब के बारे में अधिक नहीं है जिसे हम नहीं जानते (हालाँकि उसमें वह बातें भी है), यह इस बारे में है कि हम औरंगज़ेब के बारे में जैसा सोचते है वैसा क्यों है।

खैर, औरंगज़ेब के संगीत के प्रति रवैये पर वापस आते है। तृश्क कहती है कि कई सालों तक उसने अपने पूर्वजों द्वारा खाली समय में की जाने वाली गतिविधियों का ही अनुसरण किया, जिसमें संगीत भी शामिल था। बख्तावर खान, एक अल्प उल्लेखित किन्तु उस समय के अहम इतिहासकार, के अनुसार इस राजा को संगीत की कला का विशेष ज्ञान था, वह लिखती है। ''1666 के ज़माने की एक संगीत पुस्तक, फकीरुल्ला की *राग दर्पण, द रिगुएउर* में औरंगज़ेब के पसंदीदा गायकों और वादकों के नामों की सूची है।'' जब वह उसकी उम्र के चौथे दशक में था, तब वह हीराबाई नामक एक गायिका एवं नर्तकी के प्रेम में पागल था। हमारी कल्पना के एक सख्त औरंगज़ेब को एक प्रेमी के रूप में स्वीकारना कठिन है, किन्तु प्रतीत होता है कि वह ऐसा ही रहा होगा: उसका प्रेमी। मगर, दुर्भाग्यवश, वह एक साल बाद ही मर गई। उसके शासनकाल के दूसरे दशक में, औरंगज़ेब ने संगीत को किसी भी प्रकार का संरक्षण प्रदान करना बंद कर दिया। फिर भी, अपने बाद के वर्षों में, उसने उदयपुरी, एक संगीतज्ञ, के साथ रिश्ता बनाया और उससे काम बख्श नामक एक बेटा भी हुआ।

तृश्क यूएस के रटगर्स विश्वविद्यालय में दक्षिण एशियाई इतिहास पढ़ाती है, और उनका शोध ''प्रारंभिक आधुनिक और आधुनिक भारत (1500 ईसवी-वर्तमान) की संस्कृति,'' बादशाहत और बौद्धिक इतिहास पर केन्द्रित है। फिर यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि शोधकर्ता की आवाज़ कभी-कभी कहानी पर भारी पड़ती है, हालाँकि शुक्र है कि वह 'शिक्षिक' होता है जो ज्यादातर बोलता है, भले ही शिष्टता के साथ नहीं पर स्पष्टता और तर्क के साथ। आप चाहे जिसकी बात सुने, यह आपको एक महत्वपूर्ण सीख प्रदान करती है कि कैसे इतिहास पढ़ा जा सकता है, या पढ़ा जाना चाहिए।

इतिहास तो हमारे खून में है: हर वर्तमान का एक भूत होता है, चाहे व्यक्तिगत हो या सामूहिक। हम आज जो कुछ भी है अपने अतीत के कारण ही है। लेकिन अतीत की घटनाओं एवं लोगों पर लेखन और इसका पाठन एवं इसका विवेचन 'वास्तविकता' से अलग होता है। वास्तविक घटनाओं और व्यक्तियों के बारे में लिखित व्याख्यान बमुश्किल पूर्णतः सत्य होते है। वे हो भी कैसे सकते है? वे कई प्रकार से प्रभावित होते है, वे या तो उस समय से प्रभावित होते है जिसमें वह लेख लिखा गया है या फिर जिन घटनाओं की वे याद दिलाते है उसकी कालानुक्रमिक दूरी से, वे एक लेखक (इस मामले में, एक इतिहासकार) द्वारा उठाए जाने वाले भार के बोझ से लदे होते है और उन तजुर्बों से प्रभावित होते है...

यही स्थिति उस किताब औरंगज़ेब की भी है। फिर भी, जब तृश्क पाठकों से औरंगज़ेब को उसकी शर्तों और उसके विचारों के अनुसार उसे समझने की अपील करती है, तो उसे हमारे समय अनुसार मत

आंकिए, केवल सुनना ही उचित है। आपको उसे पसंद करने की कोई आवश्यकता नहीं है, केवल यह समझने का प्रयत्न करें कि न्याय करने और नागरिकों को सुरक्षा प्रदान करने के उसके धार्मिक आदर्श अक्सर राजकीय हित में नहीं रहे, जिससे भयंकर आंतरिक संकट उत्पन्न हुए और उसके कार्यों पर प्रभाव पड़ा, वह कहती है। इसके साथ ही, वह आगाह करती है: ''मुग़ल इतिहास बड़ी तादाद में फ़ारसी, औरंगज़ेब के साम्राज्य की आधिकारिक प्रशासनिक भाषा, में लिखा गया है... आवश्यकता और सुगमता के कारण, बहुत से इतिहासकार मूल फ़ारसी ग्रंथों की उपेक्षा करते है, और इसकी बजाए अंग्रेजी अनुवाद पर भरोसा करते है।''

इस पद्धति ने जबर्दस्त रूप से साहित्यिक सामग्रियों को संकुचित कर दिया है, और मुग़ल ग्रंथों के बहुत से अनुवाद संदेहास्पद गुणवत्ता के है, अशुद्ध अनुवाद एवं काट-छाँट से भरपूर। इनमें से कुछ परिवर्तनों ने सुविधाजनक ढंग से अनुवादकों के मकसदों को पूरा किया, खासतौर से औपनिवेशिक-काल के अनुवादों ने जो भारतीय-मुस्लिम शासकों को दुष्ट दिखाने का प्रयास करते थे ताकि उनकी तुलना में अंग्रेज़ धर्मात्मा लगे।

औरंगज़ेब का नाम लेते ही हम सोचते है ''ओह, उसने थोक में मंदिरों को उजाड़ दिया था।'' तृश्क कहती है, यह नजरिया औपनिवेशिक काल की विद्वता और अंग्रेजों की फूट डालो राज करो की कूटनीति का प्रभाव है। ''औरंगज़ेब की न्याय धारणा में धर्म की आज़ादी के कुछ मापदंड शामिल थे, जिसके कारण ही उसने हिन्दुओं के अनेक पूजा स्थलों को संरक्षित किया। उस समय के यूरोपीय शासकों, जो उनके धार्मिक विचारों एवं इच्छाओं को अपनाने हेतु बाध्य करने के लिए क्रूर तरीके अपनाते थे, के मुकाबले मुग़ल शासक, आश्चर्यजनक रूप से, आमतौर पर अपनी प्रजा को काफी छूट देते थे। फिर भी, राजकीय हितों ने मुग़ल भारत में धार्मिक स्वतंत्रता को बाधित किया, और औरंगज़ेब भी ऐसे धार्मिक संस्थानों एवं नेताओं का दमन करने में नहीं हिचकिचाया जो उसकी नज़र में राजद्रोही या अधर्मी थे। तृश्क बतलाती है कि हमें सिख गुरु तेग बहादुर की हत्या को मुगलों की खिलाफत के संदर्भ में देखने की आवश्यकता है। शायद चीज़ें और बदतर हो गई थी, वह आगे कहती है, क्योंकि तेग बहादुर के भतीजे और सिखों के सातवे गुरु, हर राय, के द्वारा उत्तराधिकार की लड़ाई में दारा सिकोह (औरंगज़ेब के भाइयों में से एक) का समर्थन किये जाने की अफवाह थी।''

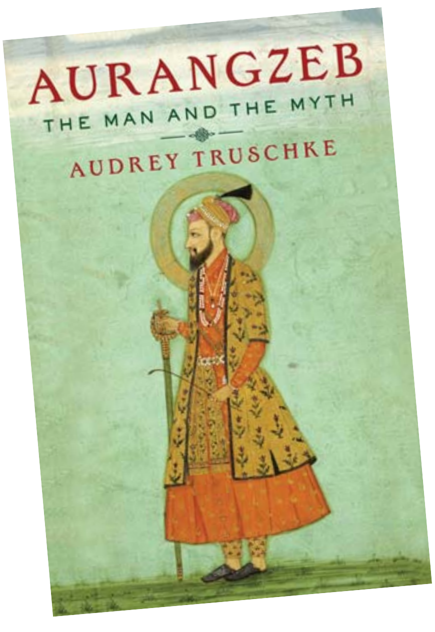

शाहजहाँ के सभी चार बेटों ने तख़्त हासिल करने के लिए षड्यंत्र रचा था। जब शाह शूजा को अपने पिता की बीमारी के बारे में पता चला, उसने एक लंबी चौड़ी उपाधि 'अबुल फौज (विजय का पिता) नसरुद्दीन (सत्य का रक्षक) मुहम्मद तैमुर खखख सिकंदर शाह शूजा बहादुर गाज़ी!' के साथ स्वयं को बादशाह घोषित करके अपनी ताजपोशी करवा ली।'' मुराद और औरंगज़ेब ने दारा पर हमला किया, शूजा ने दारा पर हमला किया... अपने दो भाइयों की मौत के पीछे खुद शाहजहाँ का हाथ था, जहाँगीर ने अपने भाई दानियाल को मरवा दिया था। सिंहासन के लिए युद्ध प्रचलन में था - *द रिगुएर* केवल मुग़ल काल में ही नहीं अपितु जहाँ कहीं भी, जब भी सत्ता दांव पर लगी हो।

तृश्क तर्क प्रस्तुत करती है कि ''औरंगज़ेब न्याय के उसके आदर्शों, राजनीतिक एवं नैतिक आचरण के प्रति प्रतिबद्धता (*आदाब* और *अखलाक़*), और राजनैतिक जरूरतों के अनुसार कार्य करता था। दुनिया को देखने के औरंगज़ेब के नज़रिये को उसकी धर्मनिष्ठा और विरासत में मिली मुग़ल संस्कृति द्वारा आकार दिया गया था।'' इस संदर्भ में देखने पर,

तृश्क शोध की ताकतों और ऐतिहासिक लेखों को संघटित करती है ताकि हमें यह समझने में आसानी हो कि औरंगज़ेब जैसा था वैसा क्यों था, और कौन से कारणों ने उसकी सार्वजनिक छवि को स्थापित किया।

यह समझना शायद संभव है कि काव्य और गद्य में *रामायण* के अनेक फ़ारसी अनुवाद उसे क्यों समर्पित थे।

जितना वह अपने दरबार में भ्रष्टाचार को रोकने की कोशिश करता था, वह उतना ही व्यापक रूप से बढ़ता था; शराब पीने को लेकर उसने जितना कठोर दंड दिया, लोग उतना ही अधिक पीते थे। इस किताब में सफ़र लेखक निक्कोली मनुक्की का कथन शामिल है, एक बार ''औरंगज़ेब ने क्रोध में चिल्लाकर कहा कि पूरे हिंदुस्तान में केवल दो लोग है जो नहीं पीते: एक वह खुद और दूसरे प्रधान क़ाज़ी अब्दुल वहाब।'' हालाँकि, मनुक्की ने भेद खोला... ''लेकिन अब्दुल वहाब के संबंध में (औरंगज़ेब) गलत था, क्योंकि मैं खुद रोजाना उसे मदीरा (*विने*) की बोतलें भेजता था, जो वह चुपके से पीते थे, ताकि बादशाह को इसके बारे में पता ना चल सके!'' जब वह दंड देता था तो निर्दयी हो जाता था, लेकिन उसने अनेक उच्च पदों पर हिन्दुओं को भी नियुक्त किया था। तृश्क यह दिखाना चाहती है कि कैसे यह सब चीज़ें एक ऐसे व्यक्ति में शामिल थी जो मुग़ल सल्तनत को इतिहास की सबसे बड़ी सीमा तक विस्तारित करते हुए मर गया मगर फिर भी उसे अपार विफलता का भय था।

ऑड्री तृश्क द्वारा लिखी गई औरंगज़ेब की जीवनी प्रतिरक्षात्मक हुए बिना भी गहरी समझ रखती है, और कट्टर राष्ट्रवादी हुए बिना भी प्रभावशाली है। सबसे महत्वपूर्ण, यह नयी तरह की है और आपको इतिहास के झरने में सराबोर होने के लिए आमंत्रित करती है। अगली बार जब भी आप यात्रा करेंगे, आप शायद अपने साथ औरंगज़ेब को ले जाना चाहेंगे।

स्तंभकार बच्चों की लेखिका और वरिष्ठ पत्रकार हैं।

Subscribe NOW!

for Rotary News Print Version & e- Version

For the Rotary year 2018 – 2019

As concerned citizens of the world, those of you who are alarmed at the degradation of the environment and slaughter of trees, kindly opt for our e-Version.

Annual Subscription India

Rs.420

Print version ☐ **e- Version** ☐

	No. of copies
Rotary News (English)	
Rotary Samachar (Hindi)	

For every new member the pro-rata is Rs 35 a month.

Please attach the TYPED list of individual members with their complete address and PIN Code. Intimate language preference (English / Hindi) against each member's name. Please do not send the Semi-annual Report for address list.

Rotary Club of .... RI District ....

Name of the President/Secretary ....

Address ....

....

....

City .... State .... PIN ☐☐☐☐☐☐

STD Code .... Phone: Off. .... Res. ....

Mobile ....E-mail ....

Cheque/DD No. .... Dated .... for Rs. ....

Drawn on ....

in favour of "ROTARY NEWS TRUST" payable at CHENNAI is enclosed.

Date: President/Secretary

Mail this form to:
Rotary News Trust, Dugar Towers, 3rd Floor, 34, Marshalls Road, Egmore, Chennai 600 008.
Tamil Nadu, India. Ph: 044 4214 5666, e-mail: rotarynews@rosaonline.org

Subscription norms

1. Subscription is for the Rotary year (July to June).
2. **It is mandatory for every Rotarian to subscribe to a Rotary magazine.**
3. The annual subscription for the magazine is Rs 420 per member.
4. Subscription for the full year must be sent in July, in the prescribed form.
5. Those joining after July can pay only for the remaining Rotary year at Rs 35 an issue.
6. Subscription account of the club with *Rotary News* is a running account and does not cease at the end of June every year.
7. Names of all members, with their complete postal address with **PIN CODE** must be typed and sent along with the form and DD/cheques payable at par.
8. Copies of Semi Annual Report **SHOULD NOT** be sent as address list.
9. Language preference (English or Hindi) should be stated alongside member's name.
10. **Members, please ensure that your name is included in the Subcribers' list that your club sends us. Often, names of members who have paid their subscription, are left out from the club list.**
11. Clubs must inform *Rotary News* about reduction in number of members, if any, before or in May. Please help reduce wastage of copies.
12. Clubs are liable to pay for the number of magazines we despatch according to the list available at Rotary News Trust.
13. Unpaid dues of the club will be shown as outstanding against the club. Any payment received subsequently will be adjusted against earlier dues.
14. **Clubs with subscription arrears will be notified to RI and may face possible suspension.**
15. We are in the process of tallying our subscriber list with RI membership from India.
16. If you want to switch to *The Rotarian*, please do so. But inform us **immediately** to avoid receipt of *Rotary News*. Or else your club will have to pay for it.

भुखे लोगों को खिलाने के लिए एक रोटरी फ्रिज

वी मुत्तुकुमारण

बाएं से : रोटरी क्लब कडलुर मिडटाउन के सचिव संतोष, अध्यक्ष बी मुरुगन, डीजी रमेश बाबु, ए जी मदनचंद और पूर्व अध्यक्ष अप्पासामी बालसुब्रमण्य 350 लीटर वाले फ्रिज के अद्घाटन समारोह में।

चेन्नई से 190 किमी दूर एक छोटे से शहर कडलुर में घरों में अतिरिक्त खाद्य पदार्थ और शेष बचे हुए ताजे फलों को अब पैक किया जा रहा है और कडलुर मिड्टाउन के रोटरी क्लब, मंडल 2981 द्वारा स्थापित 350 लीटर रेफ्रिज़रेटर में रखा जा रहा है, ताकि भूखे लोग आसानी से इसका उपयोग कर सकें।

सभी के लिए भोजन परियोजना के अधीन, क्लब ने फ्रिज को लॉरेंस रोड पर देवी गैस सर्विस के परिसर में रखा है, जो दुकानों और वाणिज्यिक दुकानों और आवासीय क्लस्टर से घिरा हुआ है। क्लब के अध्यक्ष बी मुरुगन कहते हैं, ''क्लब ने फ्रिज को स्थापित करने के लिए ₹ 31,000 एकत्र किया,'' हमें उम्मीद है कि इसका उन लोगों द्वारा सक्रिय उपयोग किया जा सकता है जिनके पास अतिरिक्त भोजन, 'फल या कोई अन्य खाद्य वस्तुएं हैं।''

परियोजना की प्रभावशीलता के आधार पर और ''भूख और योग्य लोगों को खिलाने के उद्देश्य से फ्रिज कितनी अच्छी तरह से उपयोगी साबित होता है, हम संपूर्ण शहर में पांच और रेफ्रिज़रेटर स्थापित करेंगे,'' वह कहते हैं।

परियोजना का उद्घाटन करते हुए, डीजी रमेश बाबू ने क्लब के सदस्यों की इस तरह की आवश्यकता आधारित और अभिनव परियोजना की कल्पना करने के लिए प्रशंसा की और मंडल के अन्य क्लबों को ऐसी परियोजना दोहराने के लिए सलाह दी ताकि घरों में बचे हुए भोजन को समुदाय में जरूरतमंद लोगों के मध्य फिर से वितरित किया जा सके।

मुरुगन कहते हैं, ''फ्रिज दिन भर जरूरतमंद लोगों के लिए खुला रहता है और क्लब कडलुर में कई स्थानों पर इसे दोहराने के लिए पायलट परियोजना का अध्ययन कर रहा है क्योंकि'' परियोजना भूख और कुपोषण के विरुद्ध लडाई में एक लंबा सफर तय करेगी।

होटल के साथ सहयोग करें

आईपीपी अपारसामी बालासुब्रमण्यम कहते हैं कि इस परियोजना को बढ़ाने और अधिक से अधिक लाभार्थियों तक पहुंचाने के लिए, क्लब 3-4 रेस्तरां और होटलों के साथ बातचीत कर रहा है, ताकि किसी भी समय रेफ्रिज़रेटर्स खाली न रहने पाएं। उन्होंने कहा, ''कुछ होटल मालिक फ्रिज में ताजा भोजन रखने के लिए पहल करते हैं जो 7.30 बजे सुबह से लेकर 9.30 बजे रात्रि तक खुला रहता है।'' बालासुब्रमण्यम आगे कहते हैं कि क्लब कोल्ड स्टोरेज का पूर्ण उपयोग करने के लिए निवासियों के बीच जागरूकता पैदा करने के प्रयास कर रहा है क्योंकि वे सामाजिक कार्यक्रमों और पारिवारिक अवसरों पर बडी मात्रा में बचे हुआ भोजन उपलब्ध करा सकते हैं।

वर्तमान समय में, दही चावल और नींबू चावल को फ्रिज में रखा जाता है जिसकी देखभाल रोटेरियन द्वारा की जा रही है। वे कहते हैं, ''हम सभी के लिए भोजन परियोजना को चालू रखेंगे और हम निवासियों को इस तरह के भोजन को फ्रिज में रखने के लिए संवेदनशील बना रहे हैं, जो अन्यथा बर्बाद हो रहे हैं, जिनमें से अधिकांश फ्रिजों को जल्द ही रखा जाएगा।'' ■

टीबी के प्रति जागरूकता फैलाना

टीम रोटरी न्यूज़

डॉ बी आर अभिजीत एक सत्र का उद्घाटन करते हुए। चित्र में क्लब अध्यक्ष गण शशिकांत (मेट्रो), सुवर्णा (गार्डन सिटी) और शोभा मुरली (कब्बन पार्क) भी शिामिल हैं।

रोटरी क्लब बैंगलोर क्यूबोन पार्क और गार्डन सिटी और मेट्रो, मंडल 3190 ने हाल ही में 24 मार्च को विश्व टीबी दिवस के अवसर पर बेंगलुरु में टीबी के लिए जागरूकता कार्यक्रम और स्क्रीनिंग शिविर का आयोजन किया। सन 1882 ईस्वी में ठीक आज ही के दिन डॉ रॉबर्ट कोच ने टीबी के जीवाणु की खोज की थी जिसने बीमारी का निदान और उपचार का मार्ग प्रशस्त किया। इस दिन प्रत्येक वर्ष ये दोनों रोटरी क्लब टीबी को खत्म करने के प्रयासों के उद्देश्य से जागरूकता कार्यक्रमों को आयोजित करते हैं।

राजराजेश्वरी अस्पताल के डॉ बी आर अभिजीत ने बीमारी पर एक व्यापक प्रस्तुतिकरण पेश किया। रोटरी क्लब बैंगलोर क्यूबन पार्क के अध्यक्ष शोभा मुरली रोटरी क्लब कहती हैं। ''मफ्मल्टीड्रग -प्रतिरोधी टीबी (एमडीआर-टीबी) के विकसित होने के कारण यह एक प्रमुख स्वास्थ्य जोखिम बन गया है और टीबी के विरुद्ध लड़ाई में प्राप्त हुए सफलताओं को जोखिम में डाल सकता है।''

होर्डिंग्स और पोस्टर्स ने संपूर्ण शहर में इस संदेश फैलाने में मदद की और सदस्यों ने टीबी के विरुद्ध निवारक उपायों के बारे में लोगों के बीच जागरूकता सृजित करने के लिए एक झोपडपट्टी का दौरा किया।

पीडीजी सुरेश कासलीवाल (मंडल 3040) और रोटरी इंडिया नेशनल टीबी कंट्रोल कमेटी ने भी शहर में जागरूकता कार्यक्रमों के आयोजन में भाग लिया। ■

रोटरी ने वाराणसी में कंप्यूटर सेंटर स्थापित किया

निर्धन परिवारों के छात्रों को रोटरी इंडिया साक्षरता मिशन के अधीन रोटरी क्लब वाराणसी सेंट्रल, मंडल 3120 द्वारा कंप्यूटर प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिसका उद्देश्य युवाओं को रोजगार प्राप्त करने में मदद करने के लिए व्यावसायिक कौशल से लैस करना है।

केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल द्वारा हाल ही में उद्घाटित कंप्यूटर केंद्र में 2-6 महीने की अवधि का बुनियादी और उन्नत कंप्यूटर पाठ्यक्रम संचालित किया जाता हैं। वर्तमान में 60 छात्र अध्ययनरत हैं। क्लब के सचिव मनोज कुमार जजोड़िया ने कहा कि छात्रों को दो योग्य शिक्षकों द्वारा पढाया जा रहा है। शहर के बीच में सिग्रा में क्लब अध्यक्ष ऋषभ चंद्र जैन के स्वामित्व वाली इमारत में इस केंद्र स्थापित करने में क्लब ने 4 लाख रुपये खर्च किए थे।

जजोड़िया ने कहा, केंद्र में एक्सेसरीज और फर्नीचर के साथ 10 कंप्यूटर हैं, लेकिन ''निश्चित रूप से, हम 25-30 से अधिक कंप्यूटरों के साथ केंद्र का विस्तार करेंगे और वाराणसी के अन्य हिस्सों में ऐसे अनेक केंद्र खोले जाएंगे।'' डीजी रणजीत सिंह अपनी यात्रा के दौरान केंद्र से बहुत प्रभावित हुए और टिप्पणी की ''यह परियोजना रोटरी इंटरनेशनल के छवि का भी निर्माण करती है।''

नौकरी का अवसर

उल्लसित चांदनी तहलानी (18), एक प्रथम वर्षीय बी कॉम की छात्रा कहती है। ''आवश्यक कौशल से लैस करेगी।'' ऋषिकांत सिंह (19), दूसरे वर्ष के बीए छात्र, भी उसके विचारों से सहमत हैं। उसने कहा, ''यह कंप्यूटर कौशल के साथ स्वयं को लैस करने का एक शानदार अवसर है जो नौकरी पाने के लिए जरूरी है।'' जजोड़िया ने कहा, ''हमारे क्लब के सदस्यों और हमारे व्यापार सहयोगियों के साथ नेटवर्किंग करते हुए, हम उन्हें उनके कौशल के आधार पर नौकरियां उपलब्ध कराएंगे।'' ■

रोटरी क्लब मनोरा पट्टुकोट्टई - मंडल 2981

पट्टूकोट्टई स्थित एक वृद्धाश्रम के सहवासियों के लिए क्लब ने चारपाई भेंट की। परियोजना की कुल लागत ₹1 लाख आई। क्लब द्वारा प्रायोजित RCC सूरप्पल्लम ने ₹8,000 की लागत से किराने का सामान आश्रम में दान किया।

रोटरी क्लब सेलम स्मार्ट सिटी - मंडल 2982

ज़िला कलेक्टर रोहिणी और राजनैतिक नेताओं की मौजूदगी में नि:शक्तजनों के लिए एक महा *स्वयंवरम* का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में त्रेसठ जोड़ों की शादी हुई। परियोजना की लागत ₹2 लाख आई।

रोटरी क्लब नासिक स्मार्ट सिटी - मंडल 3030

नासिक के तुलसी नेत्र अस्पताल में मातोश्री वृद्धाश्रम के 11 वरिष्ठ नागरिकों की मोतियाबिंद की सर्जरियाँ की गई।

रोटरी क्लब मदुरई वेस्ट एंड - मंडल 3000

एक मानसिक रूप से विकलांग युवा, आर हरी मुत्तुकृष्णन को अपनी अशक्तता से ऊपर उठकर बैडमिंटन में पदक जीतने के लिए सम्मानित किया गया। रोटेरियनों ने उसे आश्वस्त किया कि वे उसके खेल में उसका लगातार समर्थन करेंगे।

विधियाँ

रोटरी क्लब डबरा शुगर सिटी - मंडल 3053

अध्ययन सामग्री के एक विशाल वितरण में, क्लब ने सरकारी स्कूलों के बच्चों को 150 स्कूली बस्ते, 1,000 से अधिक किताबें और पेन बांटे। स्कूलों में पंखें भी दान किये गए।

रोटरी क्लब जयपुर मेजेस्टी - मंडल 3054

अहमदाबाद में एक कृत्रिम हाथ फिट करने के शिविर का आयोजन किया गया जिससे लगभग 260 लोग लाभान्वित हुए। शिविर के आयोजन में 200 से अधिक स्वयंसेवकों ने हिस्सा लिया। DGE नीरज सोगानी और DGN राजेश अग्रवाल ने शिविर का दौरा किया।

रोटरी क्लब राजकोट मिडटाउन - मंडल 3060

क्लब द्वारा चलाये एवं संभाले जाने वाले एक पुस्तकालय हेतु धन इकट्ठा करने के लिए *साइकिलोफन* का आयोजन किया गया। 95 रोटेरियनों, 30 एन्स और 60 एनेट्स की मदद से परियोजना प्रमुख दिव्येश अघेरा ने राजकोट साइकिल क्लब के साथ टीम बनाई। इस कार्यक्रम के अंतर्गत, सुविधाओं से वंचित 30 लड़कियों को साइकिलें दान की गई।

रोटरी क्लब धौलाधार पालमपुर - मंडल 3070

उसकी 'गिफ्ट ऑफ़ लाइफ' परियोजन के अंतर्गत, क्लब ने हिमाचल प्रदेश के चंबा ज़िले में स्थित एक दूरवर्ती गाँव की 12 वर्षीय लड़की की दिल की सर्जरी प्रायोजित की।

रोटरी क्लब पुणे कैंटोनमेंट - मंडल 3131

SCAW (स्लीपिंग चिल्ड्रेन अराउंड दी वर्ल्ड) परियोजना के अंतर्गत, छह अलग-अलग स्थानों पर कुल 350 स्कूलों में 6,000 शयन किट वितरित की गई। एचवी देसाई नेत्र अस्पताल के न्यासी पूर्व अध्यक्ष परवेज़ बिल्लीमोरिया ने स्थल पर बच्चों के लिए नेत्र शिविर का आयोजन भी किया।

रोटरी क्लब मीरा रोड - मंडल 3141

जनता की भलाई के लिए मुंबई में जल संरक्षण और नवीकरणीय ऊर्जा के इस्तेमाल पर वार्ता का आयोजन किया गया। क्लब ने लोगों को उनकी व्यावसायिक उत्कृष्टता और स्वार्थरहित सेवा के लिए सम्मानित भी किया। बच्चों को राइजिंग स्टार अवार्ड्स प्रदान किये गए।

रोटरी क्लब निज़ामाबाद - मंडल 3150

गुपनपल्ली गाँव के ज़िला परिषद् हाई स्कूल को 30 से भी अधिक दोहरी डेस्क भेंट की गई। इससे लगभग 200 विद्यार्थी लाभांवित होंगे। पूर्व अध्यक्ष अशोक रामरखयानी इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि थे।

रोटरी क्लब बीदर फोर्ट - मंडल 3160

इसके उपाश्रित क्लब कल्याण हिस्टोरिक क्लब और यंग स्टार क्लब के रोटारेक्टरों के साथ साझेदारी में, एक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें बुनियादी जीवन रक्षक सहायक और हृदय फुफ्फुसीय चिकित्सा का प्रदर्शन किया गया। उदय अस्पताल के डॉक्टरों ने भाषण दिए।

रोटरी क्लब मूंदगोद हेरिटेज - मंडल 3170

क्लब द्वारा मूंदगोद के लोयोला स्कूल के परिसर में स्थापित किये गए सेनिटरी नैपकिन भस्मक का उद्घाटन मंडल गवर्नर आनंद कुलकर्णी ने किया। कन्या छात्राओं को मासिक धर्मं स्वच्छता पर भी संवेदनशील बनाया गया।

रोटरी क्लब कोचीन क्वीन सिटी - मंडल 3201

कोची से 450 किमी दूर कंथाल्लोर में स्थित एक अनाथालय के बच्चों को कपड़े दान करने के लिए एक आठ सदस्यीय दल ने इसका दौरा किया। उन्होंने चावल की बोरियां, किराना और नाश्ता भी दिया और मदद के प्रतीक के रूप में ₹50,000 का चेक प्रस्तुत किया।

विधियाँ

रोटरी क्लब तिन्नावेली - मंडल 3212

एक विशाल नौकरी मेले का आयोजन किया गया जिसमें नौकरी की तलाश कर रहे 5,000 लोगों ने हिस्सा लिया। 500 उम्मीदवारों को प्रस्ताव पत्र प्रदान किये गए। इस कार्यक्रम से समुदाय में रोटरी की साख बनी क्योंकि लोगों ने योग्य युवाओं को कैरियर के अवसर प्रदान करने के प्रयासों की सराहना की।

रोटरी क्लब वेल्लोर नॉर्थ - मंडल 3231

काटपदी के विभिन्न सरकारी स्कूलों को लैपटॉप दान किये गए। देवालोईस स्कूल को एक इनट्रैक्ट चार्टर भी प्रदान किया गया।

रोटरी क्लब पटना कंकरबाघ - मंडल 3250

पटना के नेत्र निदान अस्पताल में रोटेरियन डॉ. राकेश कुमार द्वारा लगभग 50 लोगों का मोतियाबिंद का ऑपरेशन किया गया। क्लब ने लाभार्थियों के आने-जाने, खाने, रहने और ऑपरेशन के बाद की दवाइयों का ध्यान रखा। जरुरतमंदों को मुफ्त में चश्में दिए गए।

रोटरी क्लब जबलपुर साउथ - मंडल 3261

सुविधाओं से वंचित लड़कियों को आजीविका अर्जित करने में उनकी मदद करने के लिए सिलाई मशीन प्रदान की गई।

रोटरी क्लब कस्बा - मंडल 3291

साक्षरता परियोजना के अंतर्गत हर सप्ताहांत में दो बंगाली माध्यमिक स्कूलों से लगभग 20 छात्राओं को बुनियादी कंप्यूटर प्रशिक्षण दिया जा रहा है और दो घंटे इंग्लिश बोलना सिखाई जा रही है। क्लब की योजना है कि इस शिक्षण को इलाके की कम से कम 200 लड़कियों तक पहुँचाया जाए।

वी मुत्तुकुमारण द्वारा संकलित

एल गुनाशेकरण द्वारा रुपांकन

साक्षरता फोकस

आंध्र प्रदेश में TEACH कार्यक्रम

सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में T-E-A-C-H कार्यक्रम को ले जाने के लिए रोटरी भारत साक्षरता मिशन ने आंध्र प्रदेश सरकार के स्कूली शिक्षा विभाग के साथ साझेदारी की है।

शिक्षक सहायता के अंतर्गत, स्कूली शिक्षा के कमिश्नर (CSE) शिक्षकों के कौशल विकास के लिए मुख्य प्रशिक्षकों को तैयार करने हेतु RILM के साथ काम करेंगे। प्रशिक्षण संस्था का निर्धारण RILM द्वारा किया जायेगा।

RILM के अध्यक्ष शेखर मेहता, आंध्र प्रदेश के शिक्षा मंत्री श्रीनिवास राव के साथ, पीडीजी किशोर कुमार की उपस्थिति में MoU का आदान प्रदान करते हुए।

ई-शिक्षण में, सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में 45,000 ई-शिक्षण किट प्रदान करने के लिए CSE और RILM एक साथ काम करेंगे। शुरुआत में CSE ऐसे 5,000 स्कूलों की सूची RILM के साथ साझा करेगा जहाँ ई-शिक्षण सुविधा (32 इंच टीवी, एंड्राइड स्टिक और तेलुगू भाषा में सामग्री, जिसका ख़ाका राज्य बोर्ड के हिसाब से तैयार किया गया है) स्थापित की जाएगी।

वयस्क साक्षरता: अशिक्षित वयस्कों को पढ़ाने के लिए RILM बच्चों के लिए तेलुगू भाषा में दीक्षा प्राइमर्स प्रदान करेगा। परियोजना को चुनने वाले बच्चों को SUPW के अंतर्गत उन्हें 15 अंक प्रदान करेगा।

हैप्पी स्कूल: राज्य के स्कूलों में RILM पुस्तकालय स्थापित करेगा और उन्हें किताबों से भरेगा जबकि उन्हें पुस्तकालयों को स्थापित करने के लिए आवश्यक फर्नीचर प्रदान करेगा। ■

राष्ट्र निर्माता पुरस्कार

वर्ष 2017-18 के दौरान, 100 से अधिक रोटरी क्लबों और 200 इनर व्हील क्लबों ने सर्वश्रेष्ठ शिक्षक संकाय को राष्ट्र निर्माता पुरस्कार प्रदान किये। रोटरी क्लब जयपुर राउंड टाउन, मंडल 3054, ने ज़ोनल साक्षरता समन्वयक पीडीजी रमेश अग्रवाल के मार्गदर्शन में, हर एक स्कूल के 10 विद्यार्थी और प्रधानाध्यापक द्वारा की गई एक विस्तृत मूल्यांकन प्रक्रिया के बाद, 80 स्कूलों के 80 शिक्षकों को पुरस्कार प्रदान किये। इस परियोजना के लिए किसी एक क्लब द्वारा सम्मिलित किये गए स्कूलों की यह सर्वाधिक संख्या है। ■

हैप्पी स्कूल

रोटरी क्लब कलकत्ता युविस, मंडल 3291, ने पश्चिम बंगाल के हूगली जिले के गायत्री हिंदी विद्यालय को एक हैप्पी स्कूल में बदलने के लिए उसे गोद लिया। स्कूल में किये गए एक आवश्यकता मूल्यांकन में यह सामने आया कि स्कूल में बुनियादी सुविधाओं की कमी है।

शौचालय उपयोग करने योग्य नहीं थे और ना ही वहाँ पर पीने के पानी की सुविधा एवं विद्यार्थियों के पाठ्येतर कौशलों को निखारने के लिए खेल सामग्री थी। बच्चे ज़मीन पर बैठते थे क्योंकि कक्षाओं में बेंच और डेस्क नहीं थी। क्लब ने फर्नीचर प्रदान किये, हाथों की धुलाई के स्टेशन और पीने के पानी की सुविधाएं स्थापित की और लिंग विशिष्ट शौचालयों का निर्माण किया।

इस बात को सुनिश्चित करने के लिए कि शौचालय चालू एवं स्वच्छ रहे, बच्चों को स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के बारे में जागरूक करने के लिए कार्यशालाएं आजोजित की गई। इस परियोजना से लगभग 200 विद्यार्थी लाभान्वित हुए। ■

डिजिटल कक्षा

रोटेरियन किशोर लुल्ला, रोटरी क्लब संगली, मंडल 3170, वाशिम, महाराष्ट्र में 32 स्कूलों में ई-लर्निंग सुविधायों को प्रायोजित करने हेतु अपना योगदान डीजी आनंद कलकर्णी को क्लब अध्यक्ष सुहास कुंटा की उपस्थिति में प्रस्तुत करते हुए।

SBI फाउंडेशन के साथ सहयोग में, RILM तीन राज्यों के 310 स्कूलों में डिजिटल कक्षाएं स्थापित कर रहा है - कर्नाटक में 50, महाराष्ट्र में 118 और उत्तर प्रदेश में 142। इस परियोजना में रोटरी क्लब ठाणे हिल्स का एक न्यास, TRIUMPH फाउंडेशन, भी RILM के साथ साझेदारी कर रहा है।

राज्य बोर्ड के पाठ्यक्रम के अनुसार तैयार की गई स्थानीय भाषा की मल्टीमीडिया सामग्री प्रोजेक्टरों में स्थापित की गई है। एक ऑनलाइन पोर्टल को तैयार करके उसे RILM की वेबसाइट के साथ जोड़ा गया है ताकि परियोजना के कार्यान्वयन से संबंधित सभी जानकारी हासिल की जा सके। इस पोर्टल तक RILM, मेजबान रोटरी क्लबों/इनर व्हील क्लबों और संबंधित विक्रेताओं की पहुँच होगी। इस पोर्टल द्वारा स्थापना के बाद की रिपोर्ट और निरीक्षण रिपोर्ट ली जाएगी। ■

Padho Bharat

LIBRARY CREATION PROJECT

A T-E-A-C-H INITIATIVE

अग्रणी प्रकाशक ओरिएंट ब्लैकस्वान ने समस्त भारत में पुस्तकालयों की स्थापना करने के लिए ₹3.5 करोड़ की लागत की 2,54,070 इंग्लिश सीखने की किताबें और कहानियों की किताबें दान की है।

पुस्तकालयों के निर्माण में रुचि रखने वाले क्लबों को ₹13,000 की किताबें मुफ्त मिलेगी। एक पुस्तकालय के निर्माण के लिए RILM क्लबों को 50 प्राथमिक देगा। प्रबंधन शुल्क के रूप में क्लबों को प्रत्येक किताब के लिए ₹2 दान करने होंगे। क्लबों को फिर इसे 100 हिंदी/अन्य मातृभाषी पुस्तकों के साथ मिलाना होगा फर इसे पुस्तकालय की स्थापना के लिए स्कूल को दान करना होगा।

यह प्रयास 'पढ़ो भारत' का हिस्सा है जो RILM के T-E-A-C-H कार्यक्रम की पुस्तकालय परियोजना है। इस परियोजना में हिस्सा लेने के लिए ***www.rotaryteach.org*** पर जाएं या ***happyschool@rotaryteach.org*** पर ईमेल भेजें। ■

आशा किरण कार्यक्रम के अंतर्गत क्या एक बच्चे को प्रायोजित किया है?

अपने प्रायोजित बच्चे को TEACH एप डाउनलोड करके या www.rotaryteach.org पर जाकर देखिये। अपने प्रायोजित बच्चे के बारे में जानने के लिए TEACH एप में "My Asha Kiran Child" पर जाएं।

34,236 बच्चे आशा किरण कार्यक्रम में नामांकित है। अब तक, उनमें से 15,820 बच्चों का औपचारिक स्कूल प्रणाली में नामांकन हो चुका है। इनमें से प्रत्येक बच्चे को दानकर्ता के साथ चिन्हित किया गया है। ■

कैसे मीडिया तोड़-मरोड़ कर बदतर बना सकती है

टीसीए श्रीनिवासा राघवन

वर्ष 2004 से 2011 तक मैंने भारतीय रिज़र्व बैंक के इतिहास प्रकोष्ठ में एक परामर्शदाता के रूप में कार्य किया। एक बार, 2006 में, एक कार्यभार के लिए मुझे हर उस शहर की यात्रा करनी पड़ी जहाँ आरबीआई के कार्यालय स्थित है। किसी प्रकार से ऐसा हुआ कि इनमें से प्रत्येक जगह पर, प्रिंट मीडिया का सदस्य होने के नाते, मैंने खुद को वरिष्ठ स्टाफ को मीडिया, जिसमें टीवी भी शामिल था, का सामना कैसे करें को लेकर संबोधित करते हुए पाया। वेबसाइट्स बनने की शुरूआत तब हुई ही थी और सामाजिक मीडिया का तो विचार तक नहीं किया गया था। वे दिन ऐसे भी थे जब मीडिया ने अपने नैतिक स्तर को इतना नीचे नहीं गिराया था जितना आज गिरा दिया है।

फिर भी, पच्चीस वर्षों से अधिक समय तक अख़बारों के लिए कार्य करने के कारण, मेरे पास एक सरल सन्देश है: मीडिया से मुकाबला ना करें क्योंकि आप जीत नहीं सकते क्योंकि उसके पास अंत तक कहने के लिए कुछ ना कुछ होता है। और मैंने उन्हें उनके खुद के गवर्नरों के उदाहरण दिए जिनके कथनों को तोड़-मरोड़कर पेश किया गया था और परिणामस्वरूप वे मूर्ख प्रतीत हुए।

मेरा पसंदीदा उदाहरण किसी व्यक्ति के कथन को लफ़्ज़-ब-लफ़्ज़ परन्तु एकदम अलग ढंग से पेश करने की कला का था। इसमें दो तरह से करामात होती है: पहली, आप कथन को मुख्य समाचार में रखते है। उसमें इस बात का कोई जिक्र नहीं होता कि उससे पहले क्या कहा गया और बाद में क्या कहा गया। चूंकि अधिकांश लोग मुख्य समाचार के बाद नहीं पढ़ते, और इस तरह आप व्यक्ति को पूर्णतः बेवकूफ या कमीना दिखाने में सफल हो जाते है। इसके बाद किसी भी प्रकार का स्पष्टीकरण और सफाई काम नहीं आती क्योंकि नुकसान तो पहले ही किया जा चुका होता है। टीवी समाचार वाले स्क्रीन के निचले हिस्से में धीरे-धीरे समाचारों को चलाकर ऐसा करने में माहिर होते है।

इस प्रकार की चीज़ों का सबसे अच्छा उदाहरण जो मुझे याद है वह राजीव गाँधी के कथन का है जिन्होंने कहा था जब एक बड़ा पेड़ गिरता है तो धरती तो हिलती ही है। मैं उस सभा में मौजूद था जब उन्होंने यह कहा था, और यदि आप जानेंगे कि उन्होंने इस कथन के पहले और बाद में क्या कहा था, तो यह स्पष्ट हो जाएगा कि वह सिखों से प्रतिशोध लेने के बारे में बात नहीं कर रहे थे। उसी प्रकार, जब नरेंद्र मोदी ने 2012 में एक पिल्ले के कुचले जाने को लेकर टिप्पणी की थी, तो वह मुस्लिमों को कुत्ता नहीं कह रहे थे।

> मेरा शीर्षक था: ''सरकार तंगी में चल रही है।'' लेकिन संपादक ने उसे बदलकर ''सरकार गंभीर आर्थिक संकट का सामना कर रही है'' कर दिया था। यह मेरी अपेक्षा से परे था और मुझे जोरदार झटका लगा।

उन दिनों की दूसरी करामात, जब फोटो-शॉपिंग और जाली दृश्य/श्रव्य की शुरुआत नहीं हुई थी, बढ़ा-चढ़ाकर कहना या कम करके दिखाने की थी। आज पत्रकार एक दूसरे के लिए ऐसा करते है।

मुझे एक बार मेरे एक लेख के साथ दोनों ही करामात किये जाने का अनुभव हो चुका है। ऐसा 1982 में हुआ था, जब भारत खचत्र के कायदों के हिसाब से चल रहा था और उसे अपने खर्चों को अनुकूल स्थिति में लाना था। इसलिए सरकार ने सभी सार्वजानिक क्षेत्र की कंपनियों से सरकार के पास अपनी अतिरिक्त नकदी जमा करने के लिए कहा।

जब मुझे इसके बारे में पता चला, मैंने एक लेख लिखा और उसे अपनी समझ से एक उत्कृष्ट - एवं उचित - शीर्षक दिया: ''सरकार तंगी में चल रही है।'' लेकिन जब मैं अगली सुबह उठा और समाचार पत्र पढ़ा, तो मैंने देखा कि संपादक ने शीर्षक को बदल दिया था, जी हाँ, ऐसे: *सरकार गंभीर आर्थिक संकट का सामना कर रही है।* आर्थिक संकट? यह मेरी अपेक्षा से परे था और मुझे जोरदार झटका लगा।

केवल शीर्षक के साथ ही गड़बड़ी नहीं की जा सकती है। एक और तरीका भी है, एक अत्यधिक विकसित कलात्मक हेर-फेर का तरीका जिसमें आप लेख के मुख्य भाग के अनुच्छेदों को इस प्रकार से जमाते है कि कथन का जो भी असल उद्देश्य होता है उससे लगभग विपरीत प्रभाव पड़ता है। सभी चीज़ों की रिपोर्टिंग सही होती है; लेकिन वह प्रत्येक कथन का अनुक्रम होता है जो करामात दिखाता है। और इसकी खूबसूरती इस बात में होती है कि कोई शिकायत भी नहीं कर सकता क्योंकि सभी चीज़ों की रिपोर्टिंग सही की गई होती है। जब कभी भी मैंने आरबीआई की बैठकों में इसके बारे में चर्चा की, किसी ना किसी ने मुझसे पूछा कि क्या मैंने भी कभी ऐसा किया है। मेरा जवाब हमेशा होता था: आपको क्या लगता है, मैं और क्या करता हूँ?

इस कहानी से सीख: अपनी जानकारी के लिए किसी एक स्रोत पर निर्भर ना रहे। अगर वह समुचित रूप से संदेहास्पद है, तो विभिन्न वेबसाइटों पर जाँच करें। ■

Regn. No. TN/CCN/359/2018-2020 Licensed to post without prepayment No.TN/PMG(CCR)/WPP-421/2018-2020
Registered with Registrar of News Papers for India TNHIN/2001/5271 Rotary Samachar Published on 1st of every month
Total number of pages in this monthly issue, including cover, 84. Price: ₹35

Join 2018-19 RI President Barry Rassin at the 110th Rotary International Convention for a memorable week of inspiration, friendship, and fun. You'll be able to connect with people of action from around the world — and Capture the Moment forever.

Take advantage of the limited-time registration rate of US$350* from 23 to 27 June.

REGISTER ONLINE AT RICONVENTION.ORG

*Registration must be paid in full between 23 and 27 June 2018 to receive the US$350 rate. All rates inclusive of VAT.

Rotary | 2019 HAMBURG

ROTARY INTERNATIONAL CONVENTION
HAMBURG, GERMANY 1-5 JUNE 2019

संक्षेप में

स्वर्ग में बनी जोड़ी

जब हाल ही में तिरुवनंतपुरम में ट्रांसमेन ईशान (33) और ट्रांसवुमन सूर्या (31) ने शादी रचाई, तो केरला के ट्रांसजेंडर समुदाय ने इसकी ख़ुशी मनाई। स्पेशल मैरिज एक्ट के तहत ईशान, एक मुसलमान, और सूर्या, एक हिन्दू, शादी के बंधन में बंधे। परिवार एवं रिश्तेदारों के अलावा, अन्य राज्यों के अनेक LGBT और अधिकार कार्यकर्ता भी इस उत्सव में शामिल हुए। इससे पूर्व, 2017 में, जब ट्रांसकपल सुकन्या कृष्णन और आरव अप्पूकुट्टन ने शादी की थी, तब वे राज्य में सुर्ख़ियों में छाए थे।

नाम में क्या रखा है?

इटली, जो बच्चों के नामकरण को लेकर रूढ़िवादी है, में राष्ट्रपति द्वारा आदेश ज़ारी किया गया है कि बच्चों के लिंग-विशिष्ट नाम रखे जाने चाहिए। अभी हाल ही में, जब इतालवी युगल लूका और विट्टोरिया ने उनकी 18 महीने की बेटी का नाम ब्लू रखा, तो अदालत ने उन्हें नोटिस भेजा कि लड़की का नाम बदलकर कोई पारंपरिक नाम रखें नहीं तो उसे एक नाम दे दिया जाएगा। बच्ची के जन्म के पहले दिन से ही, माता-पिता ने उसका नाम ब्लू रखना तय किया था, जिसका मतलब होता है ख़ूबसूरत, प्रकाशमान और अनोखा। परन्तु समन में लिखा है कि 'यह अंग्रेजी शब्द *ब्लू* पर आधारित एक आधुनिक नाम है और यह एक व्यक्ति का नाम नहीं हो सकता।' हालाँकि, माता-पिता आदेश को इस दावे के आधार पर चुनौती देना चाहते है कि देश भर में एवं दुनिया भर में अनेक लड़कियों का नाम ब्लू या कोई दूसरा रंग जैसे *वर्डे* (हरा) रखा गया है।

कॉफ़ी से मौत

बैंकाक का किड माई डेथ कैफ़े एक अजीब तिकड़म का प्रचार करता है जिसमें ग्राहकों को कुछ मिनटों के लिए एक बंद ताबूत में लेटने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, और इसके बदले उन्हें पेय पदार्थों पर छूट मिलती है। कैफ़े के मालिक और समाज सुधारक, वीरानत रोजनाप्रपा, थाई लोगों जो अधिकांशतः बुद्ध धर्मं का पालन करते है, को 'मृत्यु जागरुकता' सिखाना चाहते है और बुद्ध की इस शिक्षा का प्रचार करना चाहते है कि जब एक व्यक्ति उसकी स्वयं की मौत से अवगत होता है, तो वह अच्छा काम करता है। मेन्यू में कंकाल आकार के स्नैक्स और बीमारियों के नाम वाले पेय पदार्थ शामिल है और तो और वहाँ एक कुर्सी पर कंकाल भी बैठा हुआ है।

एक ऐतिहासिक गर्भपात मतदान के लिए

आयरलैंड में आयोजित किये जा रहे ऐतिहासिक गर्भपात मतदान के लिए Yes अभियान द्वारा इस्तेमाल की जा रही सविता हलप्पनवार (31), एक भारतीय मूल की दंत चिकित्सक, की तस्वीर मुख्य पोस्टरों में से एक है। 2012 में सविता की मौत इसलिए हुई थी क्योंकि आयरिश संविधान द्वारा 17 हफ्ते की गर्भावस्था का अंत करने का उसका निवेदन ठुकरा दिया गया था। उसका गर्भपात हो गया था और घाव के सड़ने से उसकी मौत हो गई थी। गर्भपात कानून को उदार बनाने के लिए देश में एक जनमत-संग्रह आयोजित किया जा रहा है। इस कैथोलिक देश में गर्भपात पर पूर्ण प्रतिबन्ध होने के कारण, लोग गर्भपात कराने के लिए इंग्लैंड या अन्य देश जाते थे। चूंकि देश में गर्भपात के ऊपर गंभीर बहस चल रही है, ऐसे में सविता के कर्नाटक में रहने वाले पिता खुश है कि उनकी बेटी की तस्वीर एक ऐतिहासिक और जीवन-रक्षक मतदान के लिए इस्तेमाल की जा रही है।

धोबी घाटों के लिए वाशिंग मशीनें

मुंबई के 150 साल पुराने महालक्ष्मी स्थित प्रतिष्ठित धोबी घाट पर जल्द ही कूटने वाले पत्थरों का स्थान वाशिंग मशीनें और यांत्रिक ड्रायर ले लेंगे। बृहन्मुम्बई नगर निगम (BMC) की अगले तीन वर्षों में इसके रूपांतरण की योजना है। अंग्रेजों ने, 19वीं सदी में, 2.5 एकड़ क्षेत्र में 731 धोने के बाड़े और कूटने के पत्थर बनाये थे और उन्हें धोबियों और उनके परिवारों को आवंटित किये थे। आज, यह जगह तीसरे दर्जे का विरासत स्थल है और यहाँ एक लाख से भी अधिक कपड़े रोज़ाना धोये और सुखाये जाते है।

जयश्री द्वारा संकलित, एन कृष्णमूर्ति द्वारा रूपरेखा